शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कोडागु–तटीय क्षेत्र बारिश के प्रकोप से त्रस्त @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 27 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य–6 रु. | वर्ष–7 | अंक–145

भुज में बोले पीएम मोदी

टेररिज्म को टूरिज्म मानता है पाकिस्तान
ऑपरेशन सिंदूर आतंक के अंत का मिशन

भुज/दाहोद, 26 मई (एजेंसियां)।

आतंकवाद को उद्योग मानने के लिए पाकिस्तान की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के भुज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस्लामाबाद आतंकवाद को पर्यटन की तरह मानता है। पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो कोई भी भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे उसकी ही भाषा में जवाब दिया जाएगा। मोदी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही...। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के लोगों को अपने देश को आतंकवाद से मुक्त कराने के लिए आगे आना होगा। उनके युवाओं को आगे आना होगा।

'सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही...'

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि भारत की दिशा एकदम स्पष्ट है... भारत ने विकास का पथ चुना है, शांति और समृद्धि का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के नागरिकों और खासकर वहां के बच्चे... ये मोदी की बात कान खोलकर लो... ये आपकी सरकार और आपकी सेना आतंकवाद को समर्थन दे रही है। आतंकवाद पाकिस्तान की सरकार और सेना के लिए पैसा कमाने का जरिया बन गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के युवकों को तय करना होगा, बच्चों को तय करना होगा... क्या ये रास्ता उनके लिए ठीक है, क्या उनका भला हो रहा है। ये आपके भविष्य को नष्ट कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकी बीमारी से मुक्त करने के लिए पाकिस्तान के आवाम को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि भारत टूरिज्म पर विश्वास करता है, टूरिज्म लोगों को जोड़ता है। लेकिन पाकिस्तान जैसा देश भी है, जो टेररिज्म को ही टूरिज्म मानता है और ये दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारी नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है। ऑपरेशन सिंदूर ने इस नीति को और स्पष्ट कर दिया है। जो भी भारतीयों का खून बहाने की कोशिश करेगा, उसको उसकी भाषा में ही जवाब दिया जाएगा।

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि भारत पर आंख उठाने वाले किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर मानवता की रक्षा और आतंकवाद के अंत का मिशन है। उन्होंने कहा कि सीना तानकर बिहार की जनसभा में मैंने घोषणा की थी कि मैं आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिला दूंगा। 15 दिन तक हमने इंतजार किया कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ कोई कदम उठाएगा, लेकिन शायद आतंकवाद ही उनकी रोजी–रोटी है। जब उसने कुछ नहीं किया तो मैंने फिर देश की सेना को खुली छूट दे दी। भारत के टारगेट पर आतंकवाद के हेडक्वार्टर्स थे... हमने उन पर सटीक वार किया। ये दिखाता है कि हमारी सेना कितनी सक्षम और कितनी अनुशासित है। भारत की लड़ाई सीमापार पल रहे आतंकवाद से है। जो इस आतंकवाद को पाल–पोस रहा है... उससे हमारी दुश्मनी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने बच्चों के सामने पिता को गोली मार दी। इससे हमारा खून खौल उठा। आतंकवादियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी, इसलिए वहीं किया गया जिसके लिए देशवासियों ने उन्हें प्रधान सेवक की जिम्मेदारी दी थी। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, यह भारतीयों के संस्कारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को दाहोद में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कई विभागों की लगभग 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसके बाद एक जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहलगाम की आतंकी घटना के बाद तीनों सेनाओं को खुली छूट दी गई और देश के शूर–वीरों ने वह कर दिखाया, जो दुनिया ने पिछले कई दशकों से नहीं देखा था। ▶10 पर

नांदड़ में गरजे अमित शाह

माताओं–बहनों के माथे का सिंदूर सस्ता नहीं

नांदेड़, 26 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक सार्वजनिक रैली में एक शक्तिशाली भाषण दिया, जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति देश के दृढ़ दृष्टिकोण को रेखांकित किया, विशेष रूप से हाल की आतंकवादी गतिविधियों के जवाब में। शाह के भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की साहसिक सैन्य कार्रवाइयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि सशस्त्र बलों, नागरिकों और सीमाओं के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। शाह ने घोषणा की ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है। जो कोई भी भारतीय सेना, उसके लोगों या उसकी सीमाओं को धमकाता है, उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के जवाब में भारत द्वारा किए गए जवाबी उपायों की एक श्रृंखला का विवरण दिया, विशेष रूप से उन महत्वपूर्ण अभियानों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने हाल के वर्षों में देश की रक्षा रणनीति को नया रूप दिया है।

अमित शाह ने भारत में आतंकी हमलों के कुछ सबसे उल्लेखनीय जवाबों को याद किया। उन्होंने कहा, उन्होंने उरी में हम पर हमला किया और हमने सर्जिकल स्ट्राइक से जवाब दिया। उन्होंने पुलवामा में हम पर हमला किया और हमने हवाई हमला किया। और फिर, जब आतंकवादियों ने पहलगाम को निशाना बनाया, तो हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसने उनके आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने मोदी सरकार के तहत भारत की रक्षा नीति में बदलाव को रेखांकित किया। शाह ने जम्मू–कश्मीर में निर्दोष नागरिकों पर हाल ही में हुए जघन्य हमले का भी उल्लेख किया, जिसे कथित तौर पर पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था, जहां आतंकवादियों ने लोगों को उनके परिवारों के सामने बेरहमी से मार डाला। ▶10 पर

अवैध खनन के आरोप में

वाईएसआर कांग्रेस के नेता गोवर्धन रेड्डी गिरफ्तार

नेल्लोर (आंध्र प्रदेश), 26 मई (एजेंसियां)।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता के. गोवर्धन रेड्डी को खनिज के अवैध खनन समेत अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने रेड्डी को रविवार देर रात बेंगलुरु के बाहरी इलाके से गिरफ्तार किया और वेंकटगिरी अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ''उन्हें (रेड्डी) अवैध खनन, विस्फोटकों के अनधिकृत उपयोग और आदिवासियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।'' पूर्व कृषि मंत्री रेड्डी नेल्लोर जिले के पोडालकुरु मंडल में कथित तौर पर अवैध खनन में शामिल थे।

पुलिस ने कहा कि रेड्डी ने खनन गतिविधि के दौरान अवैध रूप से विस्फोटकों का इस्तेमाल किया और इसका विरोध करने पर स्थानीय आदिवासियों को जातिसूचक शब्द कहे।खान एवं भूविज्ञान विभाग की शिकायत के बाद फरवरी में काकानी के खिलाफ नेल्लोर जिले में अनधिकृत खनिज निष्कर्षण और अवैध परिवहन के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।इस सिलसिले में नेल्लोर ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) ने उन्हें नोटिस जारी किया था। लेकिन, वह पुलिस के सामने पेश नहीं हुए। पूर्व मंत्री ने अग्रिम जमानत के लिए पहले उच्च न्यायालय और बाद में उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। पिछले महीने पुलिस ने काकानी गोवर्धन रेड्डी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था, ताकि उन्हें देश छोड़ने से रोका जा सके।

पुरी में बड़ा हादसा, समुद्र में पलटी नाव

बाल–बाल बचे सौरव गांगुली के भाई–भाभी

पुरी, 26 मई (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के भाई और भाभी स्नेहाशीष और अर्पिता गांगुली की नाव रविवार को ओडिशा में समुद्र में पलट गई। यह घटना ओडिशा के पुरी में जल क्रीड़ा गतिविधि के दौरान हुई। अर्पिता गांगुली ने नाव के वाहक और संचालकों को दोषी ठहराया और कहा कि नाव में कम लोग होने के कारण नाव समुद्र में पलट गई, जिसके बाद लाइफगार्ड ने उसे बचा लिया। इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटकों को बचाने के लिए रबर फ्लोट का इस्तेमाल किया जा रहा था।

समुद्र पहले से ही बहुत उग्र था। नाव पर 10 लोगों की क्षमता थी, लेकिन पैसे के लालच में उन्होंने केवल तीन से चार लोगों को ही सवार होने दिया। यह उस दिन समुद्र में जाने वाली आखिरी नाव थी। हमने समुद्र में जाने को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन संचालकों ने हमें बताया कि यह ठीक है, अप्रिता गांगुली ने घटना के बारे में बताया। घटना के बाद थोड़ी स्तब्ध और स्तब्ध दिख रहीं गांगुली ने आगे बताया कि जैसे ही वे समुद्र में गईं, नाव पर एक बड़ी लहर ने हमला किया, जिससे नाव पर और भी ज़्यादा असर पड़ा, क्योंकि नाव पर पहले से ही कम लोग सवार थे।

अगर लाइफगार्ड नहीं आते, तो हम बच नहीं पाते। मैं अभी भी सदमे में हूं...मैंने कभी इस तरह की घटना का सामना नहीं किया। अगर नाव पर और लोग होते, तो शायद नाव पलटती नहीं। उन्होंने तटीय क्षेत्र के आसपास के संचालकों और अधिकारियों की थोड़ी और जांच करने की मांग की, ▶10 पर

राज्य के ही पुलिस अधिकारी ने किया खुलासा

बंगाल में फेसबुक के जरिए 90 हजार लड़कियों का अपहरण

कोलकाता, 26 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में कानून–व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार (26 मई 2025) को एक वीडियो साझा किया, जिसमें पश्चिम बंगाल पुलिस ने स्वीकार किया कि फेसबुक के जरिए 90,000 लड़कियों का अपहरण हो चुका है। यह खुलासा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आया है, जिससे ममता बनर्जी की तृणमूल कॉन्ग्रेस (टीएमसी) सरकार पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बीजेपी ने इस वीडियो के जरिए दावा किया कि राज्य में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा खतरे में है।

वीडियो में एक पुलिस अधिकारी कहते हैं, फेसबुक के माध्यम से अब तक 90,000 लड़कियों का अपहरण हुआ है। इसके साथ ही एक अन्य मामले में एक छठी कक्षा की छात्रा को इंस्टाग्राम के जरिए ब्लैकमेल कर फंसाने की बात सामने आई है। बीजेपी ने इसे ममता सरकार की नाकामी बताया और कहा कि बंगाल की बेटियाँ अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल में पहले भी कानून–व्यवस्था को लेकर विवाद हो चुके हैं। बीजेपी नेताओं ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी की सरकार अपराधों पर नियंत्रण में विफल रही है। खासकर, सोशल मीडिया के दुरुपयोग से होने वाले अपराधों ने चिंता बढ़ा दी है। बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह भयावह सच्चाई है कि बंगाल अब 'बंगालर मेये' (बंगाल की बेटियों) के लिए सुरक्षित नहीं है।

जस्टिस वर्मा की इन–हाउस जांच रिपोर्ट मांगने वाली आरटीआई याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने गोपनीयता का दिया हवाला

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत दायर एक आवेदन को खारिज कर दिया है। जिसमें जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों से संबंधित इन–हाउस जांच समिति की रिपोर्ट की मांग की गई थी।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष अदालत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को उक्त रिपोर्ट भेजने के लिए लिखे गए पत्र का खुलासा करने से भी इनकार कर दिया।

आरटीआई आवेदन में इस मामले में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र की भी जानकारी मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट रूप से संचार की गोपनीयता का हवाला दिया और आरटीआई आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया कि इससे संसदीय विशेषाधिकार का भी उल्लंघन हो सकता है।

इस महीने की शुरुआत में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर समिति की रिपोर्ट और न्यायमूर्ति वर्मा से प्राप्त जवाब साझा किया था। आंतरिक प्रक्रिया के अनुसार, न्यायाधीश को इस्तीफा देने की सलाह का पालन न किए जाने पर प्रधान न्यायाधीश राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को महाभियोग के लिए पत्र लिखते हैं। अमृतपाल सिंह खालसा द्वारा 9 मई को प्रस्तुत आवेदन को सुप्रीम कोर्ट के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने प्रमुख कानूनी छूटों का हवाला देते हुए खारिज कर दिया। 21 मई को दिए गए जवाब में, ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,040/– (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,00,598/– (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 25^0

न्यूनतम : 21^0

डीजीएमओ के अलावा भारत–पाक के बीच कोई बातचीत नहीं : एस जयशंकर

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चल रहे विवाद को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने सैन्य हमलों से पहले पाकिस्तान को सूचित किया था। संसद में सलाहकार समिति की बैठक के दौरान, जयशंकर ने आरोपों को बेईमानी और घटनाओं का गलत चित्रण करार दिया, जबकि सांसदों द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों पर स्पष्टता प्रदान की, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका, सिंधु जल संधि और ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित विवरण से संबंधित चिंताएं शामिल थीं। बैठक में मौजूद सूत्रों के अनुसार, जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सैन्य कार्रवाई ने सटीक तरीके से आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर पाकिस्तान के मनोबल को सफलतापूर्वक प्रभावित किया है। सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन पूरा होने के बाद, भारत के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने पाकिस्तान के डीजीएमओ को कार्रवाई के बारे में सूचित किया, न कि कार्रवाई शुरू होने से पहले, जैसा कि विपक्ष ने गलत तरीके से कहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जयशंकर पर सार्वजनिक ▶10 पर

कांग्रेस के आरोप बेबुनियाद

बिहार चुनाव : महागठबंधन में शामिल होने को उत्सुक एआईएमआईएम

पटना, 26 मई (एजेंसियां)।

बिहार में इस साल चुनाव है। सभी राजनीतिक दल अपने–अपने समीकरण साधने की कोशिश में हैं। वहीं, अब तक विपक्षी दल इंडिया से दूरी बनाए रखने के बाद, असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) राज्य विधानसभा चुनावों के लिए बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होने को लेकर उत्सुक है। लालू प्रसाद और तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली आरजेडी के अलावा विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं।

बिहार में एआईएमआईएम के नेता आरजेडी नेताओं के संपर्क में हैं। एआईएमआईएम के एक राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बताया कि हम महागठबंधन के साथ गठबंधन करने में रुचि रखते हैं। हम इसे लेकर बहुत सकारात्मक हैं। हमारी विचारधारा भाजपा को हराना और बिहार को सशक्त बनाना है। भाजपा के साथ हमारी लड़ाई कांग्रेस की तरह ही है। हम चाहते हैं कि महागठबंधन में एआईएमआईएम को भी शामिल किया जाए। एआईएमआईएम 2020 के राज्य विधानसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन से उत्साहित है, जब उसने बीएसपी और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) के साथ मिलकर तीसरा मोर्चा बनाया था। ▶10 पर

ओवैसी के इस प्लान पर हो रहा काम

कार्टून कॉर्नर

आध्यात्मिक एवं भावपूर्ण आध्यात्मिक जप अनुष्ठान का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के शांतिनगर क्षेत्र स्थित कुंडलिया सदन में सोमवार को तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में एक दिव्य, आध्यात्मिक एवं भावपूर्ण आध्यात्मिक जप अनुष्ठान का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने श्री पैंसठिया छंद के जप के माध्यम से आत्मिक शांति, मानसिक स्थिरता एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुपम अनुभव किया। संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा एवं सुमिरण की शक्ति से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम की विशेषता त्रिवेणी संगम रही, जो युगप्रधान आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पावनप्रभा जी, साध्वी पुण्ययशा जी एवं साध्वी सोमयशा जी के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। साध्वी पावनप्रभा जी ने नमस्कार महामंत्र के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसके पश्चात साध्वी पुण्ययशा जी ने पैंसठिया छंद जप अनुष्ठान का उद्घाटन कराया। साध्वीवृंद ने अपनी उत्कृष्ट वाणी एवं मंगल उद्बोधनों के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को आध्यात्मिक ज्ञान, संयमशील

जीवनशैली एवं आत्मोन्नति की दिशा में प्रेरित किया। जप, ध्यान और तप की त्रिविध साधना के माध्यम से साधकों ने आत्मा के शुद्धिकरण की अनुभूति की। इस त्रिवेणी में डुबकी लगाते हुए श्रद्धालु एक विशुद्ध, ऊर्जावान और संतुलित जीवन की ओर अग्रसर होते दिखाई दिए। साध्वी पावनप्रभा जी ने कहा यह एक अद्भुत अनुष्ठान है, जिसमें 24 तीर्थंकरों की स्तुति की गई है। यह धार्मिकता का प्रतीक है। हमें धार्मिकता को सुरक्षित रखना चाहिए। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा इस पैंसठिया छंद में आगे-पीछे, ऊपर-नीचे, क्रॉस में भी जोड़ 65 ही आता है। इसकी शुरुआत 2 प्लस 2 यानी 4 से होती है और अंत भी 4 पर होता है।

यह छंद अनुपम, अनुपूर्वी और आत्मिक आधार पर निर्मित है। सागर श्रमण ने शोध किया कि छंद के बिना यंत्र की शक्ति नहीं होती, और दोनों मिलकर इसकी शक्ति को दोगुना कर देते हैं, जिससे इसका प्रभाव अत्यधिक होता है। साध्वी सोमयशा जी ने कहा, यह अनुष्ठान अध्यात्म जागरण के लिए किया जाता है। यह शक्ति से भरपूर, पवित्र एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान है। कार्यक्रम के अंतर्गत साध्वी पावनप्रभा जी के मंगल भावना समारोह में तेयुप के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कुंडलिया, मंगल कोचर, बच्छराज सुराणा, अमित भंडारी, दीपक सुराणा आदि ने आगामी चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं अर्पित कीं। साध्वी सोमयशा जी ने कहा आपका आगामी चातुर्मास गुरु इंगित के अनुसार के.जी.एफ. में है, और यह केवल सफल ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक भी हो। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा, आप हमारे आने से पूर्व ही बेंगलूरु पधार चुके थे, इसलिए हम सभी निश्चिंत हो गए। आपने बेंगलूरु में लगभग 3.5 महीने का प्रवास करवाया और श्रावक समाज की सेवा व संरक्षण किया। कार्यक्रम का सफल संचालन तेयुप बेंगलूरु के परामर्शक जितेन्द्र घोषल ने किया। तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हुए साध्वीवृंद के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन पर तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया ने अपने हृदयस्पर्शी शब्दों में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में तेरापंथ सभा, महिला मंडल, अणुव्रत समिति, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम सहित तेयुप सदस्य पंकज सुराणा, नवल सुखानी, लतेश सेठिया, गौतम कोठारी, पवन बच्छावत, यशवंतपुर सभा अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, सुभाष डागा, केंगेरी से सुरेश दक, के.जी.एफ. से मीना दक, प्रिया बाँठिया, सरोज बैद सहित समस्त बेंगलूरु के श्रावक-श्राविका समाज की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

ऑपरेशन नार्कोस के तहत लगभग 29.79 लाख मूल्य का गांजा बरामद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नशीली दवाओं की तस्करी पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बेंगलूरु ने ऑपरेशन नार्कोस के तहत, लगभग 29.79 लाख मूल्य का 35.250 किलोग्राम गांजा सफलतापूर्वक बरामद किया, जिसके परिणामस्वरूप एक महिला सहित चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए, आरपीएफ और आबकारी की एक संयुक्त टीम ने हाल ही में प्रशांति एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 18463) के आगमन पर केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर छापा मारा। टीम ने व्यक्तियों के एक समूह को ट्रेन से उतरते और ट्रॉली बैग और बैकपैक लेकर तीसरे प्रवेश द्वार की ओर संदिग्ध रूप से बढ़ते देखा। आरपीएफ डॉग स्क्वायड की सहायता से उन्हें रोका गया। उनके बैग की सामग्री के बारे में पूछताछ करने पर, व्यक्ति घबराए हुए दिखाई दिए और असंतोषजनक जवाब दिए। आगे की जांच में पता चला कि बैग के अंदर प्लास्टिक में लिपटे बंडल थे जिनमें गांजा था। तस्करी करने वाले दल में तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं, जिनकी उम्र 30 वर्ष से कम है और वे ओडिशा के रहने वाले हैं। चारों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दिया गया है। आरपीएफ बेंगलूरु के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. श्रेयांस चिंचवड़े ने मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने और रेलवे परिसरों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बल की प्रतिबद्धता दोहराई। यह अभियान चल रहे ऑपरेशन नार्कोस का हिस्सा है, जो रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपनी शुरुआत से ही ऑपरेशन नार्कोस ने बड़ी मात्रा में जब्ती और गिरफ्तारियां की हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति आरपीएफ के समर्पण को दर्शाता है।

मंत्र मैजिक द्वारा मानसिक शांति विशेष सत्र का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरु सेंट्रल एवं फ्यूचरा विंग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष सत्र मंत्र मैजिक द्वारा मानसिक शांति का आयोजन किया गया। यह आयोजन टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत की अध्यक्षता में, संतोष एवं सरिता गोठी के निवास स्थान, बन्नेरघट्टा रोड में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के पावन सान्निध्य में आयोजित किया गया। साध्वी ने अपने ज्ञानवर्धक प्रवचन में फरमाया कि नियमित मंत्र साधना द्वारा न केवल मानसिक तनाव को दूर किया जा सकता है, बल्कि आत्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति भी संभव है। उन्होंने मंत्रों की शक्ति को वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समझाते हुए सभी प्रतिभागियों को साधना के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर लगभग 70 से अधिक सदस्यों ने भाग लेकर साध्वी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन का लाभ उठाया और आत्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मंत्रों के माध्यम से जीवन एवं स्वास्थ्य में सकारात्मक परिवर्तन लाना था। कार्यक्रम का सफल संचालन कन्वीनर संजय सुराणा ने किया।

विघ्न विनाशक पंच परमेष्ठी मंत्र आराधना अनुष्ठान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी नचिकेता, मुनि आदित्य कुमारजी के पावन सानिध्य में हनुमंतनगर में स्थित कम्मावरी संघ कल्याण मंडपम में विघ्न विनाशक पंच परमेष्ठी मंत्र आराधना अनुष्ठान का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा ट्रस्ट एचबीएसटी हनुमंतनगर के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुनि द्वारा नवकार महामंत्र के मंत्रोचार से हुई। तेयुप द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण किया गया। मुनिश्री डॉ पुलकित कुमार ने कहा मंत्र आराधना से आत्मा का पतन नहीं जागरण होता है।

इससे आधि व्याधि और उपाधि मिट जाती है तथा समाधि की प्राप्ति होती है। पंच परमेष्ठी का महत्व उजागर करते हुए मुनि ने आगे कहा नवकार महामंत्र का जाप प्राचीन जैन शास्त्रों में निहित है। वर्तमान मेडिकल साइंस भी जाप के महत्व को स्वीकार करने

लग गया है। इससे न केवल आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती है बल्कि अनेक शारीरिक मानसिक बीमारियों का भी अचूक उपचार किया जाता है। अनुष्ठान के अंतर्गत मुनि ने प्राचीन जैन मंत्र शास्त्रों में से अध्ययन के बाद जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने वाले प्रभावशाली जैन पंच परमेष्ठि स्वरूप अनेक मंत्रों का विभिन्न हस्त मुद्राओं एवं शुभ संकल्पों के साथ मंत्र आराधना संपन्न करवाई। नचिकेता मुनि आदित्यकुमार ने भी जाप करवाया। मुनि ने चातुर्मास में हर घर में नवकार महामंत्र का सवा लाख जाप करने की प्रेरणा दी। उन्होंने आह्वान किया कि हर परिवार में यह लक्ष्य एक व्यक्ति अथवा परिवार के सभी सदस्य मिलकर कर सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मूलचंद नाहर एवं अन्य अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया गया। तत्पश्चात मुनि पुलकितकुमार ने मंत्र आराधना अनुष्ठान प्रारंभ करवाया। अनुष्ठान के पश्चात महिला मंडल सदस्यों ने गीतिका का संघान किया। सभाध्यक्ष गौतमचंद दक ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि मूलचंद नाहर एवं कार्यक्रम के प्रायोजक नाथूलाल महावीरचंद बोल्या एवं डीगरीमल गौतमचंद दक का सभा के पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवं जैन पट्ट से सम्मान किया गया। गांधीनगर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केन्द्र के अध्यक्ष ललित मांडोत, मदनलाल बोराणा, कैलाश बोराणा, राजाजीनगर सभाध्यक्ष अशोक चौधरी, टी. दासरहल्ली सभा के पूर्व अध्यक्ष लादुलाल बाबेल, बहादुर सेठिया, विनोद छाजेड़, स्थानकवासी संघ हनुमंतनगर के संरक्षक नेमीचंद मुथा, मूर्तिपूजक संघ के चम्पालाल गादिया आदि का सम्मान सभा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभा के संस्थापक अध्यक्ष सुभाषचंद बोहरा, परामर्शकद्वय प्रकाशचंद देरासरिया एवं बालचंद चावत, उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, गौतम कातरेला, मुकेश मेहता, सहमंत्री राजेश मारु, संघठनमंत्री नवरतन बोहरा, महिला मंडल अध्यक्ष सरोज दुगड़, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, अभातेयुप से गौतम खाब्या, युवक परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक, मंत्री संदीप चौधरी, राहुल मेहता, देवेंद्र आंचलिया, नवरतन बोल्या, धवल बोल्या, भरत चावत, चेतन बोल्या, किशोरमण्डल संयोजक जिंनेश धोका, नीव चौधरी सहित अनेक सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों की एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

कृषि आयुक्त ने बीज व खाद्य उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।
कृषि विभाग आयुक्त वाई.एस. पाटिल ने संबंधित अधिकारियों को कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के किसानों की आवश्यक्तानुसार अच्छी गुणवत्ता वाले बीज और उर्वरक की आपूर्ति करने का निर्देश दिया। वे सोमवार को रायचूर कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में कलबुर्गी संभाग के जिलों की प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में मानसून की बारिश अच्छी है और आने वाले दिनों में कृषि गतिविधियां बढ़ेंगी। उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए जो बीज और उर्वरकों की कृत्रिम कमी पैदा करते हैं या उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक पर बेचते हैं।

होबली स्तर पर सभी किसान संपर्क केन्द्रों द्वारा किसानों को रियायती दरों पर बीज, उर्वरक एवं अन्य आवश्यक उपकरण वितरित किए जाएं तथा किसानों को इसके बारे में सभी जानकारी दी जानी चाहिए।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बैडरहल्ली स्थित सरकारी विद्यालय के खेल मैदान में वालीबॉल स्पर्धा विवेक ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में 10 टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा खेलेगा युवा जीतेगा भारत। इस अवसर पर हिंदू कार्यकर्ता नवीन सेठ, महेंद्र सिंह उपस्थित थे। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट की वार्षिक आमसभा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) बेंगलूरु वेस्ट शाखा की वार्षिक आमसभा का आयोजन विजयनगर तेरापंथ भवन में उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण के साथ हुई जिसमें 28 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष ललित बेगानी ने शाखा की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए टीम की उपलब्धियों को रेखांकित किया। टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत जैन ने बेंगलूरु वेस्ट टीम के नवाचारपूर्ण आयोजनों की सराहना की, जबकि दक्षिण जोन अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने सभा-संस्थाओं के साथ समन्वय और समय पर प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन की प्रशंसा की। सचिव कौशल खटेड़ ने वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सदस्यों द्वारा सराहा गया। कोषाध्यक्ष आशुतोष नाहर ने वित्तीय रिपोर्ट साझा की, जिसे आमसभा द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ। सभा में आरपीएएन एसोसिएट्स को वर्ष 2025-26 के लिए ऑडिटर नियुक्त किया गया। बैठक में दिए गए सदस्यों के सुझावों को आगामी योजनाओं में सम्मिलित करने का आश्वासन दिया गया। टीपीएफ से भरत भंसाली, संजय मालू, संजय चोरड़िया, तेरापंथ सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन संयुक्त सचिव दीक्षा जैन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कोडागु-तटीय क्षेत्र बारिश के प्रकोप से त्रस्त

बारिश के कारण बेंगलूरु में कई बड़े पेड़ गिरे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरुण की निरंतर उपस्थिति ने सामान्य जनजीवन को बाधित कर दिया है। कोडागु, मलनाड, तटीय आंतरिक और उत्तर कन्नड़ में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर सड़क यातायात बाधित हुआ है। नदियाँ, नाले और तालाब भरने और बहने लगे हैं। कोडागु में भारी बारिश हो रही है, जिससे कई स्थानों पर सड़क संपर्क टूट गया है और कुछ स्थानों पर भूस्खलन की आशंका है। लगातार हो रही बारिश के कारण एहतियात के तौर पर स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। कोडागु, चिक्कमगलूरु और बेलगावी में बारिश के कारण अब तक तीन मौतें हुई हैं।

मानसून पूरे जोरों पर है, चिक्कमगलूरु, कोडागु, शिवमोग्गा, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़ सहित विभिन्न जिलों में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और जलाशयों से पानी नदियों में छोड़ा जा रहा है। राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जबकि अन्य हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। सड़कें और पुल बाढ़ में डूबे हुए हैं। मैसूरु, चामराजनगर और मांड्या जिलों में वरुण की गर्जना जोरदार है। मैसूरु शहर सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण कई सड़कें कट गई हैं।

चामराजनगर जिले में पिछले दो दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। कोडागु जिले में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है और कूटाहोल पूरी तरह भर गया है तथा ओवरफ्लो हो गया है। कई बिजली के खंभे और पेड़ गिर गये हैं। मदिकेरी तालुका के बालमुरी में छोटा पुल पूरी तरह से जलमग्न हो गया है।

सोमवारपेट तालुक में मल्लल्ली झरना उफन रहा है।

हासन, मेंगलूरु, रायचूर और कोप्पल में भी भारी बारिश हो रही है। चिक्कमगलूरु के मुदिगेरे तालुक में बानाकल के पास हेमावती सहायक नदी में तीन कारें गिर गईं। स्थानीय लोगों ने कार में सवार लोगों को बचाया। दक्षिण कन्नड़ जिले के उडुपी और चिक्कमंगलूरु जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। दक्षिण कन्नड़ के पुत्तूर में नगर परिषद परिसर की एक दीवार गिर गई, जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। शिवमोगा में भारी बारिश हो रही है और तुंगा जलाशय भर गया है। पांच क्रशगेटों के माध्यम से नदी में 2,500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मौसम विभाग ने और भारी बारिश का अनुमान जताया है और कई जगहों पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर कन्नड़, कारवार और शिरूर इलाकों में भूस्खलन का खतरा है। पहाड़ी की ओर कोई भी वाहन पार्क न करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कलेक्टर ने हाल ही में शिरूर के निकट हुए भूस्खलन के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं, जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

तट पर लहरें तेज हैं और मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। वहीं बेंगलूरु में रविवार को हुई हल्की बारिश के कारण शहर में कई बड़े पेड़ गिर गए। जयनगर के ब्लॉक 4 में अचानक एक बड़ा पेड़ गिर गया। इस घटना में सड़क किनारे खड़ी 2 कारें और 2 बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। सौभाग्यवश, घटनास्थल पर कोई क्षति नहीं हुई।

इसी तरह संजयनगर मुख्य मार्ग पर मध्य रात्रि में एक विशाल पेड़ गिर गया। सोमवार सुबह संजयनगर के आसपास एक पेड़ गिरने से यातायात जाम हो गया। कई अन्य क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुई हैं और जनता यह सवाल कर रही है कि यदि भीड़भाड़ वाले इलाकों में पेड़ गिरे तो क्या होगा। बेलगावी जिले के गोकक शहर के महालिंगेश्वर कॉलोनी में सोमवार सुबह लगातार भारी बारिश के कारण एक घर की दीवार गिरने से तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान कीर्ति नागेश पुजारी (3) के रूप में हुई है। इस घटना में चार साल की एक बच्ची घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के समय बच्चे के माता-पिता घर के दूसरे कमरे में सो रहे थे। घायल लड़की को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज चल रहा है। मृतक लड़की के शव को गोकक सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में ले जाया गया। गोकक सिटी पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल का दौरा किया, निरीक्षण किया, मामला दर्ज किया और आगे की जांच शुरू की।

भारी बारिश के कारण दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में आंगनवाड़ी केंद्र बंद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी के तटीय जिलों में जारी भारी बारिश के कारण, अधिकारियों ने सोमवार को सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए अवकाश घोषित कर दिया। उडुपी जिले में, डिप्टी कमिश्नर डॉ. के. विद्याकुमारी ने खराब मौसम के बीच बच्चों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद करने की घोषणा की।

इसी तरह, दक्षिण कन्नड़ जिले में, प्रशासन ने लगातार भारी बारिश और उससे जुड़े जोखिमों के जवाब में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए अवकाश घोषित किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के लिए मंगलवार तक लगातार भारी बारिश की भविष्यवाणी करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। उडुपी जिले में घोषित रेड अलर्ट के मद्देनजर, महिला एवं बाल विकास मंत्री और उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने जिला प्रशासन को पूरे जिले में एहतियाती उपाय लागू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जनता से भी सतर्क रहने की अपील की है। जिले में लगातार भारी बारिश हो रही है और अगले तीन दिनों में और अधिक बारिश होने का अनुमान है। पर्यटन स्थलों, नदी तटों और तटीय क्षेत्रों में एहतियाती उपायों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर देकर कहा कि पर्यटकों को खतरनाक स्थानों पर जाने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यदि आवश्यक हो तो एहतियात के तौर पर समुद्र और नदी के किनारे रहने वाले लोगों को स्थानांतरित किया जाना चाहिए। लोगों की सुविधा के लिए देखभाल केंद्र खोले जाने चाहिए और लोगों के लाभ के लिए सभी सात तालुकों में 24 घंटे की हेल्पलाइन चालू होनी चाहिए। मंत्री ने लोगों से सतर्क रहने और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

मैं किसी मामले को लेकर अपना मुंह बंद नहीं रख सकता

कांग्रेस पार्टी को मानहानि के मामलों का नाटक बंद करना चाहिए: नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मांग की है कि कांग्रेस पार्टी को मानहानि के मामलों का नाटक बंद करना चाहिए। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि सरकार में इतनी नैतिकता नहीं है कि वह हमारे खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करे। सरकार की 5 गारंटियां भी आधे लोगों तक नहीं पहुंची हैं। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह पांच गारंटी के नाम पर जल्दबाजी में काम कर रही है। उन्होंने दो साल बिना कुछ हासिल किये बिता दिये। बेंगलूरु में बारिश से हुए नुकसान को नहीं देखा जा रहा है। बारिश के कारण 5 लोगों की मौत हो गई लेकिन किसी को पता नहीं चला। आपको लोगों के जीवन और सम्मान की परवाह नहीं है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई

कि वे लगातार यह दिखा रहे हैं कि केवल शक्ति ही महत्वपूर्ण है। आपने आज हमारे खिलाफ मुकदमा दायर किया। जब हमारी सरकार थी तब आपने झूठे आरोप लगाए थे। आपकी सरकार ने सुबह के समय इस्तेमाल होने वाले दूध से लेकर शराब तक हर चीज की कीमतें बढ़ा दी हैं। यही तो हमने कहा था। उन्होंने पूछा कि क्या इसमें कोई झूठ है? उन्होंने पूछा कि क्या दूध की बढ़ी हुई कीमत का लाभ किसानों को दिया गया। आपने पेट्रोल और अनाज की कीमत बढ़ा दी है। आपने स्टाम्प ड्यूटी बढ़ा दी है। आपने कचरे पर कर लगाया। इसके अलावा आपने हम पर 40 प्रतिशत भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। अब वे ही कांग्रेस पर 60 प्रतिशत भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। तीन पैसे का विकास कार्य नहीं हुआ है। राज्य का विकास शून्य है। उन्होंने आपत्ति जताई कि अगर वे बात करेंगे तो वे कहेंगे कि उन्होंने जैसा कहा था वैसा ही किया है। हम न्यायालय का सम्मान करते हैं। हम मुकदमा लड़ेंगे। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा आप हमें इस तरह चुप नहीं करा सकते। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में क्यों नहीं गए? वे यहां बैठकर अनुदान की मांग करते हैं। क्या आप नीति आयोग की बैठक में जाने से डर रहे हैं?

देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल हुए। उनकी मांगों पर भी चर्चा की गई। आपको बैठक में जाकर यह कहना चाहिए था कि पैसा जारी नहीं किया गया है। केन्द्र सरकार किसी भी परिस्थिति में जिसे चाहती है, उसे वह देती है जो उसे चाहिए। हालाँकि, उन्होंने शिकायत की कि आप राजनीति करने के लिए झूठ बोलते हैं। वे ऐसे झूठ का भी जवाब देते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यदि केंद्र द्वारा राज्य के साथ अनुचित व्यवहार किया जा रहा है तो यह कांग्रेस सरकार की नीतियों और आचरण के कारण है। यदि आप ऐसी बैठकों में भाग नहीं लेंगे और राज्य से अधिक धन की मांग करेंगे तो वे इसे कैसे समझेंगे? आपको केंद्र के खिलाफ बोलने का कोई अधिकार नहीं है। आपने तय किया है कि सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र नहीं होने चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें दवा खरीदने पर कमीशन नहीं मिल रहा है। या फिर किसी निजी व्यक्ति से कमीशन लेने का इरादा है? मोदी ने गरीबों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र खोले थे। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा क्या आप जन औषधि केंद्रों को तोड़कर बाहर नहीं फेंक रहे हैं, ताकि ऐसे अनुदानों से प्राप्त दवाएं गरीबों तक न पहुंचें? ऐसी स्थिति में आप केंद्रीय वित्त पोषण का इंतजार क्यों कर रहे हैं?

बेंगलूरु में मई में सबसे ज्यादा संचयी बारिश की गई दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले कुछ दिनों से बेंगलूरु में प्री-मानसून बारिश हो रही है, जिसके कारण शहर में मई महीने में सबसे ज्यादा संचयी बारिश दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 1 मई से 26 मई (सुबह 11.30 बजे तक) के बीच बेंगलूरु में रिकॉर्ड 307.9 मिमी बारिश हुई। मई महीने में पिछली सबसे ज्यादा बारिश 2023 में 305.4 मिमी दर्ज की गई थी। आईएमडी के डेटा के अनुसार, मई महीने में दर्ज की गई पाँच सबसे ज्यादा मासिक बारिश मौजूदा दशक में हुई है। मई 2025 और मई 2023 में रिकॉर्ड बारिश के अलावा, शहर में मई 2022 में 270.4

मिमी, मई 2017 में 241.9 मिमी और मई 2018 में 239.8 मिमी बारिश हुई। पिछले सप्ताह, बेंगलूरु में 24 घंटे की अवधि (18 मई की सुबह 8.30 बजे से 19 मई की सुबह 8.30 बजे के बीच) में 105.5 मिमी बारिश हुई, जो 2011 के बाद से दूसरी सबसे अधिक बारिश है। मई 2022 में, बेंगलूरु में 114.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मई के लिए अब तक का रिकॉर्ड 153.9 मिमी है, जो 6 मई, 1909 को दर्ज किया गया था। दक्षिण-पश्चिम मानसून के कई जिलों में आगे बढ़ने के साथ, आईएमडी ने कहा है कि अगले कुछ दिनों के दौरान बेंगलूरु सहित कर्नाटक के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन पर बेंगलूरु में अधिक वर्षा होने की उम्मीद है।

18 भाजपा विधायकों के निलंबन को वापस लेने का फैसला असंवैधानिक: कांग्रेस प्रवक्ता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधायक और कांग्रेस प्रवक्ता अय्यानुर मंजूनाथ ने विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर द्वारा 18 भाजपा विधायकों के निलंबन को वापस लेने के फैसले को असंवैधानिक बताया है। उन्होंने सोमवार को शिवमोग्गा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सदन के बाहर किसी को भी सदन के प्रस्ताव को वापस लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह एक पूर्व विधायक के तौर पर इस मुद्दे को उठा रहे हैं, न कि एक कांग्रेसी के तौर पर। उन्होंने

कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है जो फैसले को वापस लेने की अनुमति देता हो। सदन की कार्यवाही के नियमों के अनुसार, फैसले को सदन में ही वापस लिया जाना चाहिए था। स्पीकर, सीएम, डिप्टी सीएम और विपक्ष के नेता की मौजूदगी में बुलाई गई बैठक में फैसला नहीं लिया जा सकता। संसद सहित कहीं भी ऐसा फैसला नहीं लिया गया है। एक गलत मिसाल कायम की गई है। मंजूनाथ ने तर्क दिया कि फैसले को सदन द्वारा अनुमोदित नहीं किया जा सकता। यह ऐसा फैसला नहीं है जिसे पिछली तारीख से लागू किया जा सके। ज्यादा से ज्यादा स्पीकर निलंबन की शर्तों में ढील दे सकते थे और विधायकों को सदन की समिति की बैठकों में भाग लेने की अनुमति दे सकते थे। हालांकि, यह भी संवैधानिक रूप से किया जा सकता था।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

दक्षिण कन्नड़, उडुपी में सरकारी स्कूल कक्षाओं की मरम्मत के लिए 11 करोड़ रुपये मंजूर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सरकार ने दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों में सरकारी स्कूल कक्षाओं की मरम्मत के लिए लगभग 11 करोड़ रुपये जारी किए हैं। मरम्मत कार्य नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के साथ शुरू होने वाले हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले के 312 स्कूलों में 750 से अधिक कक्षाओं की मरम्मत के लिए 6.97 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। उडुपी जिले में, 228 सरकारी स्कूलों में 699 कक्षाओं की मरम्मत के लिए 4.11 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव को सरकारी मंजूरी मिल गई है, और अब दोनों जिलों में मरम्मत कार्य किए जाएंगे। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 29 मई से शुरू होने वाला है। शिक्षा विभाग ने स्कूलों को आरंभोत्सव (स्कूल फिर से खुलने का उत्सव) आयोजित करने का निर्देश दिया है। तैयारी में, प्रधानाध्यापक और कर्मचारी स्कूल की सुविधाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। एसडीएमसी के सदस्य और पूर्व छात्र संघ भी अपना समर्थन दे रहे हैं। दोनों जिलों में स्वीकृत मरम्मत कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए और छात्रों के लिए कक्षाएं तैयार की जानी चाहिए। डीडीपीआई कार्यालय ने सभी बीईओ और प्रधानाध्यापकों को बिना किसी देरी के काम पूरा करने और जिला मुख्यालय को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश जारी किए हैं। पहले दिन सरकारी स्कूल के छात्रों को मिड-डे मील के साथ मीठी पायसम परोसी जाएगी।

कुछ स्कूल स्थानीय दानदाताओं द्वारा प्रायोजित विशेष मिठाइयाँ भी पेश करेंगे। विभाग ने स्कूलों को नए नामांकित छात्रों सहित सभी छात्रों का विशेष तरीके से स्वागत करने का निर्देश दिया है। प्रवेश द्वार को कोमल आम के पत्तों की माला और फूलों से सजाया जाएगा। छात्रों का फूलों से स्वागत किया जाएगा और स्थानीय दानदाताओं और शिक्षा के प्रति उत्साही लोगों को शामिल करते हुए सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें छात्रों को प्रेरक भाषणों से प्रेरित किया जाएगा। उडुपी और दक्षिण कन्नड़ के डीडीपीआई गणपति के और गोविंदा मदिवाल ने कहा कक्षाओं की मरम्मत के लिए धनराशि जारी कर दी गई है और स्कूलों को बिना देरी किए काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

सभी स्कूलों को आगामी मानसून के मौसम को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने का भी निर्देश दिया गया है। प्रवेश और सुविधा निरीक्षण वर्तमान में प्रगति पर हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले में कुल 750 से अधिक कक्षाएं और उडुपी जिले में 699 कक्षाएं विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में मरम्मत के लिए तैयार हैं।

कुएं के पानी के अनुपयोगी होने से लोग परेशान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गंजीमठ के एक निवासी को अपने घर के कुएं के पानी के दूषित होने के बाद गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा कथित तौर पर पास के एक निजी हॉल के कारण हुआ है। यह समस्या कथित तौर पर कुछ साल पहले शुरू हुई थी, जब घर से जुड़े निजी हॉल से निकलने वाले नाले के कारण कुआं दूषित हो गया था। शुरुआत में, प्रदूषण के कारण परिसर के भीतर एक कुएं को बंद करना पड़ा था। बाद में एक दूसरा कुआं बनाया गया, लेकिन वह भी उसी कारण से अनुपयोगी हो गया। संपत्ति का मालिक वर्तमान में विदेश में रहता है, जबकि उसका भाई दूषित आपूर्ति के कारण सुरक्षित पेयजल तक पहुंच की कमी का हवाला देते हुए न्याय की मांग कर रहा है। निवासी के भाई जाकिर ने बार-बार अधिकारियों

से संपर्क किया और शिकायतें दर्ज कराईं। रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि पानी पीने योग्य नहीं है। डिप्टी कमिश्नर और जिला प्रभारी मंत्री यू टी खादर को कई पत्र भेजने के बावजूद, हॉल के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। प्रभावित निवासी तत्काल वैकल्पिक जल आपूर्ति और प्रदूषण के लिए जिम्मेदार निजी हॉल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भारी बारिश के बीच फॉल्स में पर्यटकों ने की मौज-मस्ती

स्थानीय लोगों ने पर्यटकों को खतरे से बचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले में लगातार हो रही बारिश के बावजूद, पर्यटक यहां पलाडका एरुगुंडी जलप्रपात पर मौज-मस्ती करते देखे गए, जिससे सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। भारी बारिश के कारण नदियों और नालों में पानी भर जाने के बावजूद, पर्यटक लोकप्रिय जलप्रपात पर मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होते देखे गए। रविवार को, पर्यटकों के एक समूह ने खुद को इस जगह का आनंद लेते हुए खतरनाक स्थिति में पाया, लेकिन स्थानीय

निवासियों द्वारा समय रहते उन्हें बचा लिया गया। बचाव अभियान का एक वीडियो तब से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने मानसून के दौरान ऐसे स्थानों पर जाने से जुड़े जोखिमों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि अतीत में ऐसी ही स्थितियों में कई लोगों की जान जा चुकी है। निवारक कार्रवाई का आग्रह करते हुए, निवासियों ने पुलिस विभाग से तुरंत कदम उठाने और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान ऐसे स्थानों पर जाने के खिलाफ पर्यटकों को आगाह करने का आह्वान किया है।

राष्ट्रपति ने दीवानी मामलों में देरी को चुनौती देने के लिए एक महत्वपूर्ण सीपीसी संशोधन पर किए हस्ताक्षर: पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के.पाटिल ने कहा कि राष्ट्रपति ने आम आदमी को न्याय प्रदान करने तथा दीवानी मामलों में देरी को चुनौती देने के लिए एक महत्वपूर्ण सीपीसी संशोधन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं तथा एक या दो दिन में अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बेलगावी विधानसभा सत्र में सर्वसम्मति से पारित विधेयक को राज्यपाल के पास भेज दिया गया है। उन्होंने इसे बिना हस्ताक्षर किये राष्ट्रपति को भेज दिया। राष्ट्रपति ने 19 मई को इस पर हस्ताक्षर कर दिए। इस प्रकार, यह कानून लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अब से

सिविल मामलों के निपटारे में क्रांतिकारी प्रगति होगी।

नये नियमों के अनुसार, सिविल मामलों पर शुरू में दो महीने की अवधि के लिए बातचीत की अनुमति होगी।

मामले की सुनवाई, साक्ष्य प्रस्तुत करने और फैसले की घोषणा की तारीख सहित सभी चीजों के लिए उसी दिन कार्यक्रम निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले के समाधान के लिए अधिकतम 24 महीने की अवधि निर्धारित की जाएगी। यह अधिनियम उन मामलों में उचित निर्णय लेने के लिए न्यायालय की शक्ति को बढ़ाता है जहां प्रतिवादी असहयोगी है। लिखित बयान दाखिल करने के लिए 120 दिन का समय दिया जाता है। यदि लिखित बयान उस अवधि के भीतर दाखिल नहीं किया जाता है, तो अदालत को बाद के बयान को अस्वीकार करने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से केस मैनेजमेंट सिस्टम को पूरी तरह से पुनर्परिभाषित किया गया है। 2023 तक राज्य की निचली अदालतों में 9,37,238 मामले लंबित हैं। उन्होंने बताया कि कुल 30.49 लाख सिविल मामले विभिन्न चरणों में लंबित हैं। न्याय में देरी से आम आदमी को धोखा दिया जा रहा है। सरकार का मुख्य उद्देश्य इसे रोकना है। इस प्रकार, सिविल प्रक्रिया संहिता में संशोधन का क्रांतिकारी निर्णय विधानमंडल में लिया गया। विधानमंडल ने इसमें अपना पूर्ण सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को भी सहयोग करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिनियम का उद्देश्य सफल हो। इस विधेयक के कार्यान्वयन का सिविल अदालतों में न्यायाधीशों की कमी से कोई संबंध नहीं है। हमारी सरकार ने सौ से अधिक ग्राम न्यायालय शुरू किये हैं। उन्होंने बताया कि 158 न्यायिक पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल आम लोगों को अदालत जाने से मुक्ति मिलेगी, बल्कि वित्तीय बचत में भी मदद मिलेगी।

अगले दो दिनों तक कर्नाटक में तेज हवाओं के साथ व्यापक वर्षा की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 28 मई तक कर्नाटक में तेज हवाओं के साथ व्यापक वर्षा का पूर्वानुमान लगाया है, जो राज्य में मानसून की शुरुआत का संकेत है। पूर्वानुमान तटीय क्षेत्रों, बेंगलूरु, उडुपी और दक्षिण कन्नड़ सहित दक्षिणी और उत्तरी आंतरिक जिलों को प्रभावित करता है। कई क्षेत्रों में हवा की गति 40-60 किमी/घंटा के बीच रहने की उम्मीद है। हालांकि बेंगलूरु के लिए कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन उडुपी, चिक्कमगलूरु और शिवमोग्गा जिलों के लिए रेड अलर्ट घोषित किया गया है। धारवाड़ और बेलगावी जिले सोमवार से ऑरेंज अलर्ट के तहत हैं। गुरुवार से मौसम की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि इसके बाद कोई रेड अलर्ट का पूर्वानुमान नहीं

है, लेकिन कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी रहेंगे। सोमवार को दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ में 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी बारिश हुई, जबकि अलग-अलग क्षेत्रों में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार को सबसे ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है, लेकिन बुधवार की तुलना में इसकी तीव्रता में कमी आएगी। उत्तरी कर्नाटक में बेलगावी, धारवाड़, बागलकोट, विजयपुरा और गदग सहित जिलों में सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश होने की उम्मीद है। बुधवार तक बीदर, हावेरी, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर और यादगीर जैसे अन्य उत्तरी जिलों में भी मध्यम से भारी बारिश होने की उम्मीद है। चिक्कमगलूरु, कोडागु और शिवमोग्गा के दक्षिणी आंतरिक जिलों में बुधवार तक 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज बारिश होगी। मैसूरु, हासन और मांड्या में भी भारी बारिश होने की उम्मीद है।

मंगलवार को बेंगलूरु, मांड्या, तुमकुरु और दावणगेरे जिलों में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है, जबकि बुधवार को कई दक्षिणी जिलों में भारी बारिश होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, आईएमडी ने कर्नाटक के सभी क्षेत्रों में मध्यम से भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है, तथा बेंगलूरु, तुमकुरु और रामनगर में पूरे सप्ताह लगातार भारी वर्षा होने की संभावना है।

यात्रियों को नीलगिरी जिले के पर्यटन स्थलों पर जाने से रोक

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के डिप्टी कमिश्नर ने लोगों को तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के पर्यटन स्थलों पर न जाने की सलाह दी है, जहां पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। यहां सोमवार को डिप्टी कमिश्नर शिल्पा नाग, जो जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष भी हैं, ने चामराजनगर के नागरिकों को बारिश कम होने तक नीलगिरी जिले की यात्रा की योजना न बनाने की चेतावनी दी। तमिलनाडु के नीलगिरी जिले की डिप्टी कमिश्नर के एक टेलीफोन संदेश का हवाला देते हुए, नाग ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने पर्यटकों को डोड्डाबेट्टा, पाइन फॉरेस्ट, लैम्ब्स रॉक, अवलांची, 9वें माइल शूटिंग पॉइंट, बोट हाउस, पाइकारा और ऊटी जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर जाने से प्रतिबंधित कर दिया है। अधिक जानकारी के लिए लोगों से अनुरोध है कि वे चामराजनगर में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यालय से 1077 (टोल फ्री), 9740942901 (व्हाट्सऐप नंबर) या लैंडलाइन नंबर 08226-223160, 223161 और 223163 पर संपर्क करें।

सुहास शेट्टी मामले को लेकर बाजपे चलो विरोध प्रदर्शन के आयोजकों और वक्ताओं पर मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिटी पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों द्वारा आयोजित 'बाजपे चलो' विरोध प्रदर्शन के आयोजकों और वक्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस विरोध प्रदर्शन में सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपे जाने की मांग की गई है। रविवार को दोपहर 3 से 5 बजे के बीच

बाजपे में शारदा मंडप के पास हुआ यह विरोध प्रदर्शन पुलिस की अनुमति के बिना किया गया था। कथित तौर पर इस प्रदर्शन में करीब 3,000 लोगों की भीड़ ने हिस्सा लिया। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने अवैध रूप से बाजपे बस स्टैंड पर और उसके आसपास इकट्ठा होकर प्रवेश और निकास मार्गों को अवरुद्ध कर दिया और राज्य राजमार्ग संख्या 67 के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया। इससे क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही और सार्वजनिक पहुंच बाधित हुई। कार्यक्रम के दौरान, वक्ताओं में से एक ने कथित तौर पर सुहास शेट्टी मामले के संदर्भ में भड़काऊ भाषण दिया, जिससे सांप्रदायिक तनाव भड़क सकता था और सार्वजनिक शांति भंग हो सकती थी। घटना के आधार पर बाजपे पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत आरोप दर्ज किए गए हैं।

जासूस ज्योति को भेजा गया जेल उधर फोन का डेटा भी बरामद

पाकिस्तान में आईएसआई ने दी थी सुरक्षा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी की आरोपी यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। पिछली बार जब पुलिस ने ज्योति को कोर्ट में पेश किया था तब कोर्ट ने ज्योति की रिमांड 4 दिन के बढ़ाई थी। इससे पहले कोर्ट ने ज्योति को पांच दिन के पुलिस रिमांड में भेजा था। 9 दिन की कुल पुलिस रिमांड के बाद अब कोर्ट ने ज्योति मल्होत्रा को 14 दिनों के जेल भेज दिया है।

इस बीच पाकिस्तान और ज्योति की गहरी दोस्ती का एक और सबूत सामने आया है। पाकिस्तान में यू-ट्यूबर ज्योति को सख्त सुरक्षा दी जाती थी। स्कॉटिश यूट्यूबर मिस्टर कैलम ने अपने वीडियो में ज्योति के

पाकिस्तान कनेक्शन पर खुलासा किया है। उधर पाकिस्तान के एक यूट्यूबर जीशान हुसैन से ज्योति दोस्ती का भी खुलासा हुआ है। दोनों पाकिस्तान की इमेज बेहतर बनाने के लिए वीडियोज भी बनाते थे। जीशान ने ज्योति को पाकिस्तान का एंबेसडर तक बताया था।

ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में ज्योति के पाकिस्तान के लिए जासूसी के लिंक मिले हैं। बता दें कि ज्योति के मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की फाइनल रिपोर्ट हिसार पुलिस को मिली है।

हिसार पुलिस ने ज्योति के मोबाइल और लैपटॉप से 12टीबी की डिजिटल फॉरेंसिक डाटा रिकवर किया है। पुलिस फिलहाल हिरासत की मांग नहीं कर रही, पहले डिजिटल सबूतों की गहराई से जांच करेगी। प्रारंभिक डाटा में ज्योति के खातों में संदिग्ध मनी ट्रेल का पता चला है। ज्योति चार पीआईओएस के संपर्क में थी और उनकी पहचान की उसको जानकारी थी। डिजिटल डेटा में किसी ग्रुप चैट के नहीं, बल्कि केवल वन-ऑन-वन बातचीत के सबूत हैं।

पहली पाकिस्तान यात्रा के बाद उसे विशेष वीज़ा और आईएसआई व पाक गृह मंत्रालय की मंजूरी से सुरक्षा मिली थी। पाकिस्तान यात्रा के वीडियो सामने आने के बाद उसके फॉलोअर्स और व्यूज़ में अचानक बढ़ोतरी हुई थी।

हिसार पुलिस के मुताबिक ज्योति ने जानबूझकर आईएसआई की योजना में साथ दिया ताकि उसे सुविधाएं मिलती रहें। उसे वीआईपी ट्रीटमेंट दिया गया जो आईएसआई का आम तरीका है सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को लुभाने का। हिसार पुलिस को मिले ज्योति के डिजिटल साक्ष्य इतने मजबूत हैं कि उस पर कई धाराओं में केस बन सकता है। उसकी गिरफ्तारी समय पर हुई जिससे एक बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा संकट टल गया। वह पहले ही पीआईओएस के इशारों पर काम कर रही थी ताकि उसे व्यक्तिगत लाभ मिल सके। भारतीय एजेंसियां पहली पाकिस्तान यात्रा के समय से ही उस पर नजर रखे हुए थीं। हिसार पुलिस ज्योति को मिलने वाले फण्ड के सोर्स की भी जांच कर रही हैं।

ज्योति मल्होत्रा एक भारतीय यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर है, जो हरियाणा के हिसार जिले की रहने वाली हैं। वह अपने यूट्यूब चैनल 'जो के साथ यात्रा' के माध्यम से ट्रैवल व्लॉग बनाती है और सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। उसके यूट्यूब चैनल पर लाखों सब्सक्राइबर्स हैं। उसने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से बीए तक की पढ़ाई की है और उसकी उम्र 33 वर्ष (2025 तक) है। वह अविवाहित है।

कश्मीर में पर्यटन को जिंदा रखने के प्रयास तेज

जम्मू, 26 मई (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के बाद पूरी तरह से खत्म हो चुके कश्मीर के पर्यटन को फिर से जिंदा करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसके लिए सरकारी के साथ-साथ गैर सरकारी स्तर पर भी प्रयास तेज हुए हैं। सरकारी तौर पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर के अलग-अलग हिस्सों में कैबिनट बैठकें करने की घोषणा की है तो होटलों ने टूर-पैकेज 50 प्रतिशत छूट के साथ पर्यटकों को लुभाने का प्रयास भी शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में टूरिस्टों को वापस आकर्षित करना और पर्यटन पर निर्भर हजारों कर्मचारियों को राहत प्रदान करना है। जेएंडके होटलियर्स क्लब के महासचिव तारिक गनी ने यह जानकारी दी।

जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर्यटकों में विश्वास पैदा करने के लिए घाटी के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर आधिकारिक बैठकें करेंगे। बैठक के लिए सबसे पहले गुलमर्ग को चुना गया है। 28 मई बुधवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक होगी। जम्मू कश्मीर सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने नोटिस जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में शामिल होने के लिए कहा है।

सीएम उमर के अलावा उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी और कैबिनेट मंत्री तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी भी बैठक में

शामिल होंगे। शीर्ष अधिकारियों में जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव, 30 से अधिक विभागों के सभी प्रशासनिक सचिव, कश्मीर के संभागीय आयुक्त, कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी कश्मीर के डीआईजी, पंद्रह विभागों के निदेशक, बारामुला के उपायुक्त तथा दर्जनों अन्य अधीनस्थ अधिकारी बैठक में शामिल होंगे।

सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला दरवाजे पर शासन पहल के तहत गुलमर्ग और पहलगाम सहित विभिन्न स्थानों पर कैबिनेट बैठकों का नेतृत्व करेंगे। सादिक ने रविवार 25 मई को श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा था मुख्यमंत्री गुलमर्ग, पहलगाम और अन्य क्षेत्रों में भी बैठकें करेंगे और व्यक्तिगत रूप से विकास कार्यों की निगरानी करेंगे। वह सभी सार्वजनिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए हर दरवाजे तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राज्य सभा की 8 सीटों के द्विवार्षिक चुनाव 19 जून को

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने राज्य सभा के लिए असम से उन दो तथा तमिलनाडु से उन छह सीटों के लिए 19 जून को चुनाव कराने की सोमवार को घोषणा की जिनके लिए निर्वाचित वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल जून-जुलाई में पूरा हो रहा है।

इन सीटों के चुनाव के लिए अधिसूचना दो जून को जारी की जायेगी आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस सीटों के लिए निर्वाचित सदस्यों का वर्तमान कार्यकाल आगामी 14 जून और 24 जुलाई को पूरा होने जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार इन सीटों के लिए नामांकन पत्र सोमवार नौ जून तक भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 10 जून को की जायेगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 12 जून रखी गयी है।

इन सीटों के लिये मतदान 19 जून को पूर्वाह्न नौ बजे से अपराह्न चार बजे तक कराया जायेगा।

मतों की गिनती मतदान पूरा होने के एक घंटे बाद उसी दिन शाम पांच बजे की जायेगी।

आयोग ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया 23 जून तक सम्पन्न करा ली जायेगी

असम से राज्य सभा के सदस्य मिशन रंजन दास और बीरेन्द्र (दोनों भाजपा) का कार्यकाल 14 जून को पूरा हो रहा है। तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहे छह सदस्यों का कार्यकाल 24 जुलाई को सम्पन्न हो रहा है। इनमें डॉ. अंबुमणि रामदास (पट्टालि मक्कल काचि), एम. षणमुगम (द्रमुक), एन. चंद्रशेखरन (द्रमुक), एम. मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), पी. विल्सन (द्रमुक) और वाइको (एमडीएमके) शामिल हैं।

देश में 2024-25 में 1.40 लाख करोड़ से अधिक के रक्षा उत्पादों का विनिर्माण

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। देश में रक्षा उत्पादों का उत्पादन 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,40,000 करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है, जिसमें लगभग 78 प्रतिशत योगदान सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों द्वारा किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सोमवार को राजधानी में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की एक समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गयी। श्री सिंह ने इस बैठक में आठ रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) के मुख्य प्रबंध निदेशकों (सीएमडी) के साथ इन उपक्रमों के काम-काज की समीक्षा की।

बैठक में रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार भी उपस्थित थे।

रक्षा मंत्रलाय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक श्री सिंह ने 'आपरेशन सिंदूर' में इन उपक्रमों में तैयार शस्त्र-प्रणालियों और प्रौद्योगिकी के कार्य-प्रदेशन के लिए इन रक्षा

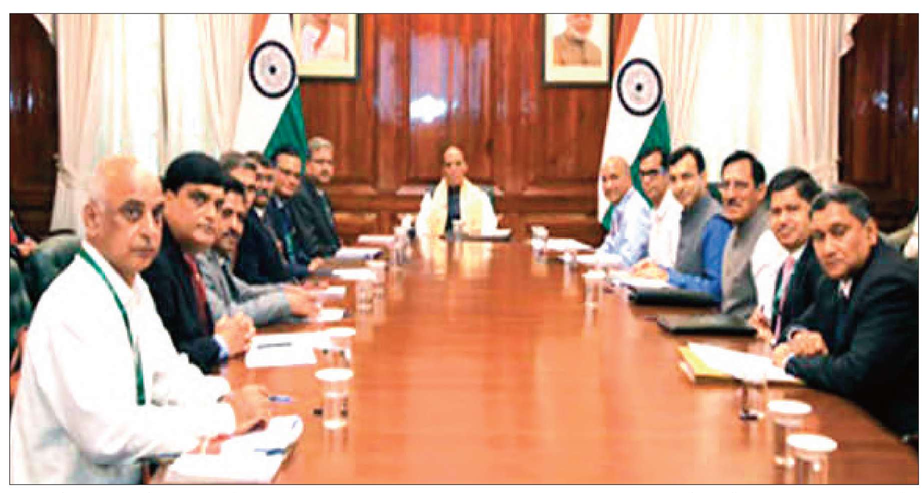

उपक्रमों सहित पूरे रक्षा उद्योग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने बैठक में इस बार पर बल दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने और डीपीएसयू की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्षा मंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों में उत्तरोत्तर अधिक मूल्य का उत्पादन किया जाने के लिए उनकी सराहना की। साथ ही उन्हें हथियारों की समय पर डिलीवरी पर ध्यान बढ़ाने को प्रेरित किया। उन्होंने निर्यात बढ़ाने में डीपीएसयू की भूमिका पर जोर दिया और उन्हें अपने उत्पादों के बेहतर विपणन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

श्री सिंह ने वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य और हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए रक्षा उपक्रमों को आधुनिक युद्ध के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ नवीनतम तकनीकों पर अपने उत्पादन को बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक में सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार ने डीपीएसयू के विकास के आंकड़े प्रस्तुत किए और उनके अच्छे निष्पादन पर प्रकाश डाला और बताया कि पिछले वित्त वर्ष में देश में 1.40 करोड़ रुपये के रक्षा साजो-सामान का उत्पादन होने का अनुमान है, जिसमें रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 78 प्रतिशत रहा।

रक्षा मंत्री ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को महारत्न का दर्जा मिलने पर और मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) को नवरत्न का दर्जा मिलने पर बधाई दी।

बैठक में इन आठ उपक्रमों - एचएएल, एमडीएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) और बीईएमएल लिमिटेड के सीएमडी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को उसके हिस्से के कुल 2,138 करोड़ रुपये के अंतरिम लाभांश के चेक प्रस्तुत किये।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की वैज्ञानिक ताकत को दिखाया: मनोज सिन्हा

जम्मू, , 26 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं, रक्षा क्षेत्र में नवाचारों एवं तकनीकी प्रगति को दिया और कहा कि इसने देश की वैज्ञानिक ताकत को प्रदर्शित किया है।

उधमपुर से 'भौतिकी भारत यात्रा' का उद्घाटन करते हुए, अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने भारतीय भौतिकी शिक्षकों संघ (आईएपीटी) और राष्ट्रीय अंतर्वेशिका नेटवर्क इंडिया (एनएएनआई) द्वारा शुरू की गई उत्कृष्ट पहल की सराहना की, जिसका नेतृत्व प्रसिद्ध भौतिकविद पद्म श्री डॉ. एचसी वर्मा कर रहे हैं, ताकि छात्रों को प्रायोगिक विज्ञान सीखने के ले प्रोत्साहित किया जा सके और उनकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जा सके।

उपराज्यपाल ने कहा कि भारत के प्रत्येक जिले को कवर करने

वाली भौतिकी भारत यात्रा, विज्ञान सीखने के आनंद को पुनर्जीवित करने के लिए एक साझा मिशन के तहत विविध क्षेत्रों को एकजुट करेगी। उन्होंने इस दूरदर्शी और परिवर्तनकारी यात्रा से जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं, जिसका उद्देश्य स्कूलों, शिक्षकों और शिक्षार्थियों के एक नेटवर्क को गहन बातचीत के माध्यम से जोड़ना है।

उपराज्यपाल ने कहा, जब विज्ञान को सामाजिक ताने-बाने में गहराई से शामिल किया जाता है, तो यह न केवल नवाचार को बढ़ावा देता है, बल्कि यह पूरे समाज के जीवन स्तर में सुधार करके राष्ट्र की दिशा को भी महत्वपूर्ण आकार दे सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के आत्मनिर्भरता की सोच में बदलाव आया है।

श्री सिन्हा ने कहा, हमारे वैज्ञानिकों को पता है कि भारत दूसरों पर अपनी रक्षा के लिए निर्भर नहीं रह सकता। हमने अपनी खुद की स्वदेशी क्षमताएं विकसित की हैं और हमारा सफल हमला उभरते भारत का एक प्रतीक है।

उपराज्यपाल ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की वैज्ञानिक शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह दर्शाता है कि हमारे वैज्ञानिक, रक्षा कर्मी और जवान दुनिया में किसी से कम नहीं हैं। यह विजय उनकी समर्पण को श्रद्धांजलि है। यह आत्म-निर्भरता के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। भारत की सैन्य शक्ति हमारे वैज्ञानिकों की राष्ट्रीय सुरक्षा को व्यापक रूप से मजबूत करने और हमारी अर्थव्यवस्था को विकास की ओर ले जाने की दृढ़ता का प्रमाण है। हमारे वैज्ञानिक नये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में ऐतिहासिक प्रगति करने के लिए अडिग और दृढ़ संकल्पित हैं।

उप राज्यपाल ने अपने भाषण में विज्ञान शिक्षकों की क्षमता निर्माण और कक्षाओं एवं प्रयोगशाला में नए वैज्ञानिक विकास लाने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षण समुदाय और शैक्षिक संस्थानों से आग्रह किया कि वे युवा शोधकर्ताओं को प्रयोगों के लिए एक बड़ा कैनवास और बड़े लक्ष्यों के साथ प्रदान करें।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों, जो पूरे विश्व में मूल्यवान योगदान कर रहे हैं, को घर लौटने पर विचार करना चाहिए। अब परिस्थितियां अग्रणी आविष्कारों के लिए अनुकूल हैं और वे भारत की वैज्ञानिक और आर्थिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

श्री सिन्हा ने कहा विज्ञान, आध्यात्मिकता और संस्कार का संगम भारत की वैश्विक प्रमुखता को शक्ति देता है। हम भारत को एक प्रमुख वैश्विक वैज्ञानिक शक्ति बनाने के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति में रणनीतिक निवेश कर रहे हैं। हमारे वैज्ञानिक, अन्वेषक और शोधकर्ता प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त करने और 2047 तक एक विकसित भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। यह हमारी राष्ट्रीय प्रेरणा है।

पद्म श्री डॉ एचसी वर्मा ने फिजिक्स भारत यात्रा के पीछे के दृष्टिकोण और उद्देश्य को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अनुभवात्मक एवं व्यावहारिक रूप से सीखने को बढ़ावा देना है और लोगों, विशेषकर युवाओं को विज्ञान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने छात्रों द्वारा निर्मित मॉडल और प्रयोगों को प्रदर्शित करने वाली भौतिकी प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया।

मधुबनी गोंड कला के कलाकारों ने राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति भवन में आयोजित आर्टिस्ट इन रेजिडेंस (घरेलू जीवन के कलाकार) कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को मधुबनी चित्रकार और गोंड लोक-कला के कलाकारों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति में बताया गया राष्ट्रपति ने इस कार्यक्रम में प्रदर्शित लोक-चित्रकारों की कलाकृतियों का अवलोकन भी किया। उन्होंने भारत की महत्वपूर्ण पारंपरिक कलाओं के इन दो रूपों में उनके योगदान की सराहना की और उनके भविष्य के कलात्मक प्रयासों में सफलता की कामना की।

इस कला उत्सव में भारत की पारंपरिक कलाओं को उनके मूल स्वरूप में प्रदर्शित किया जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कला उत्सव ने भारत के लोक, आदिवासी और पारंपरिक कलाकारों को राष्ट्रपति भवन में एक मंच भी प्रदान किया है, जिन्होंने पीढ़ियों से कला के विभिन्न रूपों को जारी रखा है।

आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश की गोंड कला और बिहार की मधुबनी कला के कलाकार 20 से राष्ट्रपति भवन में ठहरे हुये हैं और वे वहां कल तक रहेंगे।

इस कार्यक्रम में आये कलाकारों में मधुबनी कलाकार-शांति देवी, अंबिका देवी, मनीषा झा, प्रीति कर्ण, रंजन पासवान, शांति देवी, उर्मिला देवी, श्रवण पासवान, कुमारी नलिनी शाह और मोती कर्ण तथा गोंड कलाकार-दुर्गाबाई व्याम, सुभाष व्याम, ननकुसिया श्याम, राम सिंह उर्वेती, दिलीप श्याम, चंपाकली, हीरामन उर्वेती और जापानी श्याम धुर्वे शामिल हैं।

बेसिक शिक्षा राष्ट्र निर्माण की नींव है: योगी

हर विद्यालय में शिक्षक–छात्र अनुपात सुनिश्चित होगा

लखनऊ, 26 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा को समाज और राष्ट्र की आधारशिला बताते कहा कि यह बच्चों के भविष्य को संवारने का सबसे मजबूत हथियार है। सोमवार को लोकभवन सभागार में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम उन्होंने 3300 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने शिक्षा के क्षेत्र में पिछले आठ वर्षों में हुए अभूतपूर्व बदलावों की सराहना की और भविष्य के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यों के एक नए मॉडल की रूपरेखा प्रस्तुत की। सीएम योगी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और निपुण आकलन जैसे कार्यक्रमों के साथ उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत प्रदेश के 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों व अतिरिक्त डॉरमेट्री का लोकार्पण किया। साथ ही सीएम योगी ने 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान उन्होंने ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग,

जूता–मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु प्रति छात्र–छात्रा 1,200 की धनराशि उनके अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में जर्जर भवन, गंदगी और अव्यवस्था का बोलबाला था। छात्रों की कमी और ड्रॉपआउट दर अधिक थी। लेकिन ऑपरेशन कायाकल्प ने इस तस्वीर को बदल दिया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के लगभग सभी विद्यालय इस अभियान से जुड़ चुके हैं और शेष 2–3 प्रतिशत विद्यालय भी इस वर्ष कायाकल्प के दायरे में आ जाएंगे। इन स्कूलों में अब शौचालय, पेयजल, खेल मैदान, स्मार्ट क्लास, और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्कूलों में छात्रों की संख्या 800–1200 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा का एक नया मॉडल है, जो बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के अवसर प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शिक्षक और छात्र का अनुपात हर हाल में बनाए रखा जाएगा। शिक्षकों की कमी नहीं होगी। हर विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक होंगे, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उन्होंने बीएड और एमएड के छात्रों को निपुण आकलन कार्यक्रम में शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि उन्हें फील्ड अनुभव मिले और वे स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाओं से परिचित हो सकें। सीएम योगी ने कहा कि यह उनके लिए एक नया अनुभव होगा और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाएगा।

सीएम योगी ने समर कैंप को बच्चों के समग्र विकास का माध्यम बताते हुए इसमें खेल, संगीत, नृत्य, नाटक और योग जैसी गतिविधियों को शामिल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए हर विद्यालय में अभी से प्रशिक्षण शुरू हो। आयुष मंत्रालय के योग प्रोटोकॉल को लागू करें और बच्चों को तनावमुक्त करने के लिए इनडोर गतिविधियों को बढ़ावा दें। उन्होंने नवंबर–दिसंबर में स्कूली खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं को ब्लॉक, जनपद, मंडल और राज्य स्तर पर आयोजित करने की योजना के बारे में बताया, ताकि बच्चों की प्रतिभा को निखारा जा सके।

मुख्यमंत्री ने हर विधानसभा क्षेत्र में एक मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 25–30 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले ये विद्यालय प्री–प्राइमरी से सीनियर सेकेंडरी तक एक ही कैंपस में सभी सुविधाएं प्रदान करेंगे। साइंस, कंप्यूटर लैब, स्टेडियम, और मल्टीपर्पज हॉल के साथ ये स्कूल शिक्षा का एक नया मॉडल होंगे। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों को अटल आवासीय विद्यालयों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा जो बच्चों को एक छत के नीचे सभी सुविधाएं देगा। सीएम योगी ने डीबीटी के माध्यम से 1.5 करोड़ से अधिक बच्चों को यूनिफॉर्म, बैग, जूते, मोजे, और स्टेशनरी के लिए 1200 रुपए प्रति छात्र प्रदान करने की योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह धनराशि सीधे बच्चों के खाते में जाती है। अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि यह राशि बच्चों की जरूरतों पर ही खर्च हो। उन्होंने स्कूल चलो अभियान को गति देने का निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षक और प्रधानाचार्य घर–घर जाकर 5–14 वर्ष के बच्चों को स्कूल से जोड़ें। गांव में कोई बच्चा स्कूल से वंचित न रहे। ढोल–नगाड़े के साथ नए बच्चों का स्वागत करें और स्वच्छता अभियान को विद्यालयों से जोड़ें। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को गंभीरता से लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य को गढ़ते हैं। आपका सम्मान उन बच्चों में है, जिनके भविष्य को आप संवार रहे हैं। समय का सदुपयोग करें, क्योंकि समय किसी का इंतजार नहीं करता। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का केंद्र बन गया है, जो बच्चों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है।

सीएम योगी ने 7,409 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, 5,258 विद्यालयों में आईसीटी लैब, शिक्षकों को 51,667 टैबलेट्स वितरण, 503 पीएम श्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी, राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान में स्थापित एजुकेशनल ब्रॉडकास्ट स्टूडियो, कक्षा 3 से 12 के छात्र–छात्राओं के स्मार्ट असेसमेंट हेतु निपुण प्लस एप, समस्त परिषदीय उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में समर कैंप नवाचार का शुभारंभ किया। साथ ही सीएम योगी ने निपुण आकलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 05 शिक्षकों का सम्मान, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा सृजन पुस्तकें सारथी एवं अनुरूपण का विमोचन किया। सीएम योगी ने लोकभवन में बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और बच्चों से उनकी प्रदर्शनी के बारे में बातचीत कर जानकारी ली। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार समेत कई अधिकारीगण व गणमान्य मौजूद रहे।

अमेठी पहुंची स्मृति ईरानी का हुआ जोरदार स्वागत

पालपुर में पीड़ित परिवार से मिलीं

अमेठी, 26 मई (एजेंसियां)। अमेठी की पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अमेठी पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह उनका स्वागत किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री गौरीगंज स्थित रणंजय इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती गोष्ठी में शामिल हुईं और जनसभा को संबोधित किया। स्मृति ईरानी पालपुर में उस परिवार के लोगों से भी मिलीं, जिस परिवार के तीन लोगों की गंगा में डूबने से मौत हो गई थी। उन्होंने पालपुर के पीड़ित परिवार से मिल कर शोक व्यक्त किया और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं। लखनऊ एयरपोर्ट से रवाना होकर लखनऊ–वाराणसी हाईवे होते हुए जैसे ही वह जिले की सीमा में दाखिल हुईं, कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा। इनहौना कस्बा से लेकर उतेलवा मोड़, जगदीशपुर चौराहा और अन्य स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं और बुके के साथ उनका स्वागत किया। समर्थक घंटों सड़क किनारे खड़े रहकर उनके आगमन की प्रतीक्षा करते रहे। जैसे ही काफिला उनके समीप पहुंचा, फूलों की वर्षा के साथ कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। स्मृति ईरानी कई स्थानों पर वाहन से उतरकर लोगों से मिलीं। उनका हालचाल लिया। उतेलवा मोड़ पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राघवेंद्र तिवारी अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। जबकि, जगदीशपुर चौराहे पर राजेश्वर प्रताप सिंह ननके, सोनू यज्ञसेनी, डॉ. प्रज्ञा बाजपेई, सुनील सेठ समेत बड़ी संख्या में लोगों ने जोश के साथ स्वागत किया। इस दौरान कक्षा पांच के छात्र सिद्धांत त्रिपाठी ने स्मृति ईरानी को उनका छायाचित्र भेंट किया।

स्मृति ईरानी जगदीशपुर क्षेत्र के पालपुर गांव पहुंची। यहां उन्होंने चंद्र कुमार कौशल के परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। कहा कि इस दुख की घड़ी में वह परिवार के साथ हैं। साथ ही आपदा राहत के तहत परिजनों को जल्द ही चार–चार लाख रुपये की सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिया।

सपा–कांग्रेस की दरार से बसपा को सियासी फायदे की उम्मीद

लखनऊ, 26 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद द्वारा समाजवादी पार्टी के बजाय बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन से अधिक फायदा होने के बयान ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। कांग्रेस और सपा के साथ बसपा के नेता भी इमरान मसूद के बयान के सियासी निहितार्थ तलाशने में जुट गए हैं। कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती दूरी बसपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि बसपा कांग्रेस का हाथ आसानी से नहीं थामेगी।

दरअसल, कांग्रेस और सपा के नेताओं के बीच अक्सर बयानबाजी से गठबंधन समाप्त होने की अटकलें लगती रहती हैं। लोकसभा चुनाव के बाद एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी में इजाफा भी हुआ है। लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस प्रदेश में अपने पैर मजबूती से जमाने की कवायद में जुटी है, जिसके लिए सपा से ज्यादा बसपा फायदेमंद लग रही है।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने बसपा को भी साथ जोड़ने की असफल कोशिश की थी। हालांकि बसपा ने बीते कई चुनाव अकेले दम पर लड़ कर साफ कर दिया है कि वह किसी भी दल के साथ गठबंधन करने के पक्ष में नहीं है। बसपा आगामी पंचायत चुनाव से दूरी बनाकर रखेगी, ताकि डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत किया जा सके। बसपा सुप्रीमो मायावती पहले ही गठबंधन से पार्टी को फायदे की जगह नुकसान होने की बात कह चुकी हैं। वह अपने बयानों में कांग्रेस पर खासा हमलावर भी रहती हैं।

कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती दूरी ने कई नेताओं की बेचैनी भी बढ़ा दी है। पूर्व बसपा सांसद गिरीश चंद्र पार्टी में वापसी कर चुके हैं तो हाल ही में आकाश आनंद को चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने का स्वागत पूर्व बसपा सांसद मलूक नागर ने किया है। बसपा नेता लगातार जिलों में काडर कैंप आदि के जरिये अन्य दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करा रहे हैं। वहीं तीनों नेशनल कोऑर्डिनेटर अन्य राज्यों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने में जुटे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद यूपी में भी बड़े पैमाने पर पार्टी सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है।

हिंदू युवक से शादी करने पर मुस्लिम युवती की जान आफत में

परिवार ही दे रहा है जान से मार डालने की धमकी

बरेली, 26 मई (एजेंसियां)। हिंदू युवक से शादी करने पर बरेली की रहने वाली मुस्लिम युवती रिफा की जान आफत में पड़ गई है। युवती के घरवाले ही उसकी जान के दुश्मन बन गए। युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस सिलसिले में जारी वीडियो भी वायरल हो रही है, जिसमें उसने अपने घरवालों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

बरेली के थाना सुभाषनगर क्षेत्र की निवासी रिफा ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी जान को खतरे में बताया है। रिफा ने अपने पड़ोसी विष्णु से प्रेम विवाह कर लिया है। विवाह के बाद उसके परिजन उसे और उसके पति को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। युवती ने कहा है कि उनको ऑटो से घर

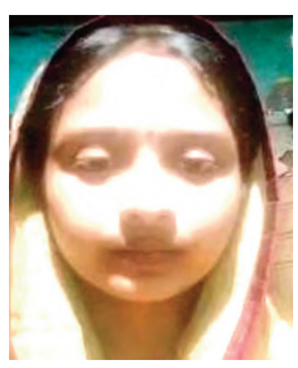

छोड़ने वाले युवक को भी उसके घरवालों ने फंसा दिया है, जबकि उनकी कोई गलती नहीं है। युवती का कहना है कि वह बालिग है और उसने अपनी मर्जी से अपने प्रेमी विष्णु से शादी की है। इसमें किसी का कोई कसूर नहीं है और न ही कोई जोर जबरदस्ती है। युवती ने कहा कि उसके चाचा ने दोनों को मारने के लिए सुपारी दे रखी है। उनके पीछे गुंडे लगा रखे हैं। जान को बहुत खतरा है। युवती ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आयुष विभाग में नियुक्तियों के लिए शुरू हुई तैयारी

4,350 रिक्त पदों के लिए होगी भर्ती

लखनऊ, 26 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को बड़ी सौगात देने जा रही है। योगी सरकार ने हाल ही में आयुष विभाग की बैठक में विभिन्न रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरने के निर्देश दिये हैं। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश के बाद आयुष विभाग ने आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथिक विभाग में रिक्त कुल 4,350 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इसमें से कुछ पद पदोन्नति, सीधी भर्ती, लेखा व वित्तीय संगर्व, पीएसएस संवर्ग के माध्यम से भरे जाएंगे। वहीं कुछ पदों के लिए अधियाचन भेजा जा चुका है।

प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में आयुष चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर शुरू करने के निर्देश दिये थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सुदृढ़ करने के लिए पर्याप्त मानव संसाधन होना चाहिए।

इसी क्रम में निदेशक, उप निदेशक, प्राचार्य, प्रोफेसर, लेक्चरर, चिकित्साधिकारी, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, मैट्रन, रीडर जैसे महत्वपूर्ण पदों को भरने की तैयारी शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं में कुल 7,233 स्वीकृत पदों में से 4,208 पद भरे हुए हैं, जबकि 3,025 पद रिक्त हैं। इसी तरह यूनानी चिकत्सा सेवाओं में कुल 462 स्वीकृत पदों में से 301 भरे हुए हैं जबकि 161 पद खाली हैं। इसके अलावा होम्योपैथिक चिकित्सा सेवाओं में कुल 3,818 स्वीकृत पदों में से 2,654 भरे हुए हैं, जबकि 1,164 पद रिक्त हैं। इन पदों में से कई पर प्रोन्नति, सीधी भर्ती, लेखा और वित्तीय संवर्ग, पीएसएस संवर्ग तथा अधियाचन भेजे जाने के माध्यम से नियुक्ति की जाएगी। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम के निर्देश पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है जबकि कुछ पदों के अधियाचन प्रेषित कर दिए गए हैं।

अयोध्या-काशी की तरह भव्य बनेगा बाबा तामेश्वरनाथ धाम : योगी

संत कबीर नगर, 26 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को संत कबीर नगर में 1,515 करोड़ की 528 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने बाबा तामेश्वरनाथ धाम के कायाकल्प और इसे एक भव्य तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने की बात कही, इसे उन्होंने क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को मजबूत करने वाला कदम बताया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बाबा तामेश्वरनाथ धाम को अयोध्या और काशी की तर्ज पर एक सुव्यवस्थित और भव्य तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि बाबा तामेश्वरनाथ धाम को एक सुंदर कॉरिडोर के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक दर्शन का अवसर मिले। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी को उजाड़ा नहीं जाएगा, बल्कि व्यवस्थित पुनर्वास के साथ स्थानीय व्यवसायियों और गोसाइयों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यक्रम बाबा तामेश्वरनाथ की कृपा से संभव हो सका है।

उन्होंने अयोध्या में भगवान रामलला के भव्य मंदिर, काशी में काशी विश्वनाथ धाम और मां विंध्यवासिनी धाम के कायाकल्प का उदाहरण देते हुए कहा कि इन तीर्थस्थलों ने डबल इंजन सरकार की ताकत को साबित किया है। काशी में आज 50,000 श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर सकते हैं, जबकि मां विंध्यवासिनी धाम में 10,000 श्रद्धालु एकसाथ जा सकते हैं। बाबा तामेश्वरनाथ धाम को भी ऐसा ही भव्य स्वरूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रशासन और स्थानीय समुदाय से इस दिशा में जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का आह्वान किया और आश्वासन दिया कि धाम के विकास की कार्ययोजना उनके पास आएगी तो उसे शीघ्र स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म की पहचान को मजबूत करने वाला कदम होगा। बाबा का आशीर्वाद संत कबीर नगर वासियों पर बरसता हुआ दिखाई देगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आज लोकार्पित और शिलान्यास की गई 1,515 करोड़ की परियोजनाएं पर्यटन, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा,

स्पोर्ट्स, और नगर निकाय भवनों जैसे जीवन के विभिन्न आयामों को समृद्ध करने वाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं संत कबीर नगर को नई पहचान दिलाएंगी और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाएंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बखिरा के प्रसिद्ध पीतल उद्योग पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे स्थानीय कारीगरों के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि बखिरा के कांसे के बर्तनों को ओडीओपी योजना के तहत नई पहचान मिली है। कहा कि प्रदेश में ओडीओपी से 1.65 करोड़ नौजवानों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में महाकुंभ के भव्य आयोजन का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। यह नए भारत की ताकत और संगठन क्षमता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन, शौचालय और जनधन जैसी लोककल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्हें उन्होंने परिवर्तन का वाहक बताया। उन्होंने कहा कि आज डेढ़ करोड़ बच्चों के अभिभावकों के खातों में यूनिफॉर्म, जूते–मोजे, बैग और स्टेशनरी के लिए सीधे धनराशि भेजी गई है। साथ ही प्रदेश के 826 विकास खंडों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि आज जर्जर स्कूलों के सुंदरीकरण और सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर भी जोर दिया जा रहा है। कहा कि बीते 8 साल में 8 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि हाल ही में 60 हजार से अधिक नौजवानों को यूपी पुलिस में नौकरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि हमारी सरकार बिना भेदभाव के सभी 75 जनपदों में योजनाओं को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी वंचित है, उसके संतृप्तिकरण के लिए हम पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले लोग विश्वास नहीं करते थे कि भारत में वर्ल्ड क्लास हाईवे, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, वाटरवे, और रैपिड रेल जैसी सुविधाएं होंगी। आज पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लिंक एक्सप्रेसवे संत कबीर नगर को अम्बेडकर नगर और गोरखपुर से जोड़ रहा है। देश का पहला वाटरवे और रैपिड रेल उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्तिपत्र, चाभी, लैपटॉप और टैबलेट वितरित किए। इनमें आदर्श कुमार पांडेय को पीएम सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत 3,36,151 का अनुदान, कुमारी श्रेया यादव को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लैपटॉप, अमरजीत चौधरी को यूपी बोर्ड हाईस्कूल में जनपद टॉपर के रूप में सम्मान, अभिजीत कुमार और रिषिता पटेल को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत क्रमशः लैपटॉप और टैबलेट, राजेंद्र प्रसाद को ग्रामीण उद्यमी योजना के तहत ट्रैक्टर की चाभी, लक्ष्मी और संगीता देवी को सामुदायिक निवेश निधि ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 12.48 करोड़ का डेमो चेक, पूनम गुप्ता और कंचन लता को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 24.60 लाख का रिवॉल्विंग फंड, राजन सिंह, विश्वजीत चौरसिया, सुनैना मौर्य और अखिलेश कुमार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत 5 लाख का ऋण, अंकिता चौहान को युवक मंगल दल खेल प्रोत्साहन के तहत खेल किट और सुभावती देवी को आवास योजना के तहत आवास की चाभी प्रदान की।

संपादकीय

निशाने पर थे हिन्दू

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में अप्रैल में हुई सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कोलकाता उच्च न्यायालय की ओर से गठित जांच समिति ने गंभीर खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस दंगे में हिन्दुओं को योजनापूर्वक निशाना बनाया गया था। हिन्दुओं के विरुद्ध की जा रही हिंसा का नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस के नेता महबूब आलम ने किया। पुलिस भी निष्क्रिय रही। पीड़ित हिन्दुओं ने सहायता के लिए पुलिस को कई बार फोन किए, लेकिन पुलिस ने उन्हें सहायता उपलब्ध नहीं करायी। इससे साफ जाहिर होता है कि इस्लामिक आक्रामकता के दबाव में पश्चिम बंगाल का प्रशासन भी पंगु हो गया है। कट्टरपंथी मुस्लिम समूह बेखौफ हैं। याद रहे कि हिन्दुओं के खिलाफ हुए इस सुनियोजित दंगों पर विपक्षी दल उस समय भी खामोश रहे और अब जबकि उच्च न्यायालय द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट सामने आ गई है, तब भी विपक्षी दलों ने चुप्पी साध रखी है। इससे साफ होता है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के लिए हिन्दुओं के हितों की कोई परवाह नहीं है। सोचिए, यदि रिपोर्ट में कहा गया होता कि हिन्दुओं ने मुस्लिमों पर योजना बनाकर हिंसा की, तब कंबल ओढ़कर बैठा यही विपक्षी किस तरह का प्रपंच रच रहा होगा। भारत से लेकर दुनियाभर के विशेष विचारधारा के समाचारपत्रों एवं मीडिया संस्थानों के ओर से भी यह विमर्श बनाया जाता कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्राश्चित करते हुए अपना त्याग-पत्र सौंप देना चाहिए क्योंकि अब न तो उनसे राज्य की कानून व्यवस्था संभाली जा रही है और न ही पार्टी। उनकी पार्टी का मुस्लिम नेता, जो कि पार्षद भी है किस प्रकार बेखौफ होकर हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा की साजिश रच रहा था। तृणमूल कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण को लेकर गंभीर आरोप लगते रहे हैं। मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीतिक का ही परिणाम है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं का जीना मुहाल हो गया है। यह ऐसा राज्य बनता जा रहा है, जहाँ से हिन्दुओं पर व्यापक हमलों एवं शोषण के समाचार अकसर आते रहते हैं। यह इसलिए भी हो रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल के कई हिस्सो में मुस्लिम आबादी का बाहुल्य हो गया है। यह तथ्य है कि जहाँ भी मुस्लिम आबादी अधिक हो जाती है, वहाँ से या तो अन्य समुदायों को पलायन करना पड़ता है या फिर उनको लगातार होने वाली हिंसा को झेलने के लिए तैयार रहना पड़ता है। बांग्लादेश की सीमा से सटे मुर्शिदाबाद में मुस्लिमों की आबादी लगभग 70 प्रतिशत है। यह पश्चिम बंगाल का सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला जिला है। मुर्शिदाबाद में पहले भी हिंसा होती रही है। 2019 में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे। तब भी मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़क गई थी। 2024 में रामनवमी के दौरान मुर्शिदाबाद में हिन्दुओं की रैलियों को निशाना बनाया गया था। उच्च न्यायालय के आदेश पर गठित इस समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे। गृह मंत्रालय को यह रिपोर्ट सौंपते हुए राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कट्टरपंथ और उग्रवाद को पश्चिम बंगाल के लिए बड़ा खतरा बताया था। केंद्र सरकार को इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेना चाहिए। राज्य में सामान्य कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने और हिन्दुओं की रक्षा के लिए केंद्र सरकार को कोई ठोस पहल करनी चाहिए। पश्चिम बंगाल के भरोसे हिन्दुओं की सुरक्षा को नहीं छोड़ा जा सकता है।

हिन्दुओं के विरुद्ध की जा रही हिंसा का नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस के नेता महबूब आलम ने किया। पुलिस भी निष्क्रिय रही। पीड़ति हिन्दुओं ने सहायता के लिए पुलिस को कई बार फोन किए, लेकिन पुलिस ने उन्हें सहायता उपलब्ध नहीं करायी। इससे साफ जाहिर होता है कि इस्लामिक आक्रामकता के दबाव में पश्चिम बंगाल का प्रशासन भी पंगु हो गया है। कट्टरपंथी मुस्लिम समूह बेखौफ हैं। याद रहे कि हिन्दुओं के खिलाफ हुए इस सुनियोजित दंगों पर विपक्षी दल उस समय भी खामोश रहे और अब जबकि उच्च न्यायालय द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट सामने आ गई है, तब भी विपक्षी दलों ने चुप्पी साध रखी है। इससे साफ होता है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के लिए हिन्दुओं के हितों की कोई परवाह नहीं है। सोचिए, यदि रिपोर्ट में कहा गया होता कि हिन्दुओं ने मुस्लिमों पर योजना बनाकर हिंसा की, तब कंबल ओढ़कर बैठा यही विपक्षी किस तरह का प्रपंच रच रहा होगा। भारत से लेकर दुनियाभर के विशेष विचारधारा के समाचारपत्रों एवं मीडिया संस्थानों के ओर से भी यह विमर्श बनाया जाता कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्राश्चित करते हुए अपना त्याग-पत्र सौंप देना चाहिए क्योंकि अब न तो उनसे राज्य की कानून व्यवस्था संभाली जा रही है और न ही पार्टी। उनकी पार्टी का मुस्लिम नेता, जो कि पार्षद भी है किस प्रकार बेखौफ होकर हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा की साजिश रच रहा था। तृणमूल कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण को लेकर गंभीर आरोप लगते रहे हैं।

आप का नजरिया

आतंकवाद और पाकिस्तान पर भारत की दो टूक

आतंकवाद और पाकिस्तान को लेकर बीते दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर विदेश मंत्रालय तक ने एक सुर में भारत का पक्ष एक बार फिर सबके सामने रखा है। भारत ने कहा है कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। यदि पाकिस्तान या आतंकियों की ओर से कोई गलती की गई, तो उसका नुकसान उन्हें उठाना पड़ेगा। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ न तो व्यापार होगा और न ही कोई वार्ता। पाकिस्तान को संबंध सुधारने है तब उसे आतंकवाद का रास्ता छोड़ना ही पड़ेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो यह भी स्पष्ट कह दिया है कि पाकिस्तान को भारत से बात करनी है, तब उसे पहले पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर को खाली करना होगा। यानी अब बात इधर के जम्मू-कश्मीर पर नहीं होगी अपितु बेईमानी से दबाए गए पीओके पर ही होगी। दुनिया भारत की बात को सुन रही है लेकिन कांग्रेस के कानों तक ही यह बातें नहीं पहुँच पा रही हैं। इसलिए कांग्रेस के नेता बार-बार पूछ रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर किसने कराया, पहलगाम के आतंकी कब मारे जाएंगे, पाकिस्तान ने हमारी सेना का कितना नुकसान किया, इत्यादि। यह ऐसे प्रश्न है, जो पाकिस्तान द्वारा पूछे जाने चाहिए लेकिन पूछ कौन रहा है- भारत का तथाकथित सबसे पुराना राजनीतिक दल और उसके नेता। कांग्रेस के नेताओं को पता होना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। जम्मू-कश्मीर में लगातार कुख्यात आतंकी मारे जा रहे हैं। पहलगाम में हमला करनेवाले आतंकियों को भी हमारी सेना ढूंढ रही है, वे बचेंगे नहीं। भारत की सेना उन्हें आज नहीं तो कल, उनके अंजाम तक पहुंचा ही देगी। इस बात में उसे ही शक हो सकता है, जिसे भारत और उसकी सेना की क्षमता एवं समर्पण पर विश्वास नहीं हो। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने का श्रेय लेने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी स्पष्टता से कहा कि अपनी पिछली ब्रीफिंग में उन्होंने इस मुद्दे पर बात की थी। वही भारत का बयान है। याद हो कि विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सीजफायर में तीसरे किसी देश की कोई भूमिका नहीं है। दोनों देशों की सेनाओं की आपसी बातचीत के बाद सीजफायर की स्थिति बनी है। उन्होंने साफ किया है कि पाकिस्तान और भारत के मध्य तीसरे पक्ष की गुंजाइश ही नहीं है। वहीं, राजस्थान में पहुँचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी दी है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पड़ोसी मुल्क को करारी चोट देने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को स्पष्ट संदेश दे दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा और न वार्ता होगी। अब बात होगी तो सिर्फ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके की होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका सहित दुनिया के उन सभी देशों को भी संदेश दिया है, जो आतंकवाद के साथ खड़े होने और भारत को नसीहत देने की कोशिश करते हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की ओर से लिए गए फैसलों पर हम किसी भी देश का दखल बर्दाश्त नहीं करेंगे। राजस्थान में दिया गया प्रधानमंत्री मोदी का भाषण बहुत महत्वपूर्ण है। इस पर गंभीरता से विमर्श होना चाहिए।

"ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को एक संदेश भेजा था कि हमारा निशाना आतंकवादी ढांचे पर है, न कि उनकी सेना पर

ऐसे विवाद क्यों

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून, 2020 को चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट दे दी और हमारी बातचीत की स्थिति खत्म कर दी। जिस शख्स को उन्होंने विदेश मंत्री के तौर पर नियुक्त किया, उसने इस बयान से भारत को धोखा दिया है। कांग्रेस पार्टी के समर्थक और भाजपा विरोधियों के साथ अनेक आम लोगों को भी इन बड़े नेताओं के वक्तव्य के बाद लगा होगा कि क्या वाकई हमने ऑपरेशन सिंदूर के पहले ही पाकिस्तान को बता दिया? सामान्य दृष्टि से भी इससे हास्यास्पद बात कुछ नहीं हो सकती कि जो सरकार आतंकवादी हमले के बाद सीमा पार स्थित महत्वपूर्ण आतंकवादी केन्द्रों को ध्वस्त करने की साहसिक कार्रवाई की गोपनीय तैयारी कर चुकी हो वह इसके पूर्व ही दुश्मन को बता देगा? लेकिन हमारा देश में नेता, एक्टिविस्ट, मीडिया के कुछ साथी पत्रकार कुछ भी लिख और बोल सकते हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व कार्रवाई, उसके बाद 8 और 9 मई की रात्रि तक पाकिस्तान के साथ सीधे सैन्य टकराव और उसके बाद जिस तरह के वक्तव्य आये, प्रश्न उठाए गए हैं सामान्य तौर पर भी वे चिंतित करने वाले हैं। इसमें सबसे अंतिम विवाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के ऑपरेशन संबंधित पाकिस्तान को जानकारी देने के स्वाभाविक वक्तव्य का राहुल गांधी और कांग्रेस के द्वारा विवादास्पद बनाया जाना है। राहुल गांधी ने एक निजी न्यूज चैनल का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, "हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था. विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया।.. "इसे किसने अधिकृत किया? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए?" राहुल गांधी का पोस्ट था इसलिए हजारों की संख्या में शेयर हो गया और अपने देश के चरित्र के अनुरूप हंगामा भी। इस कांग्रेस मीडिया एवं कम्यूनिकेशन के प्रमुख वरिष्ठ नेता जयराम रमेश पहले ही इससे आगे बढ़ कर विदेश मंत्री के इस्तीफे की मांग कर चुके थे। एक्स पर उनका पोस्ट था, "विदेश मंत्री- अपने अमेरिकी समकक्ष की ओर से किए जा रहे दावों का जवाब तक नहीं देते हैं, उन्होंने एक असाधारण रहस्योद्घाटन किया है। वह अपने पद पर कैसे बने रह सकते हैं, ये समझ से परे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून, 2020 को चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट दे दी और हमारी बातचीत की स्थिति खत्म कर दी। जिस शख्स को उन्होंने विदेश मंत्री के तौर पर नियुक्त किया, उसने इस बयान से भारत को धोखा दिया है। कांग्रेस पार्टी के समर्थक और भाजपा विरोधियों के साथ अनेक आम लोगों को भी इन बड़े नेताओं के वक्तव्य के बाद लगा होगा कि क्या वाकई हमने ऑपरेशन सिंदूर के पहले ही पाकिस्तान को बता दिया? सामान्य दृष्टि से भी इससे हास्यास्पद बात कुछ नहीं हो सकती कि जो सरकार आतंकवादी हमले के बाद सीमा पार स्थित महत्वपूर्ण आतंकवादी केन्द्रों को ध्वस्त करने की साहसिक कार्रवाई की गोपनीय तैयारी कर चुकी हो वह इसके पूर्व ही दुश्मन को बता देगा? लेकिन हमारा देश में नेता, एक्टिविस्ट, मीडिया के कुछ साथी पत्रकार कुछ भी लिख और बोल सकते हैं। यह देश का दुर्भाग्य है और गहरी चिंता का विषय कि पूरे अभियान में, जिसने संपूर्ण दुनिया को विस्मित किया तथा पाकिस्तान को सकते में ला दिया उसे पर उत्सव मनाने की जगह अपने पय ही प्रश्न उठाकर देश का मनोबल कमजोर करने की भूमिका निभाई जा रही है। आखिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा क्या था? उन्होंने कहा था, "ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को एक संदेश भेजा था कि हमारा निशाना आतंकवादी ढांचे पर है, न कि उनकी सेना पर। हमने उन्हें हस्तक्षेप न करने का विकल्प दिया

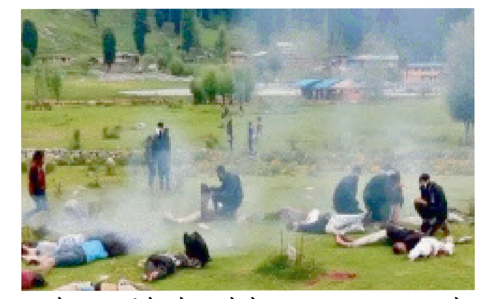

था, लेकिन उन्होंने इसे मानने से इनकार कर दिया।" उनके अनुसार, 7 मई की रात 1 से 1:30 बजे के बीच, भारतीय सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला को फोन कर यह जानकारी दी थी। भारत ने केवल सावधानी से चुने गए आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है, न कि सेना के ठिकानों को। इसमें कहां है कि पूर्व में ही सूचित कर दिया? राहुल गांधी के वक्तव्य के बाद विदेश मंत्रालय ने इसका खंडन भी कर दिया कि पाकिस्तान को ऑपरेशन शुरू होने के बाद सूचना दी गई थी, न कि उससे पहले। इस बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। यह तथ्यों की तोड़-मरोड़ है।" बावजूद विवाद जारी है और रहने वाला है। सभी बड़े नेताओं को पता है कि सच क्या है। पहले की सरकारें ऐसा साहस नहीं कर सकी इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार जनता और दुनिया की नजर में ऐतिहासिक पराक्रमी न मान लिया जाए इसके भय से अनेक ऐसे विवाद खड़े किए जा रहे हैं। इसका मतलब हुआ कि आगे भी ऐसे ही होता रहेगा। तभी तो जिस ऑपरेशन पर अब अमेरिका व यूरोप के सामरिक विशेषज्ञ भारत की रणनीतिक और कूटनीतिक सफलता ऐतिहासिक बताकर पाकिस्तान के झूठ को तथ्यों से उजागर कर चुके हैं वहां हमारे ही देश में दुश्मनों विशेषकर चीन, पाकिस्तान और अन्य के नैरेटिव को फैलाकर पूरी सफलता के स्वाद में मिट्टी तेल डालने का उपक्रम हो रहा है। भारत बहादुर देश है और जब हमने तैयारी से 1:05 बजे रात से 1:30 बजे तक यानी 25 मिनट के अंदर दो दर्जन से ज्यादा मिसाइलों के सटीक निशाने से महत्वपूर्ण आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करना शुरू किया तो पाकिस्तान को बता दिया कि कार्रवाई आतंकवाद के विरुद्ध है, पाकिस्तान पर हमला नहीं। पाकिस्तान नहीं कह रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर की सूचना पहले मिल गई और हमने किसी मिसाइल को मार गिराया। वह सकते में आ गया कि इतनी बड़ी कार्रवाई की भनक कैसे नहीं लगी? दूसरे, यह हवाई बमबारी नहीं थी कि हमारे किसी वायुयान या पायलट को पाकिस्तान नुकसान पहुंचता। अगर नेताओं को इतनी समझ नहीं है तो उनके बारे में देश तय करें कि हमें कैसा व्यवहार करना है। अंतरराष्ट्रीय मानक है कि हम किसी देश की सीमा में घुसकर किसी अपराध या आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई करते हैं तो उसे सूचना देते हैं। इसका रिकॉर्ड भी रखा जाता है ताकि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने हमले का झूठ न फैला सके। 10 मई को सैन्य टकराव रुकने के बाद डोनाल्ड राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्वीट के बाद विपक्ष ने सरकार पर हमला शुरू कर दिया यह जानते हुए कि नरेंद्र मोदी सरकार स्वयं अनेक बार कर चुकी है कि जम्मू कश्मीर के मामले में मध्यस्थता नहीं होगी। 10 मई की चार पत्रकार वार्ताओं मे सेना की दो महिला प्रवक्ताओं कर्नल सोफिया कुरेशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह तथा विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने साफ कर दिया। यह भी स्पष्ट किया गया कि आतंकवादी कार्रवाई को युद्ध की तरह लिया जाएगा। उसके बाद दो दिन सेना के तीनों अंगों के डीजीएमओ की पत्रकार वार्ताओं, अगले दिन प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन और उसके बाद आदमपुर वायु सेना अड्डा भाषण में साफ कर दिया कि पाकिस्तान आतंकवाद रोकने और सैन्य दुस्साहस से बचने की गारंटी पर खरा नहीं उतरा तो ऑपरेशन सिंदूर चारी है। प्रधानमंत्री नेकहा कि यज्ञ अखंड प्रतिज्ञा है। यानी अगर आतंकवादी कार्रवाई हुई तो केवल आतंकवादियों के विरुद्ध नहीं, पाकिस्तान सरकार का काम मानकर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इससे स्पष्ट घोषणा और कुछ हो नहीं सकती। देश के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता कि आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में विश्व के लिए नए मानक जैसे प्रतिमान को देश की उपलब्धि मानने की जगह संकुचित राजनीतिक स्वार्थ तथा रुग्ण वैचारिकता के आलोक में छोटा करने का आत्मघाती व्यवहार किया जा रहा है। जब पाकिस्तान को आईएफ यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कर्ज दे दिया तो जयराम रमेश ने पोस्ट कर दिया कि भारत ने मतदान में विरोध नहीं किया। वे आर्थिक विषयों के पत्रकार रहे हैं और केंद्रीय मंत्री। उन्हें पता है कि विरोध में वोट करने का कोई प्रावधान नहीं और बहिर्गमन करन विरोध होता है जो भारत ने किया। इसी तरह बार-बार अमेरिकी दबाव में युद्ध विराम की बात हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और उनको कुछ बोलने से हम रोक नहीं सकते। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि अमेरिका से कब-कब बात हुई लेकिन भारत पर कोई दबाव हो इसे न अमेरिका बोला न कहीं से कोई संकेत। बावजूद ऐसा साबित करने की कोशिश हुई कि ट्रंप और अमेरिका के डर से युद्ध विराम कर दिया। प्रधानमंत्री के संबोधन के बावजूद पाकिस्तान और चीन के नैरेटिव को प्रमुखता दी जा रही है। अब ट्रंप ने भी कह दिया कि उसने कोई मध्यस्थता नहीं की। तब भी ये मानने को तैयार नहीं। भारत में कभी सीजफायर या युद्ध विराम शब्द का प्रयोग नहीं किया। हमने सैन्य कार्रवाई और गोलाबारी रुकने पर सहमति की बात की। यह समाचार उड़ा कि युद्धविराम केवल 18 मई तक है।

देश दुनिया से

जीत के साये में उपजे सवाल

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद सीमावर्ती इलाकों में अमन की वापसी हो चुकी है। यही वह वक्त है, जब हमें जीत के जोश और जज्बे के पीछे दुबकी परछाइयों पर ध्यान देना होगा। इनके सीने में गौरतलब सवाल कसमसा रहे हैं। भारतीय इतिहास के हाशियों में दर्ज पुरागाथाएं गवाह हैं कि उनकी शताब्दियों तक अनदेखी की गई। ईसा पूर्व 326 से 1962 तक विदेशी आक्रमणकारी इसीलिए हमारे जान-माल की कीमत पर जीत का जश्न मनाते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति-नीति के आलोक में हमें अब पराक्रम और सामरिक सफलता के फर्क को सदा-सर्वदा के लिए मिटाने की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? याद करें। वर्ष 1971 में हमने पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटने में सफलता अर्जित की। इस महाविजय के 28 साल बाद भारत ने नया कीर्तिमान रचा। इस बार कारगिल की प्राणलेवा ऊंचाइयों पर पाक फौज को परास्त कर पर्वतीय युद्ध के नए कौशल ने दुनिया को अचरज में डाल दिया था। इसके बावजूद न दहशतगर्द रुके और न दहशत। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये नए सिद्धांत का प्रतिपादन किया है। अब हर आतंकवादी हमला युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और हम कार्रवाई करते वक्त किसी परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेंगे। भारत-पाकिस्तान के जन्मजात रिश्तों में यह अहम मुकाम है। यहां अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समूचा देश नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा था, तब कुछ विघ्न संतोषी बाज नहीं आ रहे थे। अपनी बात समझाने के लिए एक पुराने अनुभव का हवाला देना चाहूंगा। वह ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा दिन था। अपने प्रांतीय संपादकों से रोजमर्रा की कामकाजी चर्चा के दौरान मैंने उन्हें सलाह दी कि वे हर स्टेशन पर पता करें कि जिन ट्रेनों में हमारे फौजी सीमा की ओर कूच कर रहे हैं, उनके प्रति आम आदमी की भावना क्या है, मगर इसकी नौबत नहीं आई। साथियों का जवाब था कि अब अगर विशेष ट्रेनें चल भी रही हैं, तो उन्हें सिर्फ जरूरत पड़ने पर स्टेशन पर रोका जाता है। उस समय किसी सामान्य व्यक्ति का उस प्लेटफॉर्म पर प्रवेश वर्जित होता है। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा और अभियान की गोपनीयता के लिए किया जा रहा है। मेरी स्मृतियों में 1965 और 1971 का जंगी माहौल समूचे रोमांच के साथ सरसब्ज हो उठा। उन दिनों मेरे माता-पिता मिर्जापुर या इलाहाबाद के स्टेशनों पर बड़ी मात्रा में भोजन और पानी लेकर पहुंचते। हम उसे कृतज्ञतापूर्वक जवानों को सौंप खुद को धन्य महसूस करते। सैकड़ों लोग वहां उमड़ पड़ते थे। मैंने महिलाओं को उन जवानों को राखी बांधते और रो-रोकर दुआएं देते देखा है। मेरे पिता घर छोड़ने से पहले हर बार ताकीद करते, हाथ जोड़कर प्रणाम बोलना और जोर से 'जय हिंद' कहना मत भूलना। स्टेशन और उसके आस-पास उस समय गर्जना थिरक रही होती, आगे-आगे तुम बढ़ो, पीछे तुम्हारे साथ हैं। वह कोरी भावुकता नहीं थी। देशवासियों का वह जज्बा हमारे पराक्रमियों को पराजय के ऐतिहासिक सिलसिले से बाहर निकालने के लिए प्रेरित कर रहा था। आज क्या हाल है? क्या यह बदले वक्त का तकाजा है कि हमारी खोखली भावुकता अब सिर्फ की-बोर्ड पर थिरकती उंगलियों तक सीमित रह गई है? सोशल मीडिया पर बजबजाते हुए तमाम भारतवंशी भूल जाते हैं कि हमारे कुछ हमवतन उनके शब्दबाणों से आहत हो रहे हैं। खुद को सेलिब्रिटी मानने और संविधान की शपथ लेकर मंत्री पद तक पहुंचने वाले भी इस उन्माद के शिकार हैं। कुछ शर्मनाक उदाहरण पेश हैं। संघर्ष के 'सस्पेंस' भरे दिनों में कर्नल सोफिया कुरैशी प्रतिदिन सैन्य कार्रवाई की जानकारी दिया करती थीं। यह मोदी सरकार का समझदारी भरा फैसला था। इसके जरिये समूची दुनिया को संदेश जा रहा था कि भारत के 140 करोड़ लोग मुट्ठी बांधे एक साथ खड़े हैं। इसी दौरान मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह का लिजलिजा बयान मीडिया में उभरा। उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर कर्नल कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी की थी। उनकी इस हरकत से न केवल देश आहत हुआ, बल्कि यह आशंका भी उत्पन्न हो गई कि भारत के दुश्मन इसका नाजायज उपयोग कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के आला नेतृत्व के हस्तक्षेप से उन्हें क्षमा मांगनी पड़ी, लेकिन उनका करा-धरा यहीं समाप्त नहीं हुआ। जबलपुर उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके ऊपर मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया। इंदौर पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। देश की आला अदालत ने भी उनकी लानत-मलामत की है। इसी तरह, खुद को राष्ट्रभक्तों का अगुआ बताकर सीना ठोकने वाले एक अवकाश प्राप्त मेजर साहब की करतूत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमें रक्षात्मक बनने के लिए विवश कर गई। उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री के महत्वपूर्ण भारतीय दौरे के अवसर पर उनके लिए एक ऐसा शब्द कह डाला, जो अनुचित और अनैतिक था। ईरान ने इसका तत्काल संज्ञान लिया, लेकिन भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए मामले को बिगड़ने से बचा लिया। और तो और, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी सोशल मीडिया के इन आतताइयों के शिकार हुए। वह ऐसे अधिकारी हैं, जिन पर देश की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कायम रखने की जिम्मेदारी है। खुद को देशभक्त बताने वाले लोग खुल्लमखुल्ला उनको सपरिवार लांछित कर रहे थे। पहलगाम के नरमेध में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल भी इस वैचारिक बर्बरता की शिकार बनीं। उन्होंने सिर्फ यही तो कहा था कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों से है, मुसलमानों से नहीं। उस समय तक हिमांशी का दुख और हाथों की मेंहदी ताजा थी।

कुछ अलग

निर्ममता और नादानी

कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना उद्वेलित करने वाली है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली घटना है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती आक्रामकता और संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। बताते हैं हत्या में शामिल युवक गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। इस बाबत प्रकाशित खबरों के अनुसार मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह हृदयविदारक है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख पैदा हुआ है। बहरहाल, किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारी परिवार संस्था बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रही है ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? उन्हें क्यों लगता है कि किसी लड़की को छेड़ा जाना चाहिए? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष तिरोहित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला क्रूर ढंग से गला काटना हो सकता है? दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। आम तौर पर फिल्मों में हीरो हिरोइन से छेड़खानी करता और उसे परेशान करता नजर आता था। बाद में फिल्म की पटकथा में नायिका उसी हीरो के आगे समर्पण करती नजर आती थी। फिर फिल्म की पटकथा इस छेड़खानी को प्रेम कथा और विवाह में तब्दील कर देती है। कालांतर समाज के किशोरवय और युवाओं में यह संदेश गया कि निजी जीवन में यही छेड़खानी उनकी प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। फिर बची-खुची कसर हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीन व क्रूर-कथाओं ने पूरी कर दी। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता भर दी कि समाज में इसे न्यू नॉर्मल मानने की सोच पैदा हुई।

दृष्टि कोण

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्रवाई की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्रवाई की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है। भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।। अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्रि पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश-दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं, लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया। भारत की तीनों सेनाओ (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है, जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है, जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है। इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत हैं। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत हैं। पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था, लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

गुयाना आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ, संसदीय प्रतिनिधिमंडल को उपराष्ट्रपति भरत जगदेव ने किया आश्वस्त

जॉर्जटाउन (गुयाना)/पेरिस (फ्रांस) , 26 मई (एजेंसियां) । कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर को समग्रता के साथ गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव को अवगत कराया। इस अवसर पर गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव ने कहा कि उनका देश आतंकवाद की लड़ाई में पूरी तरह भारत के साथ है। इस बीच सूचना है कि भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच चुका है।

गुयाना के उपराष्ट्रपति जगदेव ने कहा, यह भारतीय प्रतिनिधिमंडल की शानदार यात्रा है। गुयाना पूरी तरह से भारत के साथ है। गुयाना आतंकवाद के खिलाफ है। भारत के पहलगाम में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। गुयाना के उपराष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा कि यह एक अभूतपूर्व मुलाकात रही। भरत हमारे देश के मित्र हैं और उन्होंने हमारे पड़ोसी (पाकिस्तान) के साथ मौजूदा घटनाओं पर हमारी स्थिति के प्रति बहुत अधिक समझ दिखाई।

शशि थरूर ने कहा कि भारत का संदेश बहुत स्पष्ट है। दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना है। हमें न केवल दुष्ट हत्यारों को न्याय के कटघरे में लाना है बल्कि हमें उन लोगों को भी गंभीरता से चुनौती देनी है जो उन्हें वित्तपोषित, प्रशिक्षित और निर्देशित कर रहे हैं। थरूर ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे भारत दशकों से झेल रहा है। अब हमें उन्हें (पड़ोसी) यह संदेश देना है कि इसकी कीमत तो चुकानी होगी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भरत जगदेव से मुलाकात राष्ट्रपति भवन में हुई।

थरूर ने कहा कि बातचीत में गुयाना की रिकॉर्ड तोड़ 30 प्रतिशत वार्षिक आर्थिक वृद्धि, तेल और गैस की खोज के बाद विकास योजनाओं से संबंधित कई विषयों पर भी चर्चा हुई। कृषि से लेकर दूरसंचार, बैंकिंग और राजमार्ग विकास तक के क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों के लिए बड़ी संख्या में अवसरों का उल्लेख किया गया। गुयाना में भी श्रमिकों की कमी है और वह भारतीय श्रमिकों का भी स्वागत करेगा।

रविशंकर प्रसाद प्रतिनिधिमंडल के साथ पेरिस पहुंचे

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच गया है। यह प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई को प्रदर्शित करने के लिए फ्रांस, इटली, डेनमार्क, यूनाइटेड किंगडम, बेल्जियम और जर्मनी का दौरा कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में सेना ने गश्त बढ़ाई

ढाका। बांग्लादेश में सेना ने देश के अलग-अलग हिस्सों में गश्त बढ़ा दी है। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना ने पिछले कुछ दिनों में अपने अभियान तेज किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने कई जगहों पर तैनाती भी बढ़ाई है। सैन्य कर्मी बख्तरबंद गाडियो++ के साथ देशभर में सक्रिय नजर आ रहे हैं। सेना ने मिलकर कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए एजेंसियों के साथ पिछले महीने 2 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। पिछले साल अगस्त में अपनी तैनाती के बाद से सेना ने अब तक 10 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है।

भारत-रूस रणनीतिक सहयोग में मजबूती आई, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रूस यात्रा पर भारतीय दूतावास ने दिया बयान

मास्को। मॉस्को में स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत और रूस के बीच आपसी विश्वास पर आधारित रणनीतिक साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। हाल ही में सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल की रूस यात्रा ने दोनों देशों के बीच वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग को नई मजबूती दी है। यह प्रतिनिधिमंडल द्रमुक सांसद कनिमोई करुणानिधि के नेतृत्व में रूस गया था और वहां पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर, और अन्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर रूसी सांसदों, अधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया गया। भारतीय दूतावास ने शनिवार को जारी बयान में कहा, भारत और रूस के बीच संबंध विशेष रणनीतिक साझेदारी पर आधारित हैं। ये आपसी विश्वास और दीर्घकालिक सहयोग पर टिके हुए हैं, जिन्होंने समय-समय पर मजबूती के साथ परीक्षण झेला है। बयान के मुताबिक, 23-24 मई को मॉस्को में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में सुरक्षा, आतंकवाद, वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा और रक्षा सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न दलों के प्रतिनिधि शामिल थे, जिससे यह संदेश गया कि भारत की रूस नीति बहुदलीय सहमति पर आधारित है। यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में स्थायित्व और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई, टीटीपी के चार आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े चार आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह अभियान डेरा इस्माइल खान जिले के कोई बारा क्षेत्र में टीटीपी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाया गया था। मुठभेड़ के दौरान चार आतंकी मारे गए, जबकि गोलीबारी में एक मेजर रैंक अधिकारी सहित चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायल जवानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2022 में पाक सरकार और टीटीपी के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते के टूटने के बाद से खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में आतंकी घटनाओं में तेजी आई है। सुरक्षा बल लगातार इन इलाकों में आतंकियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में सैकड़ों सुरक्षा कर्मी और आम नागरिक आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकियों की बढ़ती घुसपैठ को लेकर सतर्क हैं।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने स्लोवेनिया पहुंचा भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

लुब्ल्याना, 26 मई (एजेंसियां) । भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति को वैश्विक मंच पर मजबूती से रखने के उद्देश्य से डीएमके सांसद कनिमोई करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल स्लोवेनिया पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल भारत की कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के आतंकवाद से जुड़े संबंधों की जानकारी देना है।

स्लोवेनिया पहुंचने पर भारतीय राजदूत अमित नरंग और दूतावास के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय दूतावास ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत का संदेश दुनिया तक - सांसद कनिमोई के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल स्लोवेनिया पहुँचा। राजदूत अमित नरंग और दूतावास के अधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने रूस का दौरा किया था, जहां उसने भारत के पारंपरिक मित्र रूस के नीति-निर्माताओं के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं पर विस्तृत बातचीत की।

इस प्रतिनिधिमंडल में समाजवादी पार्टी के राजीव राय, नेशनल कांफ्रेंस के मियां अल्ताफ अहमद, भाजपा के कैप्टन बृजेश चौटा, राजद के प्रेमचंद गुप्ता और राजदूत जावेद अशरफ शामिल हैं। यह दल स्लोवेनिया के बाद ग्रीस, लातविया और स्पेन का दौरा भी करेगा।

भारत सरकार ने सात ऐसे बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित किए हैं, जो कुल 33 वैश्विक राजधानियों में जाकर यह संदेश देंगे कि हालिया भारत-पाक संघर्ष की जड़ें पाक-प्रायोजित आतंकवाद में हैं, न कि इस्लामाबाद द्वारा प्रचारित 'ऑपरेशन सिंदूर' में।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिसके बाद भारत ने 07 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, जिसका भारत ने कड़ा प्रत्युत्तर दिया। 10 मई को दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद जमीनी संघर्ष पर विराम लगाने पर सहमति बनी। भारत अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह बताने की कोशिश कर रहा है कि आतंक के खिलाफ उसकी कार्रवाई न्यायसंगत, जरूरी और सीमित थी।

कैदियों की अदला-बदली के बीच रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा मिसाइल हमला

कीव ,26 मई (एजेंसियां) । रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 3 साल में सबसे बड़ा हमला किया। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक रूस ने कीव पर 367 हथियारों से हमले किए। इसमें 9 बैलिस्टिक मिसाइलें, 60क्रूज मिसाइलें और 298 ड्रोन थे।

एयरफोर्स ने दावा किया कि वे 266 ड्रोन और 45 मिसाइलों को मार गिराने में सफल रहे। हालांकि इस हमले में तीन बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। इससे पहले रूस ने 17 मई को यूक्रेन पर 273 ड्रोन से हमला किया था।

दागे 298 ड्रोन, 3 बच्चों समेत 13 की मौत

यह तब यूक्रेन पर किया गया सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से रूस पर एक्शन लेने की मांग की।

उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा कि अमेरिका और दुनिया के अन्य देशों की चुप्पी पुतिन को बढ़ावा देती है। रूस का ऐसा आतंकवादी हमला उस पर प्रतिबंध लगाने के लिए काफी है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन और रूस कैदियों की अदला-बदली की तैयारी कर रहे हैं।

यूनुस ने राजनीतिक दलों और सेना के बीच बढ़ती "असहजता" को लेकर बुलाई बैठक

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने प्रशासन, राजनीतिक दलों और सेना के बीच बढ़ती ''असहजता'' की समीक्षा के लिए सलाहकार परिषद की बैठक बुलाई है, जिसका समय तय नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे कुछ घंटे पहले यूनुस ने मुख्य सलाहकार के पद से हटने की इच्छा जताई थी। उन्होंने बदलाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति न बन पाने के कारण काम करने में आ रहीं परेशानियों का हवाला दिया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मोहम्मद यूनुस बैठक के तुरंत बाद सलाहकारों के साथ बैठक करेंगे।

केरल में लाइबेरिया का कार्गो शिप डूबा

केरल में कोच्चि तट पर लाइबेरिया का कार्गो शिप एमएससी एल्सा 3 डूब गया। इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी ने सभी 24 क्रू मेंबर्स को बचा लिया गया। शिप पर लदे 640 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड, डीजल, फर्नेस ऑयल समेत कुछ खतरनाक केमिकल्स भरे थे। शिप 23 मई को केरल के ही विझिनजाम पोर्ट से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। 24 मई को दोपहर करीब 1:25 बजे कोच्चि तट से 38 समुद्री मील की दूरी पर करीब 26 डिग्री तक झुकने की खबर दी गई। इमरजेंसी की सूचना मिलते ही कोच्चि में आईसीजी के मरीन रेस्क्यू सब सेंटर ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

युद्ध की आग में झोंक अमेरिका अपने हथियारों का कर रहा कारोबार

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप, वीडिया वायरल

इस्लामाबाद, 26 मई (एजेंसियां) । पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आसिफ ने अमेरिका पर सीधा आरोप लगाया कि वह पिछले 100 सालों से दुनिया भर में युद्ध भड़काकर अपने हथियारों के कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। उनके इस बयान ने इंटरनेट पर भूचाल ला दिया है।

आसिफ ने वायरल वीडियो में कहा कि अमेरिका ने पिछले 100 सालों में 260 युद्ध लड़े, जबकि चीन ने तीन। अमेरिका पैसा कमाता रहता है, उनका हथियार उद्योग बहुत बड़ा है और उनकी अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है। अफगानिस्तान, सीरिया, मिस्र, लीबिया जैसे देश जो कभी अमीर थे, अब युद्ध लड़कर कंगाल हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका युद्धों में दोनों पक्षों का साथ देकर अपने हथियार उद्योग को चमकाता है, जिसे वे एक 'स्थापित उद्योग' मानते हैं।

आसिफ के इस बयान पर सोशल मीडिया में प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोग उनके बयान की आलोचना कर रहे हैं। लोग पूछ रहे हैं कि जब पाकिस्तान को अमेरिका से एफ-16 फाइटर जेट खरीदने और आर्थिक मदद लेने में कोई दिक्कत नहीं, तो अब अमेरिका पर उंगली क्यों उठा रहे हैं एक यूजर ने लिखा- अमेरिका को दोष देना आसान है, लेकिन इनका अपना देश उसी अमेरिका से एफ-16 खरीदकर खुश है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ लोग आसिफ के बयान के मूल विचार से सहमत दिखे, लेकिन उन्होंने भी उनकी दोहरी बातों पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा- इस बात में वह सही हैं। कई लोगों ने पाकिस्तान के बदलते रुख पर तंज़ कसते हुए कहा कि जब पाकिस्तान को मदद चाहिए थी, तब वह अमेरिका के पास भागा। अब जब शांति की बात हो रही है, तो फिर से अमेरिका पर दोष मढ़ रहा है।

कुवैत सरकार ने की रातों-रात हजारों लोगों की नागरिकता रद्द, बैंक अकाउंट हुए बंद

सबसे ज्यादा ऐसी महिलाएं शामिल, जिन्होंने शादी कर पाई थी नागरिकता

कुवैत सिटी, 26 मई (एजेंसियां) । लोग जब सुबह सोकर उठे तो किसी का बैंक अकाउंट बंद हो गया तो किसी की अन्य सरकारी सुविधाएं ठप हो गईं। जब पता चला कि उनकी नागरिकता ही खत्म हो गई है। कुवैत सरकार ने रातों रात हजारों लोगों की नागरिकता रद्द कर दी। इस सूची में ज्यादातर महिलाएं हैं। मई 2024 में ही अमीर ने लोकतंत्र को खतरा बताया था और संविधान में संशोधन करने की घोषणा की थी। सरकार उन लोगों की नागरिकता ज्यादा रद्द कर रही है जिन्हें शादी के बाद यहां की नागरिकता मिली थी। इस सूची में वे महिलाएं शामिल हैं जिन्होंने कुवैत के पुरुषों से शादी कर नागरिकता

हासिल की थी।

एक महिला जब कुवैत सिटी में क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने लगीं तो पता चला कि उनका अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है। बाद में पता चला कि उनकी नागरिकता ही छिन गई है। वह महिला मूलरूप से जॉर्डन की रहने वाली है। बता दें अमीर शेख मेशाल अल अहमद अल सबाह दिसंबर 2023 में कुवैत के अमीर बने थे।

न्यूयॉर्क नौका धमाके में एक कर्मचारी की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हडसन नदी पर स्थित एक नौका में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। यह घटना शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे 'नॉर्थ रिवर वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट' के पास खड़ी 'हंट्स पॉइंट' नाम की एक नौका में हुई, जो मलजल परिवहन का कार्य कर रही थी। अग्निशमन विभाग के उप सहायक प्रमुख डेविड सिम्स के अनुसार, विस्फोट के समय नौका पर मरम्मत या चिंगारी से जुड़ा कोई कार्य किया जा रहा था। अमेरिकी तटरक्षक बल ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हादसा कार्य के दौरान हुआ। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक, बचाव दल ने नदी से 59 वर्षीय एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में बाहर निकाला, जिसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। मृतक शहर के पर्यावरण संरक्षण विभाग का कर्मचारी था, हालांकि उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना में एक अन्य कर्मचारी घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नौका में मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने उपचार कराने से इनकार कर दिया। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि शुरुआती जांच में कोई आपराधिक साजिश की आशंका नहीं जताई गई है, लेकिन विस्फोट के कारणों की जांच जारी है।

सिंगापुर ओपन में सात्विक-चिराग करेंगे भारतीय चुनौती का नेतृत्व, सिंधु-प्रणय पर भी रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली,26 मई (एजेंसियां) ।

सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होने जा रहा है, जिसमें भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की बहुप्रतीक्षित वापसी देखने को मिलेगी। चोटों से जूझने के बाद अब यह जोड़ी पूरी तरह फिट है और मलेशिया की जोड़ी चूंग हॉन जियान और मुहम्मद हैकाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 सात्विक और चिराग आखिरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में खेले थे, लेकिन चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर से हट गए थे। इसके बाद सात्विक की तबीयत के चलते वे सुदीरमन कप से भी बाहर रहे। अब दोनों फिर से टॉप लेवल पर खेलने को तैयार हैं।

प्रणय और लक्ष्य सेन की चुनौती - 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एच.एस. प्रणय, जो पिछले साल चिकनगुनिया से जूझ रहे थे, अब वापसी की राह पर हैं। वह डेनमार्क के रासमुस गेमके के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले लक्ष्य सेन के लिए यह टूर्नामेंट अहम होगा। इस साल उन्होंने चार बार पहले ही राउंड में हार झेली है। उनका पहला मुकाबला लिन चुन यी से होगा।

महिला एकल में सिंधु की अगुवाई - भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु इस बार महिला एकल की अगुवाई करेंगी। फरवरी में ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद वह एशिया टीम चैंपियनशिप से बाहर रहीं। वापसी के बाद उन्होंने थूई लिन्ह गुयेन, पुत्री वारदानी और किम गाए यून के खिलाफ हार का सामना किया। सिंधु का पहला मुकाबला कनाडा की वेन यू झांग से होगा।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों की राह कठिन - टूर्नामेंट में अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए राह कठिन है। अनमोल खर्ब का सामना चीन की ओलंपिक चैंपियन चेन यू फी से होगा। जबकि आकर्षी कश्यप तीसरी वरीयता प्राप्त हान युए से भिड़ेंगी। मालविका बंसोड़ थाईलैंड की सुपनिदा काटेथोंग से खेलेंगी। रक्षिता रामराज कोरिया की किम गा यून से टकराएंगी।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजील पहुंचे कार्लो एंसेलोटी, संभालेंगे ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच की भूमिका

रियो डी जनेरियो। इटली के दिग्गज कार्लो एंसेलोटी रविवार रात ब्राजील पहुंचे, जहां वह अब ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच की भूमिका संभालेंगे। 65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राजील के लिए काम करने वाले पिछले एक सदी में पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। वह परिवार और अपनी कोचिंग टीम के साथ स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे के करीब निजी जेट से रियो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। 100 वर्षों में ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच बने एंसेलोटी ब्राजील पहुंचते समय एंसेलोटी ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम की कैप पहन रखी थी, जो उनके नए सफर की शुरुआत का संकेत था। हालांकि एयरपोर्ट पर उनका कोई आधिकारिक स्वागत नहीं किया गया। केवल एक प्रशंसक, जो ब्राजील की जर्सी पहने हुए था, उन्हें बाहर निकलते हुए देख सका। एंसेलोटी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए ब्राजील टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपनी नई भूमिका की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही वह अगले महीने इक्वाडोर और पराग्वे के खिलाफ होने वाले दक्षिण अमेरिकी वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए टीम का ऐलान भी करेंगे। उनके आगमन से कुछ घंटे पहले ही सामिर ज़ाउद को ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) का नया अध्यक्ष चुना गया। यह चुनाव एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद संपन्न हुआ, जिसमें एडनाल्डो रोड्रिग्स को पद से हटाया गया था। उल्लेखनीय है कि रोड्रिग्स ही वो व्यक्ति थे जिन्होंने एंसेलोटी को रियल मैड्रिड से नियुक्त किया था। अब एंसेलोटी की नजरें सीबीएफ नेतृत्व से मुलाकात और मीडिया के सामने अपनी योजनाओं को साझा करने पर होंगी।

केकेआर कप्तान अजिंक्य रहाणे को भरोसा- अगले साल और मजबूत होकर वापसी करेंगे

नई दिल्ली। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का आईपीएल 2025 का सफर रविवार

को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के साथ समाप्त हो गया। मैच और पूरे सीजन के प्रदर्शन पर ईमानदारी से प्रतिक्रिया देते हुए कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, इस सीजन में हमारे लिए उतार-चढ़ाव रहे। हमारे पास मौके थे, लेकिन एक यूनिट के तौर पर हम बेहतर नहीं खेले। टीम की तैयारी और सीजन भर के प्रदर्शन पर रहाणे ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मैंने देखा कि तैयारी में सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। जब आप एक सीजन जीतते हैं और अगले में खिताब बचाने उतरते हैं, तो यह आसान नहीं होता। सभी टीमों ने अच्छी तैयारी की थी और हमने भी पूरी कोशिश की। मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम अगले साल और मजबूत होकर वापसी करेंगे। रहाणे ने गेंदबाजों के संघर्ष के बावजूद उनका समर्थन किया और कहा, हमारी गेंदबाजी मिलीजुली रही।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में उरुग्वे को 3-2 से हराया

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के रोसारियो में खेले जा रहे चार देशों के फ्रेंडली हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में उरुग्वे को 3-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए सोनम (21वें मिनट) और कनिका सिवाच (46वें मिनट, 50वें मिनट) ने अहम गोल किए, जबकि उरुग्वे की ओर से मिलाग्रोस सिगल (3वें मिनट) और अगस्टिना मारी (24वें मिनट) ने गोल दागे। मैच की शुरुआत में ही उरुग्वे ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में मिलाग्रोस सिगल ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी की और 21वें मिनट में सोनम ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बराबरी का गोल किया। हालांकि, महज तीन मिनट बाद उरुग्वे ने एक बार फिर बढ़त हासिल कर ली जब अगस्टिना मारी ने भी पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागा। तीसरे क्वार्टर तक स्कोर 2-1 रहा, लेकिन अंतिम चरण में कनिका सिवाच ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए भारत की वापसी कराई। उन्होंने पहले 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया, और फिर 50वें मिनट में एक शानदार फील्ड गोल के जरिए भारत को निर्णायक बढ़त दिला दी।

पंजाब किंग्स क्वालिफायर-1 में पहुंचने वाली पहली टीम

मुंबई इंडियंस खेलेगी एलिमिनेटर

जयपुर,26 मई (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 में 69 मुकाबले खेले जा चुके हैं। अब सिर्फ एक ही मैच बाकी है। सीजन के 7 मैच रहते ही प्लेऑफ की चार टीमों का फैसला हो गया था। लेकिन अभी तक कोई भी टीम टॉप पर फिनिश कर सकती थी। 69वें मैच में पंजाब किंग्स की मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद क्वालिफायर-1 की पहली टीम का फैसला हो गया। पंजाब की टीम पहले क्वालिफायर में खे-लेगी तो मुंबई इंडियंस एलिमिनेटर मुकाबले में उतरेगी।आईपीएल में ग्रुप राउंड का एक ही मुकाबला बाकी है। अभी तक यह फैसला नहीं हुआ है कि पंजाब किंग्स किसके खिलाफ पहला क्वालिफायर खेलेगी। टीम की भिड़ंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस में से किसी भी एक से हो सकती है। गुजरात ने अपना आखिरी मैच खेल लिया है। टीम के 18 पॉइंट हैं। 17 पॉइंट वाली आरसीबी को लखनऊ का मुकाबला करना है। अगर आरसीबी लखनऊ को हरा देती है तो वह पंजाब के खिलाफ पहला क्वालिफायर खेलेगी।

भुवनेश्वर से कम रन, न शतक, न अर्धशतक, भारत के कप्तान और हेड कोच का इंग्लैंड में ऐसा रिकॉर्ड अगर आरसीबी को लखनऊ के खिलाफ हार मिलती है तो गुजरात की टीम पहला क्वालिफायर खेलेगी और आरसीबी को एलिमिनेटर खेलना पड़ेगा। अगर बारिश की वजह मैच रद्द होता है तो आरसीबी के 18 पॉइंट हो जाएंगे। वह नेट रन रेट में गुजरात से बेहतर है लेकिन इसके बाद भी आरसीबी तीसरे नंबर पर ही रहेगी। अगर दो टीमों के बराबर अंक होते हैं तो पहले देखा जाता है कि कौन सी टीम ज्यादा मैच जीती है। गुजरात ने 9 मैच जीते हैं जबकि आरसीबी को 8 में ही जीत मिली है। इसके बाद नेट रन रेट पर बात आती है।

पंजाब किंग्स से हारने के बाद मुंबई इंडियंस एलिमिनेटर खेलेगी। पहला क्वालिफायर और एलिमिनेटर मुल्लांपुर के मैदान पर खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 में जीतने वाली टीम को फाइनल में जगह मिलेगी। वहीं एलिमिनेटर में जीतने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में उतरना पड़ेगा। यहां उसका मुकाबला पहले क्वालिफायर में हारने वाली टीम से होगा। दूसरा क्वालिफायर और फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर होगा।

प्रीमियर लीग 2024-25: लिवरपूल ने खिताबी सीजन का समापन क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 1-1 ड्रॉ से किया

लिवरपूल,26 मई (एजेंसियां) ।

लिवरपूल ने प्रीमियर लीग 2024-25 के अपने खिताबी अभियान का समापन रविवार रात क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 1-1 की बराबरी के साथ किया। मैच में मोहम्मद सालाह ने 84वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को हार से बचाया। इससे पहले इश्माइला सार ने नौवें मिनट में गोल कर पैलेस को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

पहले ही जीत चुकी थी लीग, जश्न में डूबा रहा एंफील्ड - लिवरपूल पहले ही चार मुकाबले शेष रहते खिताब अपने नाम कर चुका था। ऐसे में एंफील्ड स्टेडियम का माहौल पूरी तरह से जश्न में डूबा हुआ था। दिलचस्प बात यह रही कि पैलेस के फैन्स, जो पिछले हफ्ते एफए कप जीत का जश्न मना चुके थे, उन्होंने भी चैंपियंस के नारों से माहौल गर्माया।

मैच में ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड को उनके आखिरी मैच में दूसरे हाफ में उतारा गया। यह उनका लिवरपूल के लिए ×54वां और अंतिम मुकाबला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे रियल मैड्रिड जाने वाले हैं। उन्होंने डार्विन नुनेज को शानदार पास दिया लेकिन गोलकीपर डीन हेंडरसन ने बढ़िया बचाव किया।

इसके बाद डियोगो जोटा का शॉट भी पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। वहीं, रयान ग्रावेनबर्ख को सीधे रेड कार्ड दिखाया गया जिससे वह अगले सीजन के पहले मैच से बाहर रहेंगे।

सालाह ने रिकॉर्ड की बराबरी कर जीते दो बड़े अवॉर्ड - मैच के 84वें मिनट में सालाह ने कराटे-किक स्टाइल में गोल कर मुकाबला बराबर कर दिया। यह उनका इस सीजन का 29वां गोल रहा। इसी के साथ वे एंडी कोल और एलन शियरर के 47 गोल इन्वॉल्वमेंट (गोल + असिस्ट) के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंचे। मैच के बाद सालाह को गोल्डन बूट और प्लेमेकर ऑफ द सीजन अवॉर्ड लिवरपूल के दिग्गज गोलस्कोरर इयान रश ने प्रदान किए। वहीं कप्तान वर्जिल वान डाइक ने ट्रॉफी उठाकर सीजन का शानदार समापन किया। अब अगले सीजन में नया युग शुरू करेगा लिवरपूल इस मुकाबले के साथ लिवरपूल का यह चैम्पियन सीजन समाप्त हुआ, जहां क्लब ने न सिर्फ ट्रॉफी जीती बल्कि एक युग का भी अंत देखा, जिसमें ट्रेंट और मैनेजर जुर्गन क्लॉप की विदाई शामिल रही। अब देखना होगा कि आने वाले सीजन में लिवरपूल अपनी इस फॉर्म को कैसे बरकरार रखता है।

इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गौतम गंभीर ने मां कामाख्या से लिया आशीर्वाद

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने गुवाहाटी में मां कामाख्या से आशीर्वाद लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कड़ी सुरक्षा के बीच कामाख्या मंदिर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि गौतम गंभीर एक दिवसीय दौरे के तहत गुवाहाटी पहुंचे। गौतम गंभीर ने कड़ी सुरक्षा के बीच मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया। गौतम गंभीर लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे कामाख्या मंदिर पहुंचे। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ने पूजा-अर्चना करने के बाद मां कामाख्या धाम से गुवाहाटी के होटल रेडिसन ब्लू के लिए रवाना हुए। मिली जानकारी के अनुसार गौतम गंभीर दोपहर 1 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। बताया गया है कि उनका अन्य कोई कार्यक्रम गुवाहाटी में नहीं है। सिर्फ मां कामाख्या का आशीर्वाद लेने के लिए ही वे यहां पहुंचे थे।

लैंडो नॉरिस ने जीता मोनाको ग्रां प्री, पियास्त्री से वर्ल्ड चैंपियनशिप की रेस में केवल 3 अंक पीछे

मोनाको,26 मई (एजेंसियां) ।

मैकलेरन के ड्राइवर लैंडो नॉरिस ने रविवार को पोल पोजिशन से शुरुआत करते हुए अपने करियर की यादगार जीत दर्ज की। उन्होंने मोनाको ग्रां प्री में पहला स्थान हासिल कर न केवल इस प्रतिष्ठित रेस में अपना सपना पूरा किया, बल्कि अपने ही टीम साथी ऑस्कर पियास्त्री की फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियनशिप लीड को महज 3 अंकों तक सीमित कर दिया।

रेस में फेरारी के चार्ल्स लेक्लर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि पियास्त्री तीसरे और रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन चौथे स्थान पर रहे। खास बात यह रही कि टॉप चार ड्राइवरों ने उसी क्रम में रेस पूरी की, जिस क्रम में उन्होंने शुरुआत की थी।

बचपन का सपना पूरा हुआ - नॉरिस

नॉरिस ने जीत के बाद कहा, यह वही है जिसका मैंने बचपन में सपना देखा था। मैंने उसे सच कर दिखाया। मोनाको में यह उनकी पहली जीत रही और मैकलेरन के लिए 2008 के बाद पहली बार किसी ड्राइवर ने इस ट्रैक पर जीत दर्ज की है। रेस के दौरान दो अनिवार्य पिट स्टॉप्स का नया प्रयोग किया गया, लेकिन यह रणनीति ओवरटेक के लिहाज से कोई बड़ा बदलाव नहीं ला सकी। अधिकतर ड्राइवर सिर्फ मौके का इंतजार करते रहे। वेरस्टैपेन ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, बहुत रोमांचक रेस थी। हर लैप पर मैं सीट के किनारे बैठा था। शायद अगले साल चार पिट स्टॉप हों। मैं भी चार स्टॉप करके पर ही आता।

फेरारी और रेड बुल के ड्राइवर रहे पीछे

नॉरिस ने आखिरी सेक्शन में खुद को नियंत्रण में रखा, जहां लेक्लर उनके पीछे दबाव बना रहे थे और वेरस्टैपेन आगे की रणनीति को लेकर प्रयोग कर रहे थे। नॉरिस ने रेस में चार कारों को छोड़कर सभी को लैप कर दिया। यह सीजन की नॉरिस की दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री में भी जीत दर्ज की थी।

मर्सिडीज का निराशाजनक प्रदर्शन

मर्सिडीज के लिए यह रेस किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। सात बार के वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि जॉर्ज रसेल को ड्राइव थ्रू पेनल्टी मिली और वह 11वें स्थान पर रहे। रेसिंग बुल्स के इसाक हदजर छठे और हास के एस्टेबन ओकॉन सातवें स्थान पर रहे। लियाम लॉसन ने आठवां स्थान हासिल कर सीजन के अपने पहले अंक अर्जित किए, जबकि एलेक्स एल्बोन (विलियम्स) और कार्लोस सैंज ने टॉप 10 में जगह बनाई।

फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल को दी गई भावभीनी विदाई

पेरिस,26 मई (एजेंसियां) ।

14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन और पूर्व स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल को रविवार को रोलां गैरोस कॉम्प्लेक्स के कोर्ट फिलिप शात्रिए पर आयोजित एक विशेष समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। 38 वर्षीय नडाल ने पिछले साल नवंबर में टेनिस से संन्यास लिया था और इस अवसर पर हजारों दर्शकों ने खड़े होकर उन्हें सम्मान दिया।

20 साल के सफर पर नडाल हुए भावुक

समारोह के दौरान नडाल ने जब अपने करियर की झलकियों का वीडियो देखा तो वे बेहद भावुक हो गए। उन्होंने कहा,मुझे नहीं पता कहां से शुरू करूंज मैं पिछले 20 सालों से इस कोर्ट पर खेलता आया हूं। मैंने यहां दर्द भी सहा है, जीत का स्वाद भी चखा है, और हार भी देखी है। इस कोर्ट पर मेरे जीवन की सबसे गहरी भावनाएं जुड़ी हैं।

दर्शकों ने अलग-अलग रंग की टी-शर्ट पहनकर का अद्भुत नजारा पेश किया, जो नडाल को उनके 14 फ्रेंच ओपन खिताबों के लिए सम्मान देने का तरीका था। पूरा स्टेडियम तालियों और जयकारों से गूंज उठा। परिवार और दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में हुआ सम्मान समारोह में नडाल के परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे—उनके चाचा और पूर्व कोच टोनी नडाल, पिता सेबास्टियन नडाल, मां एना मारिया परेरा, पत्नी मारिया फ्रांसिस्का पेरेलो, बहन मारिया इसाबेल और बेटे राफा जूनियर ने इस ऐतिहासिक पल को साझा किया। इसके अलावा मौजूदा फ्रेंच ओपन महिला चैंपियन पोलैंड की इगा स्विएतेक, पुरुष चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज और उनके कोच जुआन कार्लोस फेरेरो भी समारोह में शामिल हुए। ये दोनों खिलाड़ी सोमवार से अपने खिताब की रक्षा शुरू करेंगे। एक बार फिर मंच साझा किया नडाल के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे भी इस समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए। चारों दिग्गजों को एक साथ देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। नडाल ने कहा, इतने सालों की लड़ाई के बाद यह सब देखना बहुत भावुक कर देने वाला है। वक्त सब कुछ बदल देता है। फेडरर और जोकोविच दोनों ने नडाल को गले लगाया। खास बात यह रही कि तीन साल पहले नडाल ने फेडरर के विदाई मैच में उनके साथ जोड़ी बनाकर खेला था, जिसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जिसमें दोनों दिग्गज हाथ पकड़े भावुक नजर आए थे।

एक युग का अंत - नडाल, जोकोविच, फेडरर और मरे—इन 'बिग फोर' ने पिछले दो दशकों में टेनिस को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। नडाल 22 बार, फेडरर 20 बार, जोकोविच 24 बार और मरे 3 बार ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं।

रोलां गैरोस की यह विदाई सिर्फ एक खिलाड़ी के लिए नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम युग को अलविदा कहने जैसा रहा।

जल्द लॉन्च होने वाले रीयलमी के स्मार्टफोन ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

रीयलमी के लॉन्च होने वाले स्मार्टफोन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। दरअसल रीयलमी जीटी7 की जिसने पूरे 24 घंटे तक मूवी प्ले करके एक अनोखा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। यह स्मार्टफोन जल्द ही लॉन्च होने वाला है। रीयलमी ने 23 मई को पूरे 24 घंटे तक मूवी प्ले करने का रिकॉर्ड बनाया।

बता दें रीयलमी की एंडलैस पॉवर जर्नी नाम की एक खास मुहिम के तहत कंपनी ने एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की है। यह इवेंट यूरोप में एक क्रूज पर आयोजित किया गया था, जिसकी शुरुआत रोम, इटली से हुई। इस चैलेंज की शुरुआत 22 मई 2025 को शेनझेन, चीन से एक लाइवस्ट्रीम के जरिए की गई थी। 24 घंटे तक मूवी प्लेबैक करने के इस रिकॉर्ड को 23 मई 2025 की रात 9:30 बजे आधिकारिक रूप से पूरा किया गया। जहां गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के जजेस ने इसे मान्य घोषित किया।

रीयलमी ने हाल ही में अपने अपकमिंग स्मार्टफोन जीटी7 सीरीज से जुड़ी कुछ जानकारी शेयर की हैं। कंपनी के मुताबिक इस शानदार रिकॉर्ड के पीछे फोन की पावरफुल 7000मेगाहॉर्स की बैटरी है, जो 120वोल्ट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। इतनी बड़ी बैटरी और तेज चार्जिंग की वजह से ही रीयलमी जीटी7 ने बिना रुके 24 घंटे लगातार मूवी चलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने यह भी बताया कि जीटी 7 की बैटरी की क्वालिटी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक 5-स्टार बैटरी सर्टिफिकेशन से नवाजा गया है। यह इस फोन में इस्तमाल की गई बैटरी की क्वालिटी और सेफ्टी को साबित करता है।

बता दें यह सर्टिफिकेशन सिर्फ उन्हीं डिवाइसेज को दिया जाता है, जो लंबी बैटरी लाइफ, तेज चार्जिंग और सुरक्षित इस्तेमाल के सभी स्टैंडर्ड्स पर खरे उतरते हैं।

रीयलमी जीटी7 सीरीज का ग्लोबल और इंडिया लॉन्च 27 मई 2025 को होने वाला है। यह खास लॉन्च इवेंट पेरिस, फ्रांस में होगा। इस मौके पर कंपनी जीटी7 और जीटी7टी दोनों ही पेश किए जाएंगे। लॉन्च के बाद इन दोनों स्मार्टफोन मॉडल्स को साइड और अन्य रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकेगा। कुल मिलाकर इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के जरिए रीयलमी जीटी7 ने साबित कर दिया है कि बैटरी को लेकर इस फोन से किसी को कोई शिकायत नहीं होने वाली।

न्यूज ब्रीफ

कैरेंस क्लैविस भारतीय बाजार में लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ कंपनी ने अपनी एमपीवी कैरेंस क्लैविस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी का यह मॉडल छह और सात सीट के लेआउट में उपलब्ध है। इसमें लेवल-2 अडास टेक्नोलॉजी दी गई है, जो सेफ्टी के लिहाज से खास है। कैरेंस क्लैविस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.49 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप मॉडल में 21.49 लाख रुपये तक जाती है। डिजाइन की बात करें तो किआ कैरेंस क्लैविस में नए एलईडी हेडलैम्प, कनेक्टेड एलईडी टेल लैम्प और आइवरी सिल्वर ग्लॉसी फिनिश जैसी खूबसूरती बढ़ाने वाली खूबियां हैं। नई एमपीवी डुअल-टोन 17-इंच के नए अलॉय व्हील्स और स्पोर्टी सैटिन क्रोम एक्सेंट्स के साथ आती है। अंदर केबिन में 67.62 सेंटीमीटर का डुअल-डिस्प्ले लेआउट दिया गया है, जो टेक्नोलॉजी प्रेमियों को आकर्षित करेगा। फीचर्स की लिस्ट भी काफी इम्प्रेसिव है। पावरट्रेन के मामले में कैरेंस क्लैविस में तीन इंजन ऑप्शन मिलते हैं 1.5 लीटर एनए पेट्रोल, 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन। गियरबॉक्स में 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड आईएमटी, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड ऑटोमैटिक विकल्प शामिल हैं। यह नई किआ कैरेंस क्लैविस सीधे तौर पर मारुति सुजुकी अर्टिगा जैसी कारों से मुकाबला करेगी। इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, पावर-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, बोस ब्रांड का 8-स्पीकर ऑडियो सिस्टम, डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, 64 रंगों में एम्बिएंट लाइटिंग और सीटबैक में स्मार्ट एयर प्यूरीफायर शामिल है। सुरक्षा के लिहाज से भी यह एमपीवी कम नहीं है, इसमें 6 एयरबैग्स का प्रावधान किया गया है।

इस सप्ताह खुलेंगे 9 कंपनियों के आईपीओ, 7000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने वालों को इस हफ्ते कई मौके मिलेंगे। इस सप्ताह बाजार में 9 आईपीओ खुलने वाले हैं। ये आईपीओ मेनबोर्ड और एसएमई सेगमेंट में खुलेंगे। इनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड कैटेगरी के हैं। इनके नाम एजिस वोपाक टर्मिनल और स्कालोस बेंगलोर हैं। ये दोनों मिलकर 6,300 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाना चाहते हैं। बाकी सात आईपीओ एसएमई सेगमेंट से हैं। इस सप्ताह करीब 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ लॉन्च होंगे। आईपीओ की इतनी भीड़ ऐसे समय में आ रही है जब बाजार में काफी उतार-चढ़ाव है। लेकिन कंपनियों को उम्मीद है कि एसएमई और बड़ी कंपनियों के आईपीओ में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रहेगी। मेनबोर्ड आईपीओ को कैसा रिस्पॉन्स मिलता है, इससे ये भी पता चलेगा कि जून और बाकी साल में बाजार कैसा रहेगा। एसएमई सेगमेंट में कई कंपनियां अपने आईपीओ ला रही हैं। प्रोस्टर्म इंफो सिस्टम 27 मई को अपना आईपीओ खोलेगी। ये कंपनी 168 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। ब्ल्यू वाटर भी 27 मई को अपना खोल रही है।

लेजेंडर इलेक्ट्रिक स्कूटर का फेसलिफ्ट मॉडल जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। जेलियो ई-मोबिलिटी कंपनी ने अपने लोकप्रिय लेजेंडर इलेक्ट्रिक स्कूटर का नया फेसलिफ्ट मॉडल जल्द लॉन्च करने का ऐलान किया है। भारतीय बाजार में यह नया मॉडल जुलाई 2025 में उपलब्ध होगा। कंपनी ने इसे खासतौर पर बदलती शहरी मोबिलिटी की जरूरतों के हिसाब से बनाया है, ताकि यह ज्यादा स्मार्ट, स्टाइलिश और किफायती विकल्प साबित हो सके। लेजेंडर स्कूटर एक एफिशिएंट 60/72वी बीएलडीसी मोटर से चलता है और हर चार्ज पर केवल 1.5 यूनिट बिजली खर्च करता है, जिससे यह रोजमर्रा की सवारी के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बनता है। नया फेसलिफ्ट मॉडल एक बार चार्ज करने पर लगभग 150 किलोमीटर की रेंज प्रदान करेगा और इसकी अधिकतम गति 25 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहेगी। यह स्कूटर भरोसेमंद होने के साथ-साथ कम खर्च वाला भी रहेगा। नए मॉडल की खासियत इसके बोल्ड और स्पोर्टी लुक, नए ग्राफिक्स और मॉडर्न बॉडी डिजाइन में नजर आएगी, जो खासकर युवा और स्टाइल प्रेमियों को आकर्षित करेगी। जेलियो ई-मोबिलिटी के को-फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर कुणाल आर्य ने बताया कि लेजेंडर कंपनी के सबसे पसंदीदा मॉडलों में से एक है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना हुआ था। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,802.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 188.53 अंक यानी 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,731.21 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोप पर थोपे गए 50 प्रतिशत टैरिफ को 9 जुलाई तक टाल देने के फैसले के कारण डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में तेजी का माहौल बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 386.01 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,989.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत टूट कर 8,717.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 130.04 अंक यानी 1.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,734.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 369.59 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,629.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 188 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,071 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 267.61 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ 37,428.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने भी जोरदार मजबूती दिखाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.18 प्रतिशत की छलांग लगाकर 2,622.78 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,866.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.18 प्रतिशत लुढ़क कर 21,613.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 250.67 अंक यानी 1.06 प्रतिशत फिसल कर 23,350.59 अंक के स्तर पर नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत टूट कर 7,164.29 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,338.42 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,174.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

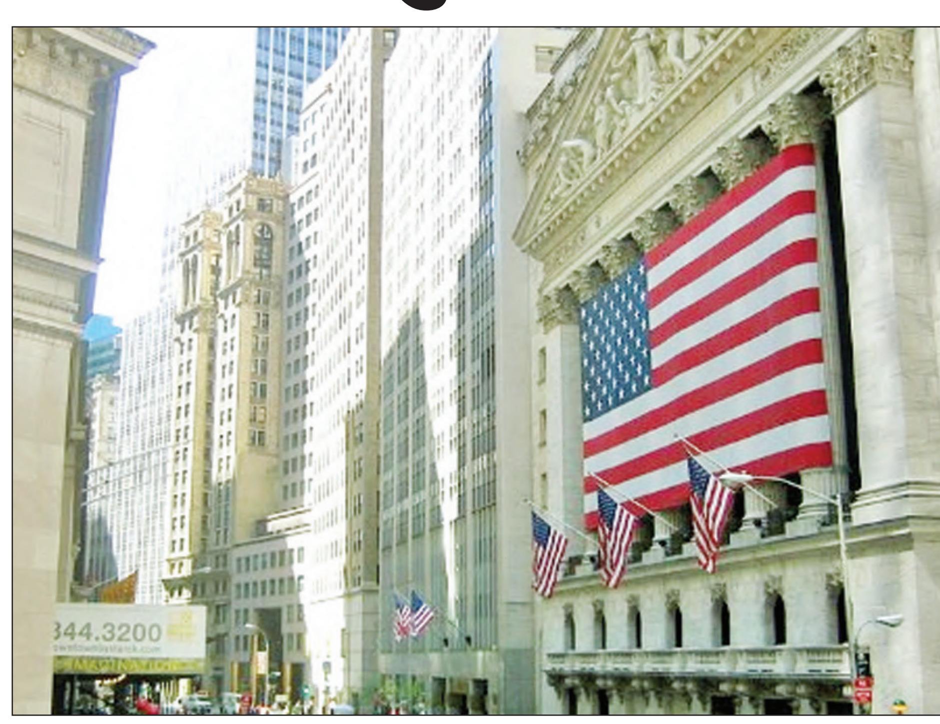

शाओमी ने की नई इलेक्ट्रिक वाययू7 एसयूवी पेश

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

चाइनीज कंपनी शाओमी ने अपनी नई इलेक्ट्रिक वाययू7 एसयूवी को पेश किया है, जो कई मायनों में टेस्ला मॉडल वाय से आगे है। शाओमी वाययू7 को तीन वैरिएंट स्टैंडर्ड, प्रो और मैक्स में उपलब्ध कराया गया है। स्टैंडर्ड वैरिएंट एडब्ल्यूडी कॉन्फिगरेशन में है, जिसमें 96.3 केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी लगी है और यह 835 किलोमीटर की रेंज देता है। इसमें सिंगल रियर मोटर है जो 320 पीएस पावर जनरेट करता है।

प्रो वैरिएंट एडब्ल्यूडी कॉन्फिगरेशन के साथ आता है, जिसमें डुअल मोटर होते हैं और कुल पावर 496 पीएस है, साथ ही 770 किलोमीटर की रेंज मिलती है। टॉप-स्पेक मैक्स वैरिएंट में 101.7केडब्ल्यूएच एनएनसीएम बैटरी और 690 पीएस पावर के साथ 760 किमी की रेंज मिलती है।

यह एसयूवी 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार केवल 3.23 सेकंड में पकड़ सकती है, जो टेस्ला मॉडल वाय से तेज़ है। वाययू7 में 15 मिनट की चार्जिंग में 620 किमी की रेंज हासिल होती है, जबकि टेस्ला मॉडल वाय इस समय में लगभग 260 किमी का सफर तय करता है। एसयूवी की लंबाई 4,999 मिमी, चौड़ाई 1,996 मिमी और ऊंचाई 1,600 मिमी है, जिसमें कई प्रीमियम डिज़ाइन एलिमेंट्स जैसे वॉटरड्रॉप हेडलाइट्स, फ्लश डोर हैंडल और कर्वी बॉडी पैनलिंग शामिल हैं।

फीचर्स की बात करें तो वाययू7 में नप्पा लेदर अपहोल्स्ट्री, 16.1 इंच की सेंट्रल टचस्क्रीन, 1.1 मीटर का अल्ट्रा-वाइड प्रोजेक्टेड डिस्प्ले और एडवांस्ड अडास सेफ्टी टेक्नोलॉजीज मौजूद हैं। एसयूवी में नविडिया ड्राइव एजीएक्स थोर टीउम कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म भी लगाया गया है, जो इसे तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत बनाता है। बता दें कि चीन की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक कंपनी शाओमी की पहली इलेक्ट्रिक एसयू7 सेडान ने जबरदस्त सफलता हासिल की है, जिसकी बिक्री 2.58 लाख यूनिट से ज्यादा हो चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टेररिज्म को टूरिज्म...

सीमा पार चल रहे 9 सबसे बड़े आतंकी ठिकानों को ढूंढ निकाला। आतंकियों ने 22 अप्रैल को जो खेल खेला था, 6 मई को उन्हें मिट्टी में मिला दिया गया। पाकिस्तान की सेना ने जब दुस्साहस दिखाया तो हमारी सेना ने पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंटवारे के बाद जिस देश का जन्म हुआ उसका एक मात्र लक्ष्य भारत से दुश्मनी है, नफरत है और भारत का नुकसान करना है। जबकि भारत का लक्ष्य अपने यहां की गरीबी को दूर करना, अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और विकसित भारत बनाना है। हम इसी दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।प्रधानमंत्री ने रेलवे और विकास प्रकल्पों के लोकार्पण और भूमिपूजन के बाद आयोजित गुजरात के आदिवासी पट्टे उमरगाम से अंबाजी में आए बदलाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब गुजरात के आदिवासी पट्टे में 12वीं कक्षा तक का एक भी स्कूल नहीं था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। उन्होंने गुजरात के लोगों से स्वदेशी अपनाने की अपील की। सरकार का मूल उद्देश्य है कि जो भी क्षेत्र विकास में पीछे छूट गए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विकास किया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज 26 मई का दिन है, वर्ष 2014 में आज के ही दिन हमने पहली बार प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इस दौरान देश ने वह फैसले लिए जो अकल्पनीय है, अभूतपूर्व है। इन वर्षों में देश ने दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा है। देश हर सेक्टर में आगे बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हम 140 करोड़ भारतीय मिलकर अपने देश को विकसित भारत बनाने के लिए जी-जान से जुटे हैं। देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए वह हम भारत में ही बनाए। यह आज के समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज तेज गति से मैनुफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। आज हम स्मार्ट फोन से लेकर गाड़ियां, सेना के सामान, दवाएं दुनिया के देशों में निर्यात कर रहे हैं। आज भारत रेल मेट्रो, के लिए जरूरी टेक्नोलॉजी खुद बनाता भी है और दुनिया में एक्सपोर्ट भी कर रहा है। दाहोद इसका जीता-जाता उदाहरण है। इसमें सबसे शानदार दाहोद के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव फैक्टरी है। तीन साल पहले इसका शिलान्यास किया था। आज तीन साल बाद इस फैक्ट्री में पहला इलेक्ट्रोमोटिव बनकर तैयार हो गया। यह गुजरात और देश के लिए गर्व की बात है।प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात के शत-प्रतिशत रेल नेटवर्क का बिजलीकरण पूरा होना भी एक बड़ी उपलब्धि है। दाहोद के साथ अपने संबंधों की चर्चा कर प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका दाहोद के साथ रिश्ता राजनीति में आने के बाद नहीं बना है, बल्कि यह लगभग 70 साल पुराना है। जब उन्हें दो-दो, तीन-तीन पीढ़ियों के साथ काम करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि आज वे लगभग 20 साल बाद परेल गए, तो पूरा परेल बदल चुका है। उस समय परेल में साथियों के साथ घर पर शाम को रोटी खाकर वापस आते थे। उन्होंने कहा कि दाहोद के बारे में उन्होंने जो सपना देखा है, वह आंख के सामने साकार होते देखने का सौभाग्य मिला है। हिन्दुस्थान में आदिवासी जिला किस तरह विकास हो, इसका मॉडल दाहोद बना है। रेलवे में किस गति से विकास हुआ है, यह भी उदाहरण है। देश में लगभग 70 रूट पर आज वंदे भारत ट्रेन चल रहा है। आज से अहमदाबाद से वेरावल जाने का भी वंदे भारत से जाने का रास्ता सुगम हो गया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि अब नई टेक्नोलॉजी देश की युवा पीढ़ी भारत में तैयार कर रही है। कोच, लोकोमोटिव पहले विदेश से लाना पड़ता था, आज भारत रेलवे के साथ जुड़े कई चीजों को बनाकर दुनिया में अहम निर्यातक बन गया है। ऑस्ट्रेलिया आदि देशों को भारत में बने कोच निर्यात हो रहे हैं। मैक्सिको, स्पेन, जर्मनी, इटली आदि देशों में रेलवे के छोटे-बड़े उपकरण निर्यात हो रहे हैं। यह काम एमएसएमई बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेड इन इंडिया लोकोमेटिव-इंजन भारत कई देशों में निर्यात कर रहा है। मेड इन इंडिया जिस गति से विकास कर रहा है, भारत गर्व से सिर ऊंचा कर रहा है। उन्होंने लोगों से विदेशी सामान के इस्तेमाल बंद करने का आह्वान किया। गणपति में छोटी आंख वाली गणपति बाहर से मंगवाते हैं, यह बंद होना चाहिए। जब रेलवे मजबूत होगी तो सुविधा भी बढ़ेगी, इसका लाभ उद्योग, खेती, विद्यार्थी और महिलाओं को लाभ होगा।उन्होंने कहा कि रेलवे के नए रूट का लोकार्पण किया गया है। दाहोद और वलसाड के बीच एक्सप्रेस ट्रेन शुरू किया गया है। रेलवे रूट के सभी जगह पहुंचने से इसका लाभ दाहोद के आदिवासी जनता को होगा। कारखानों के जरिए दाहोद के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा। एक समय था जब दाहोद के परेल को नजर के सामने मरते देखा है और आज इसे जानदार-शानदार होते देखा है। आगामी दिनों में दाहोद में हर दो दिन में एक लोकोमोटिव तैयार होगा। उन्होंने कहाकि आज वडोदरा में विमान हवाईजहाज बनाने काम तेजी से हो रहा है। वडोदरा में देश की पहली गति शक्ति यूनिवर्सिटी बनी है। सावली में रेल कार बनाने की बड़ी फैक्ट्री बनी है, जिसका दुनिया में परचम फहर-एगा। प्रधानममंत्री ने दाहोद और पंचमहाल में औद्योगिक विकास से हो रहे बदलाव का खास जिक्र किया। इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भी संबोधित किया।

प्रथम लोकोमोटिव इंजन देश को समर्पित, 27 हजार करोड़ के कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दाहोद में आयोजित एक कार्यक्रम में रिमोट के जरिए रेलवे विभाग, जलापूर्ति विभाग, सड़क एवं भवन विभाग, शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग की 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने दाहोद में 9000 एचपी का प्रथम लोकोमोटिव इंजन देश को समर्पित किया। उन्होंने 21405 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित लोको मैन्युफैक्चरिंग शॉप-रोलिंग स्टॉक वर्कशोप का लोकार्पण करने के साथ आणंद-गोधरा, मेहसाणा-पालनपुर, राजकोट-हडमतिया रेलवे लाइन के डबलिंग कार्य, साबरमती-दाहोद 107 किलोमीटर रेलवे लाइन इलेक्ट्रिफिकेशन तथा कलोल-कडी-कटोसण रेलवे लाइन गेज परिवर्तन के 2287 करोड़ रुपये के कार्यों सहित रेलवे के कुल 23692 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने साबरमती-वेरावल वंदे भारत ट्रेन और वलसाड-दाहोद एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

माताओं-बहनों...

शाह ने दोहराया, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि चाहे वे कहीं भी छिपे हों, हम उन्हें ढूंढ़ लेंगे और खत्म कर देंगे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि पिछली सरकारों के तहत, आतंकी हमलों का अक्सर कोई जवाब नहीं दिया जाता था या उन्हें कमजोर प्रतिक्रिया मिलती थी। उन्होंने हाल के वर्षों में देश की मजबूत हुई रक्षा स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि निष्क्रियता के दिन समाप्त हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी रणनीति बदल दी है और अब वह किसी भी खतरे का निर्णायक तरीके से जवाब देता है।

बाल-बाल बचे...

खासकर देश के कई हिस्सों में प्री-सीजन मानसून के चलते। अधिकारियों को यहां इन खेलों पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। पुरी बीच पर समुद्र बहुत ही उथल-पुथल भरा है। मैं कोलकाता वापस जाने के बाद पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगी, जिसमें उनसे यहां जल-खेलों को रोकने के लिए कहा जाएगा।

जस्टिस वर्मा की...

सीपीआईओ ने सीपीआईओ, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया बनाम सुभाष चंद्र अग्रवाल और आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(श) और 11(1) में सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले का हवाला दिया।धारा 8(1)(ई) प्रत्ययी क्षमता में रखी गई जानकारी को तब तक छूट देती है जब तक कि कोई बड़ा सार्वजनिक हित स्थापित न हो जाए, जबकि धारा 11 तीसरे पक्ष की जानकारी को प्रकटीकरण से बचाती है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, अतिरिक्त रजिस्ट्रार और सीपीआईओ ने जवाब में कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, आनुपातिकता परीक्षण, प्रत्ययी संबंध, निजता के अधिकार पर आक्रमण और गोपनीयता के कर्तव्य के उल्लंघन के संदर्भ में जानकारी प्रदान नहीं की जा सकती है।बता दें, जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से जुड़े एक स्टोर रूम में आग बुझाने के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद आंतरिक जांच शुरू की गई थी। उस समय, वे दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे।

डीजीएमओ के ...

रूप से यह स्वीकार करने का आरोप लगाया कि भारत ने पाकिस्तान को ऑपरेशन के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था। गांधी ने इस तरह की संवेदनशील जानकारी साझा करने से होने वाले संभावित नुकसान के बारे में चिंता जताई, उन्होंने सवाल किया कि इस संचार के कारण कितने भारतीय वायु सेना के विमान खो गए। गांधी ने एक वीडियो क्लिप का भी हवाला दिया जिसमें जयशंकर ने कथित तौर पर कहा कि ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को एक संदेश भेजा था, जिसमें कहा गया था, 'हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं और हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं। सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने और बाहर खड़े होने का विकल्प है।

बिहार चुनाव : महागठबंधन में...

तब एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर चुनाव लड़कर पांच सीटें जीतकर सनसनी फैला दी थी। पार्टी को इन 20 सीटों पर 14.28% वोट मिले थे। बीएसपी 78 सीटों पर चुनाव लड़कर केवल एक सीट जीत सकी, जबकि आरएलएसपी 99 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद अपना खाता खोलने में विफल रही। एआईएमआईएम ने सीमांचल में राजद को बड़ा नुकसान पहुंचाया था और महागठबंधन सरकार बनाने के चुक गई थी। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी बिहार के मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र से अपनी पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत कर चुके हैं। एआईएमआईएम की पिछली कोशिश लोकसभा चुनाव के दौरान आरजेडी के विरोध के कारण महागठबंधन में शामिल होने की विफल हो गई थी। इस असंगतता पर सवाल उठाते हुए आदिल ने कहा: अगर महागठबंधन विकासशील इंसान पार्टी को वापस ले सकता है, जो 2020 में एनडीए के साथ थी, तो एआईएमआईएम क्यों नहीं? एआईएमआईएम की बिहार इकाई के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि उन्होंने सांसदों और विधायकों के माध्यम से गठबंधन के हित को व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, कोई भी पार्टी अकेले भाजपा-जद(यू) गठबंधन का मुकाबला नहीं कर सकती। समान विचारधारा वाली ताकतों को एक साथ आना चाहिए। भाजपा सांप्रदायिक बयानों का इस्तेमाल करती है, लेकिन कई विपक्षी दल मुसलमानों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते हैं। ओवैसी दोनों के खिलाफ खड़े हैं।

दुर्लभ कृत्तिका और रोहिणी नक्षत्र में आज मनाई जाएगी शनि जयंती, मिलेगा अक्षय फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 27 मई को यानी आज शनि जयंती है। यह पर्व हर साल ज्येष्ठ अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इस दिन न्याय के देवता शनिदेव की पूजा की जाती है। मंगलवार के दिन पड़ने के चलते शनि जयंती का महत्व और बढ़ गया है। इस शुभ अवसर पर देवों के देव महादेव की विशेष पूजा की जाती है।

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ अमावस्या के दिन कई मंगलकारी योग का संयोग बन रहा है। शनि जयंती कृत्तिका और रोहणी नक्षत्र में मनाई जाएगी। इस योग में शनिदेव की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

कब है शनि जयंती शुभ मुहूर्त

हर साल ज्येष्ठ अमावस्या के दिन शनि जयंती मनाई जाती है। सनातन धर्म शास्त्रों में निहित है कि न्याय के देवता का अवतरण ज्येष्ठ अमावस्या के दिन हुआ है। इसके लिए हर साल ज्येष्ठ अमावस्या पर शनिदेव की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही मनचाहा वरदान पाने के लिए साधक व्रत रखते हैं। इस व्रत को करने से साधक को सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

शनि जयंती शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 26 मई को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट पर ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि

की शुरुआत होगी। वहीं, 27 मई को सुबह 08 बजकर 31 मिनट पर ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 27 मई को शनि जयंती मनाई जाएगी।

नक्षत्र एवं करण

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ अमावस्या के दिन प्रातः काल 05 बजकर 32 मिनट तक कृत्तिका नक्षत्र है। इसके बाद रोहिणी नक्षत्र का संयोग है। रोहिणी नक्षत्र देर रात 02 बजकर 50 मिनट तक है। ज्योतिष रोहिणी नक्षत्र को बेहद शुभ मानते हैं। जैन धर्म में रोहिणी नक्षत्र का खास महत्व है। वहीं, संध्याकाल में बव करण का संयोग बन रहा है। इन योग में शनिदेव की पूजा करने से साधक पर न्याय के देवता की विशेष कृपा बरसेगी।

शनि जयंती शुभ मुहूर्त

शनि जयंती के दिन एक साथ कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इस शुभ अवसर पर सुबह में सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। वहीं, देर रात 10 बजकर 54 मिनट तक सुकर्मा योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही सुबह 08 बजकर 31 मिनट तक शिववास योग है। इस योग में भगवान शिव की पूजा एवं भक्ति करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 12 मिनट पर

चंद्रास्त- शाम 07 बजकर 49 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 03 मिनट से 04 बजकर 44 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 36 मिनट से 03 बजकर 31 मिनट तक

इस दिन शनि देव की खास कृपा पाने के लिए राशि अनुसार करें ये उपाय

हर साल ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि पर शनि जयंती मनाई जाती है। इस दिन साधक भगवान शनि की पूजा करते हैं। इस दिन रवि पुत्र की पूजा करने से जीवन के आने वाले संकटों का नाश होता है। इसके साथ ही भगवान शनि का आशीर्वाद मिलता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार शनि जयंती 27 मई यानी आज मनाई जा रही है।

शनि जयंती पर चढ़ाएं ये चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोग शनि जयंती पर भगवान शनि को लड्डू चढ़ाएं।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक इस दिन भगवान शनि को दूध से बनी चीजें अर्पित करें।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोग इस तिथि पर मूंग की दाल शनि देव को अर्पित करें।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातक शनि जयंती पर दही-मिश्री का भोग शनि देव को लगाएं।

सिंह राशि: सिंह राशि वाले इस तिथि पर शनि देव को गुड़ अर्पित करें।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर साबुत उड़द भगवान शनि को अर्पित करनी चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोग शनि जयंती पर गुलाब का फूल शनि देव को चढ़ाएं।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातक इस अवसर पर शमी पत्र शनि देव को चढ़ाएं।

धनु राशि: धनु राशि के लोग इस दिन पर पीली मिठाई का भोग शनि देव को लगाएं।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को शनि जयंती पर न्याय के देवता को सरसों का तेल अर्पित करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातक इस तिथि पर काले तिल छाया पुत्र को अर्पित करें।

मीन राशि: मीन राशि के लोग इस मौके पर आम शनि देव को अर्पित करें।

तुलसी में अर्पित करें ये चीजें, कभी नहीं सताएगी पैसों की कमी

तुलसी को हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। घर में हरा-भरा तुलसी का पौधा होना एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। कुछ विशेष दिनों को छोड़कर रोजाना तुलसी में जल अर्पित करने से साधक को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि जल के अलावा तुलसी में और कौन-सी चीजें अर्पित करने से आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

कब-कब अर्पित करें जल

रोजाना तुलसी में जल अर्पित करना बहुत ही शुभ जाता है। इससे सकारात्मकता बनी रहती है और घर-परिवार में खुशहाली का माहौल देखने को मिलता है। लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रविवार और एकादशी के दिन तुलसी में जल अर्पित करने की मनाही होती है। इसके पीछे की मान्यता यह है कि एकादशी पर मां तुलसी निर्जला व्रत करती हैं।

गुरुवार के दिन अर्पित करें ये चीजें

हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित किया जाता है। वहीं तुलसी विष्णु जी को बेहद प्रिय मानी गई है। ऐसे में आप गुरुवार के दिन पानी में थोड़ी-सी हल्दी मिलाकर तुलसी में अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको प्रभु श्रीहरि की कृपा प्राप्त हो सकती है।

मिलेगी मां लक्ष्मी की कृपा

शुक्रवार का दिन मुख्य रूप से धन की देवी अर्थात मां लक्ष्मी के लिए समर्पित है। ऐसे में आप इस दिन

पर तुलसी में दूध में गंगाजल मिलाकर अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा से आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

मिलते हैं शुभ परिणाम

आप तुलसी के पौधे में गन्ने का रस भी अर्पित कर सकते हैं। इससे आपको भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा मिलती है, जिससे घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही इससे आपको आर्थिक परेशानियों और नकारात्मक ऊर्जा से भी मुक्ति मिल सकती है।

अर्पित करें ये चीजें

जल अर्पित करने के साथ-साथ आप तुलसी माता की पूजा के दौरान चंदन और पीले रंग का धागा अर्पित कर सकते हैं। इससे भी आपको जीवन में अद्भुत परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

विनायक चतुर्थी के दिन भूलकर भी न करें ये गलतियां, नाराज हो सकते हैं विघ्नहर्ता

हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, चतुर्थी तिथि पर व्रत करने से काम में आ रही बाधा दूर होती है। साथ ही भगवान गणेश की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन अन्न, धन समेत आदि चीजों का दान भी करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि विनायक चतुर्थी के दिन दान और पूजा करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और रुके हुए काम पूरे होते हैं। इस दिन कुछ कामों को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि वर्जित कामों को करने से साधक को गणपति बप्पा की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

विनायक चतुर्थी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 29 मई को देर रात 11 बजकर 18 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 मई को रात 09 बजकर 22 मिनट पर होगा। ऐसे में 30 मई को विनायक चतुर्थी मनाई जाएगी।

विनायक चतुर्थी के दिन क्या करें

विनायक चतुर्थी के दिन के दान करने का खास महत्व है।

स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें।

सच्चे मन से महादेव के पुत्र भगवान गणेश की पूजा करें।

गणेश चालीसा का पाठ करें।

मोदक समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। मंत्रों का जप करें। सात्विक चीजों का सेवन करें।

विनायक संकष्टी चतुर्थी के दिन क्या न करें

इस दिन काले रंग के कपड़े न पहनें। तामसिक चीजों का सेवन भूलकर भी न करें। किसी से कोई वाद-विवाद भी न करें। बड़ों का अपमान न करें। घर और मंदिर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

भगवान गणेश के मंत्र

श्री वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटी समप्रभा।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व-कार्येशु सर्वदा।।
ॐ श्रीं गं सौभाग्य गणपतये।
वर्वर्द सर्वजन्म में वषमान्य नमः।।
ॐ एकदन्ताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि,
तन्नो दन्ति प्रचोदयात्।।
* ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये
वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा।।

इस बार गंगा दशहरा पर बन रहे हैं कई दुर्लभ संयोग, पूजा का मिलेगा कई गुना फल

गंगा दशहरा का हिंदुओं के बीच बड़ा महत्व है। यह सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। यह दिन पूरी तरह से देवी गंगा की पूजा के लिए समर्पित है। कहते हैं कि इस दिन देवी गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं, इसलिए इस दिन को देवी गंगा की जयंती के रूप में मनाया जाता है।ऐसा माना जाता है कि इस अवसर पर देवी की पूजा करने से घर में सुख-शांति का आगमन होता है। वहीं, इस बार इस पावन तिथि पर कई शुभ योग बन रहे हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 04 जून को देर रात 11 बजकर 54 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 06 जून को रात 02 बजकर 15 मिनट पर होगा। पंचांग गणना के आधार पर इस बार गंगा दशहरा का पावन पर्व 5 जून को मनाया जाएगा।

गंगा दशहरा शुभ योग

हिंदू पंचांग के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन सिद्धि योग सुबह 9 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। इसके साथ रवि योग और हस्त नक्षत्र का संयोग रहेगा। वहीं, तैतिल करण योग दोपहर 1 बजकर 2 मिनट तक रहेगा। इसके बाद गर करण योग रात 02 बजकर 15 मिनट तक रहेगा।

ऐसा माना जाता है कि इस दौरान आप गंगा स्नान, पूजा-पाठ और दान पुण्य कर सकते हैं। इससे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा पूजा मंत्र

ॐ जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता।।
गांगं वारि मनोहारि मुरारिचरणच्युतम्।
त्रिपुरारिशिरश्चारि पापहारि पुनातु माम्।।
गांगं वारि मनोहारि मुरारिचरणच्युतम्।
त्रिपुरारिशिरश्चारि पापहारि पुनातु माम्।।

ज्येष्ठ अमावस्या पर दान पुण्य करने से मिलता है लाभ

ज्येष्ठ मास की अमावस्या है। जब सोमवार को अमावस्या होती है तो इसे सोमवती कहा जाता है। सोमवती अमावस पर शिव जी का रुद्राभिषेक करने की परंपरा है। इसके साथ ही इस दिन पितरों के लिए धूप-ध्यान और दान-पुण्य किए जाते हैं। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि सोमवती अमावस्या की तिथि पर पितरों का तर्पण करना बहुत शुभ होता है। इस दिन पितरों को तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि इस वर्ष 26 मई 2025 को पड़ रही है। यह तिथि दोपहर 12:11 मिनट से आरंभ होगी और अगले दिन यानी 27 मई को शाम 8:31 मिनट तक चलेगी। ऐसे में सोमवती अमावस्या का प्रमुख पर्व 26 मई को ही मनाया जाएगा। उदयातिथि के आधार पर ज्येष्ठ अमावस्या सोमवार को होगी और इसीलिए यह अमावस्या सोमवती अमावस्या कहलाएगी। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या में स्नान और दान उदयातिथि में मान्य होता है। इसलिए ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि 26 मई को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि जब सोमवार के दिन आती है। तब इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। ज्येष्ठ माह की सोमवती अमावस्या का दिन आत्मशुद्धि, पितृ तर्पण और भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक शुभ अवसर है। यदि इस दिन विधिपूर्वक पूजा और उपाय किए जाएं तो घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। इस पावन अवसर का महत्व समझते हुए इसे पूरे श्रद्धा और आस्था के साथ मनाना चाहिए।

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का बेहद महत्व है। इस दिन व्रत, पूजन और पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है। महिलाएं सोमवती अमावस्या के दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। पितृ दोष निवारण के लिए दिन अत्यंत शुभ माना गया है। इस अमावस्या पर किए गए दान-पुण्य और तीर्थ स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है। मन शांत होता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। इस तिथि पर अपने-अपने क्षेत्रों की पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए और क्षेत्र के पौराणिक महत्व वाले तीर्थों के, मंदिरों के दर्शन करना चाहिए। पूजा-पाठ आदि शुभ काम करना चाहिए।

अगर हम किसी नदी में स्नान करने नहीं जा पाते हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाएं और तीर्थों का ध्यान करते हुए स्नान करें। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और सूर्यदेव को चढ़ाएं। ऐसा करने से भी तीर्थ और नदी स्नान के बराबर पुण्य मिल सकता है। स्नान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज और गोशाला में धन, हरी घास का दान करें। अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। घर में दोपहर करीब 12 बजे गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उसके अंगारों पर गुड़-घी डालें। पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्घ्य अर्पित करें। किसी शिव मंदिर में दीपक जलाएं, शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।

पूरे साल में दो बार अमावस्या का संयोग

पंचांग की गणना बता रही है कि साल सोमवती अमावस्या का संयोग पूरे साल में दो बार ही बनने जा रहा है। 26 मई के बाद 20 अक्टूबर को शाम के समय सोमवार के दिन अमावस्या तिथि का संयोग बन रहा है जिससे सोमवती अमावस्या का संयोग बनेगा। शास्त्रों का नियम है कि सूर्यास्त से पूर्व अगर सोमवार को अमावस्या एक घड़ी भी हो, तो उसे सोमवती अमावस्या माना जाता है। इस दिन शिवजी और माता पार्वती की पूजा करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है

ज्येष्ठ अमावस्या तिथि

ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि इस वर्ष 26 मई 2025 को पड़ रही है। यह तिथि दोपहर 12:11 मिनट से आरंभ होगी और अगले दिन यानी 27 मई को शाम 8:31 मिनट तक चलेगी। ऐसे में सोमवती अमावस्या का प्रमुख पर्व 26 मई को ही मनाया जाएगा। उदयातिथि के आधार पर ज्येष्ठ अमावस्या सोमवार को होगी और इसीलिए यह अमावस्या सोमवती

अमावस्या कहलाएगी।

गंगाजल से स्नान

इस दिन गंगाजी या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना बहुत पुण्यकारी माना गया है। स्नान का उत्तम समय सूर्योदय से पूर्व माना जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर विधिवत स्न्नान करने से भगवान विष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। यदि आप नदियों में स्नान करने नहीं जा सकते तो आप घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिवत स्नान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

अमावस्या का ज्योतिषीय महत्व

अमावस्या तिथि के दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में होते हैं। जहां सूर्य आग्नेय तत्व को दर्शाता है तो वहीं चंद्रमा शीतलता का प्रतीक है। सूर्य के प्रभाव में आकर चंद्रमा का प्रभाव शून्य हो जाता है। इसलिए मन को एकाग्रचित करने का यह कारगर दिन होता है। इसलिए अमावस्या का दिन आध्यात्मिक चिंतन के लिए श्रेष्ठ होता है। अमावस्या को जन्म लेने वाले की कुंडली में चंद्र दोष होता है।

सूर्य को प्रदान करें अर्घ्य

पदमपुराण के अनुसार पूजा, तपस्या, यज्ञ आदि से भी श्री हरि को उतनी प्रसन्नता नहीं होती, जितनी कि प्रातः स्नान कर जगत को प्रकाश देने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से होती है। इसलिए पूर्व जन्म और इस जन्म के सभी पापों से मुक्ति और भगवान सूर्य नारायण की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य को नियमित सूर्य मंत्र का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य अवश्य प्रदान करना चाहिए।

पीपल के वृक्ष में पितरों का वास

माना जाता है कि अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। इस दिन पीपल और भगवान विष्णु का पूजन किया जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लक्ष्मी जी की कृपा पाने के लिए इस दिन मीठे जल में दूध मिलाकर चढ़ाएं, क्योंकि इस दिन पीपल के पेड़ पर मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। पूजन के बाद पीपल की यथा शक्ति परिक्रमा करके जीवन में आने वाली सभी समस्याएं खत्म होने के लिए प्रार्थना करें।

दान करने से मिलेगा पुण्य – इस दिन अन्न, दूध, फल, चावल, तिल और आवंले का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। गरीबों, साधु, महात्मा तथा ब्राह्मणों को भोजन करवाना चाहिए। स्नान-दान आदि के अलावा इस दिन पितरों का तर्पण करने से परिवार पर पितरों की कृपा बनी रहती है।

पितरों को करें प्रसन्न

सोमवती अमावस्या के दिन पितरों के नाम जल में तिल डालकर दक्षिण दिशा में तर्पण करें। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। ऐसे में इस दिन तर्पण करने से पितरों को तृप्ति मिलती है और वे आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष की पूजा करें। दूध चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा लगाएं। पीपल के नीचे दीपक जलाएं। ऐसा करने से परिवार में खुशहाली आती है। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। इस दिन पितरों के निमित्त गीता के सातवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। पितरों का ध्यान करते हुए सोमवती अमावस्या के दिन दान करें। सोमवती अमावस्या के दिन पीपल का एक पौधा लगाएं। ऐसा करने से पितर खुश होते हैं। वह आर्थिक स्थिति सुधरती है।

करें उपाय –अमावस्या के दिन तिल को आटे में मिलाकर रोटी बनाए और गाय को खिलाएं। इससे घर में सुख-शांति आएगी। अमावस्या के दिन स्नान के बाद आटे की गोलियां बनाएं। इस गोलियों को मछलियों को खिलाएं। इस उपाय से कई परेशानियां दूर होती हैं। अमावस्या के दिन पितरों का ध्यान करते हुए जरूरतमंद या गरीब को दान करें। अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त गीता का सातवां अध्याय का पाठ करें। अमावस्या के दिन जल में तिल मिलाकर उसे दक्षिण दिशा की ओर तर्पण करें। ऐसा करने से पितर आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन दूध में अपनी छाया देखें। इस दूध को काले कुत्ते को पिलाएं। इससे मानसिक तनाव दूर होता है। अमावस्या के दिन शाम के समय ईशान कोण में दीपक जलाएं। बत्ती के लिए लाल रंग के धाते का इस्तेमाल करें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। अमावस्या के चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

परेश रावल फिल्म हेराफेरी 3 से बाहर !

वरिष्ठ अभिनेता परेश रावल के वकीलों, आनंद एंड नाइक, ने 'हेरा फेरी 3' फिल्म से अभिनेता के बाहर होने को लेकर लगाए गए आरोपों पर अब अपना पक्ष रखा है। पहली बार उन्होंने इस मामले में बयान जारी किया है। यह बयान उस समय आया जब रविवार सुबह परेश रावल ने कहा था कि उनके वकील अमित नाइक ने उनके बाहर होने और अनुबंध खत्म करने को लेकर कानूनी जवाब भेज दिया है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, मेरे वकील ने मेरे सही तरीके से फिल्म छोड़ने पर जवाब भेज दिया है। अब सब कुछ साफ हो जाएगा। इसके बाद वकीलों के बयान में बताया गया कि परेश रावल के फिल्म से बाहर होने की असली वजह क्या है। अभिनेता के वकीलों ने बताया कि उन्हें कहानी, स्क्रीनप्ले और एक लंबा एग्रीमेंट ड्राफ्ट नहीं मिला, जो उनके क्लाइंट के साथ काम शुरू करने के लिए बहुत जरूरी था। इन सब की कमी के कारण और ओरिजिनल फिल्म के प्रोड्यूसर, नाडियाडवाला ने उनके क्लाइंट को नोटिस भेजकर फिल्म बनाने पर आपत्ति जताई, इसलिए उनके क्लाइंट ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया और ब्याज सहित पैसे वापस कर दिए।

उन्होंने 'टर्म शीट' (शुरुआती समझौता) को भी खत्म कर दिया है। यह बात फ़िरोज़ नाडियाडवाला (साजिद नाडियाडवाला के चचेरे भाई) को संबोधित करते हुए कही गई। परेश रावल ने फिल्म से इसलिए दूरी बनाई ताकि आपसी संबंधों पर असर न पड़े। विवाद तब शुरू हुआ जब मीडिया में खबर आई कि परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' से बाहर होकर फैन्स का दिल तोड़ दिया। इसके बाद अभिनेता अक्षय कुमार ने कानूनी कदम उठाया।

अक्षय कुमार इस फिल्म के निर्माता भी हैं। परेश रावल ने यह भी साफ किया कि उनका फिल्म छोड़ने का कारण निर्देशक प्रियदर्शन से कोई रचनात्मक मतभेद नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन के लिए उनके मन में बहुत सम्मान है। उन्होंने यह भी बताया कि यह फैसला उन्होंने सोच-समझकर लिया, क्योंकि अब 'बाबू भैया' का किरदार उनके भीतर की कला को आकर्षित नहीं कर पा रहा था।

रविवार को उनके वकीलों के बयान से यह और साफ हुआ कि परेश रावल अब फिल्म के लिए किसी प्रकार से जिम्मेदारी नहीं है और उन्होंने मिली रकम 11 लाख रुपये ब्याज सहित लौटा दी है। अक्षय कुमार की टीम का कहना था कि परेश रावल के हटने से फिल्म की टीम, शूटिंग और खर्चों को नुकसान हुआ।

इसके जवाब में परेश के वकीलों ने कहा, पहले तो उन्होंने पैसे लिए, फिर बाद में एक नोटिस भेजा, जबकि उन्हें पता था कि अभी न कहानी तैयार है और न ही फिल्म का टाइटल साफ है। ऐसे में नुकसान की बात ही नहीं उठती। उम्मीद है कि अब वे सच को स्वीकार करेंगे और आगे बढ़ेंगे। अब जब दोनों पक्ष अपने-अपने कानूनी कदम उठा रहे हैं, तब यह तय नहीं है कि 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी का भविष्य क्या होगा।

बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल हुई ऐश्वर्या ट्रोल पर दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की ग्लोबल आइकन और पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन एक बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने अनोखे और रॉयल अंदाज से चर्चा में आ गई हैं। इस बार ऐश्वर्या ने फेस्टिवल के पहले दिन एक पारंपरिक बनारसी साड़ी पहनकर सबका ध्यान खींच लिया। माथे पर सिंदूर, गले में चोकर और कंधों पर लहराता लंबा दुपट्टा-ऐश्वर्या का यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल था।

बढ़े वजन को लेकर ट्रोल्स फिर एक्टिव

हर बार की तरह इस बार भी कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ऐश्वर्या के लुक की तारीफ करने की बजाय उनके वजन पर टिप्पणी करते नजर आए। ट्रोल्स का कहना था कि ऐश्वर्या का वजन अब भी पहले जैसा ही है, और वे पहले जैसी स्लिम नहीं दिखतीं।

ट्रोल्स को ऐश्वर्या का पुराना लेकिन दमदार जवाब

ऐश्वर्या राय पहले भी ट्रोल्स के निशाने पर आ चुकी हैं, खासकर 2011 में बेटी आराध्या के जन्म के बाद। उस वक्त भी उनका वजन काफी बढ़ गया था। लेकिन एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बहुत शालीन लेकिन मजबूत शब्दों में कहा था। यह बहुत ही सामान्य बात है। मेरे शरीर में बदलाव आया और मैं उस रूप में भी सहज थी। अगर मैं चाहती तो रातों-रात वजन कम कर सकती थी, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया क्योंकि मुझे कोई असहजता नहीं थी। अगर लोगों को इससे दिक्कत थी, तो शायद उन्हें ड्रामा पसंद आता होगा।

जवाब में दिखा आत्मविश्वास और ठहराव

ऐश्वर्या ने यह भी कहा था कि उन्होंने कभी बढ़े वजन के कारण खुद को सार्वजनिक जीवन से दूर नहीं किया। वे अपनी बेटी के साथ समय बिताने के बाद भी आत्मविश्वास के साथ मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होती रहीं। यही आत्मविश्वास और हाजिरजवाबी उन्हें बाकी अभिनेत्रियों से अलग बनाता है।

फिर साबित किया- ऐश्वर्या हैं ब्यूटी विद ब्रेन

इस साल कान्स में ऐश्वर्या ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि खूबसूरती केवल चेहरे की नहीं होती, आत्मविश्वास, परंपरा के सम्मान और सोच की परिपक्वता ही असली पहचान होती है। उनका लुक, उनकी चुप्पी में छिपा संदेश और ट्रोल्स को नजरअंदाज करने का तरीका यह दिखाता है कि वे आज भी इंडस्ट्री की सबसे परिपक्व और प्रभावशाली हस्तियों में से एक हैं।

कान्स के समापन समारोह में छाया आलिया भट्ट का लुक

गुच्ची की पहली साड़ी से प्रेरित पोशाक में आईं नजर

कान्स फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में आलिया भट्ट ने ऐसा लुक चुना जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। इस बार आलिया ने जिस अंदाज़ में रेड कार्पेट पर कदम रखा, वह भारतीय विरासत और अंतरराष्ट्रीय फैशन की अनूठी मिलन कहानी बन गया। रिया कपूर द्वारा स्टाइल की गई यह पोशाक गुच्ची के लिए भी खास रही, क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि यह मशहूर फैशन हाउस की भारतीय साड़ी से प्रेरित पहली ड्रेस थी।

आलिया का यह पहनावा स्किन टोन में था, जिसे स्वारोवस्की क्रिस्टल्स से सजाया गया था और उस पर गुच्ची का प्रतिष्ठित जीजी मोनोग्राम बारीकी से उकेरा गया था। पारदर्शी और बारीक क्रिस्टल नेट से तैयार यह आउटफिट किसी शिल्पकला से कम नहीं लग रहा था। साड़ी से प्रेरित इस ड्रेप की सबसे खास बात थी उसका लंबा, फ्लोइंग पल्लू जो सोशल मीडिया पर सबसे ज़्यादा चर्चा में रहा।

ब्लाउज़ की बात करें तो वह भी पूरी तरह से ड्रामा से भरा हुआ था-मेटैलिक लुक और नेट जैसी बनावट ने रेड कार्पेट पर इसे और भी ग्लैमरस बना दिया। इसके साथ आलिया ने डायमंड रिविएरे नेकलेस और सिंपल इयर स्टड्स पहनकर पूरे लुक को संतुलित रखा। खुले और लहराते बालों के साथ न्यूड, डेवी मेकअप और सिर्फ काजल से उभरी आंखों ने उनके लुक को और भी आकर्षक बना दिया। यह आलिया भट्ट की गुच्ची की वैश्विक ब्रांड एम्बेसडर बनने के बाद पहली बड़ी इंटरनेशनल रेड कार्पेट एंट्री थी, और उन्होंने इसे पूरी गरिमा और आत्मविश्वास के साथ निभाया। यह आउटफिट भारतीय विरासत और पश्चिमी हाई फैशन का मेल था-बिना किसी बनावटीपन के। फैशन प्रेमियों की नजर में यह अब तक के कान्स में आलिया का सबसे शानदार लुक माना जा रहा है।

गुच्ची, जो अब तक इतालवी विरासत को मॉडर्न स्टाइल से मिलाता आया है, इस बार भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को ग्लोबल रैंप पर लेकर आया, और इसे पूरी शालीनता और अंदाज के साथ पेश किया आलिया भट्ट ने। यह लुक सिर्फ फैशन स्टेटमेंट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गर्व की झलक भी था।

दिशा पाटनी के बोल्ड तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर मचाया तहलका

बॉलीवुड की खूबसूरत और फिट एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। वह फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने फोटोज और वीडियो से फैंस का ध्यान खींचती हैं।हाल ही में दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद बोल्ड बिकिनी फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में दिशा समंदर किनारे रेत पर बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने ग्रीन कलर की बिकिनी पहन रखी है और हर फोटो में अलग अंदाज में पोज कर रही हैं।दिशा की ...छ तस्वीरें मिरर सेल्फी की भी हैं, जिसमें वह अपने ...लों को लहराते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने ...स फोटोशूट के साथ सिर्फ एक सन इमोजी शेयर ...किया, लेकिन तस्वीरों ने बिना कुछ कहे ही फैंस ...ा दिल जीत लिया।दिशा की फोटोज पर फैंस ने ...मकर कमेंट किए हैं। कोई उन्हें बोल्डनेस की ...नी कह रहा है तो कोई काईली जेनर कौन? ...से मजेदार कमेंट कर रहा है। यहां तक कि ...क्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने भी दिशा की फोटो ...र फायर इमोजी शेयर कर रिएक्शन दिया है। ...िशा पाटनी का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी ...टाइलिश और बोल्ड फोटोज से भरा हुआ ...। फैंस उनकी हर पोस्ट का बेसब्री से ...जार करते हैं और उनकी हर नई तस्वीर ...ायरल हो जाती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आप–को अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार–मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए । इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 मई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या प्रातः 08:34 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 02:51 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 10:53 तक
करण : नाग प्रातः 08:34 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवकार्य भौमवती अमावस्या, प्रतिपदा तिथि क्षय, संत ज्ञानेश्वर जयंती , करवीर व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्यपाल बंडारू ने नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्तों को दिलाई शपथ

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी रहे उपस्थित

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्त–त्रेय ने आज सोमवार को राजभवन में आयोजित गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव व नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त टीवीएसएन प्रसाद (आईएएस सेवानिवृत्त) को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। साथ ही, चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों– अमरजीत सिंह (एच–सीएस सेवानिवृत्त), कर्मवीर सैनी, नीता खेड़ा और संजय मदान को भी पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई गई।

राज्यपाल ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की भूमिका को लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नवनियुक्त आयुक्तों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे निष्पक्षता, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, ताकि सूचना के अधिकार को और सशक्त किया जा सके।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरियाणा में शराबियों को झटका

छोटे गांव में होंगे ठेके बंद, सरकार का बड़ा फैसला

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। अगर आप हरियाणा में रहते हैं और शराब के शौकीन हैं तो यह जानकारी आपके लिए जरूरी है। राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति में कुछ संशोधन किए हैं, जिसका सीधा असर आपके शराब पीने पर पड़ेगा। खास तौर पर उन बस्तियों में जहां गुरुकुल या शिक्षण संस्थान संचालित है, फिलहाल शराब का कारोबार नहीं होगा। यानी सरकार ने अब ऐसे गावों में नशे से दूर रहने की सोच को अपनी नीति में शामिल किया है।

गांव के माहौल को ध्यान में रखते हुए सरकार ने एक और अहम फैसला किया है: दो किलोमीटर के दायरे में सिर्फ एक शराब की दुकान खुलेगी। कभी हर जगह दिखने वाली शराब की दुकान अब गांवों में नहीं दिखेगी। वहीं शहरों की बात करें तो कॉलेजों के नजदीक शराब की दुकान खोलने की दूरी 150 मीटर से घटाकर 75 मीटर कर दी गई है। इस पर लोगों का ध्यान जरूर जाएगा, लेकिन सरकार इसे नियंत्रित योजना के तौर पर देख रही है।

नई नीति के तहत शराब की दुकानें खोलने का काम भी गांव की आबादी के हिसाब से तय किया गया है। 500 से कम आबादी वाले इलाकों में शराब की दुकानें नहीं खुलेंगी। वहीं, 500 से 5000 की आबादी वाले शहरों में एक शराब की दुकान खोलने की अनुमति होगी। इस कदम का मकसद ग्रामीण इलाकों में शराब पर रोक लगाना है। अगर आप विदेशी शराब पीने के शौकीन हैं तो यह जानकारी थोड़ी निराश करने वाली हो सकती है। इस बार सरकार ने एक्साइज टैक्स बढ़ा दिया है और दुकानों का रिजर्व प्राइस भी बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर शराब की कीमतों पर पड़ेगा, कीमत करीब 15 फीसदी बढ़ सकती है। यानी एक ही बोतल अब पहले से ज्यादा महंगी होगी।

रासायनिक खाद की बजाय प्राकृतिक खेती को अपनाएं किसान : सैनी

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग करने से बचें। उन्होंने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी सशक्त और मजबूत हो, इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना होगा। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरा बनी रहती है, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु हरियाणा सरकार किसानों को एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे वे गो–आधारित जैविक विधियों को अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

मुख्यमंत्री सोमवार को जिला कुरुक्षेत्र के गांव बिहोली में राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक के उद्घाटन करने उपरांत उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 4 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बना यह पॉलीक्लिनिक आसपास के क्षेत्र के पशुओं को विशेष पशुचिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। इस पॉलीक्लिनिक में पैथोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, गायनोकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, सर्जरी, अल्ट्रासाउंड, एक्स–रे जैसी सेवाओं के साथ–साथ इनडोर एवं आउटडोर इकाइयाँ भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही, यह संस्थान विशेषज्ञ पशु चिकित्सा अधिकारियों, तकनीशियनों और सहायक स्टाफ से सुसज्जित होगा, जिससे यह एक आदर्श पशु चिकित्सा केन्द्र के रूप में स्थापित होगा।

वर्तमान समय में पशुपालन क्षेत्र में आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुधारू पशुओं की कीमत हजारों में नहीं, लाखों में है। भूमिहीन और छोटे किसानों के लिए इतना महंगा पशु खरीदना मुश्किल होता है। यदि वह खरीद भी लेता है तो उसे पशु के स्वास्थ्य की चिंता रहती है। इन हालातों में पशु चिकित्सा संस्थानों का महत्व बहुत बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि इस समय पूरे राज्य में 6 राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक चल रहे हैं। ये सिरसा, जींद, रोहतक, भिवानी, सोनीपत और रेवाड़ी में स्थित हैं। अब कुरुक्षेत्र का यह पॉलीक्लिनिक 7वां केन्द्र बन गया है। उन्होंने कहा कि जिला कुरुक्षेत्र में इस समय 49 राजकीय पशु चिकित्सालय एवं 72 राजकीय पशु औषधालय चल रहे हैं। इनमें पशु चिकित्सकों के 51 पदों में से 47 पद तथा वी.एल.डी.ए के 130 में से 119 पद भरे हुए हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार लगातार गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रही है। पिछले 10 वर्षों में राज्य में लगभग 650 गौशालाएं खोली गई हैं। वर्ष 2014 से पहले गौशालाओं के लिए सरकार का बजट मात्र 2 करोड़ रुपये था, जबकि आज वर्तमान सरकार ने इस बजट को बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये से अधिक किया है ताकि कोई भी गौवंश बेसहारा न रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रदेश के किसानों और पशुपालकों पर गर्व है, जिनकी कड़ी मेहनत से हरियाणा को पशुपालन में विशेष पहचान मिली है। हालांकि, राज्य में देश के दुधारू पशुओं का मात्र 2.1 प्रतिशत हिस्सा है, फिर भी हम देश के कुल दूध उत्पादन का 5.11 प्रतिशत योगदान करते हैं।

सीएम सैनी ने अमृत 2.0 योजना के तहत विकास कार्यों के लिए 350 करोड़ की राशि को दी स्वीकृति

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अमृत 2.0 योजना के तहत हिसार व यमुनानगर शहरों में सीवरेज योजना के विस्तार, पुराने/क्षतिग्रस्त मैनहोल की मरम्मत, नई स्वीकृत कॉलोनियों में सीवरेज बिछाने और एसटीपी के निर्माण के लिए 35087.42 लाख रूपये की राशि को स्वीकृति दी।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि हिसार शहर में सीवरेज योजना के विस्तार करने, विभिन्न कॉलोनियों में 200 एमएम से 1200 एमएम तक की सीवर लाइन उपलब्ध कराने व बिछाने, ईंट सीवर के सीआईपीपी, 2 एसटीपी का निर्माण, 5 आईपीएस का निर्माण, 1 एमपीएस का निर्माण, मैनहोल का निर्माण, मैनहोल स्लैब को ऊपर उठाना, मैनहोल स्लैब को नीचे करना और अमृत 2.0 योजना के तहत हिसार शहर में पुराने/क्षतिग्रस्त मैनहोल की मरम्मत के लिए 23678.86 लाख रुपये की अनुमानित लागत स्वीकृत की गई है।

उन्होंने बताया कि यमुनानगर शहर में विभिन्न 12 नई स्वीकृत कॉलोनियों में सीवर लाइन उपलब्ध कराने व बिछाने तथा अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत यमुनानगर शहर (उप नगरीय क्षेत्र) में नई स्वीकृत कॉलोनियों में सीवरेज बिछाने के लिए 11408.56 लाख रुपये की अनुमानित लागत स्वीकृत की गई है।

अमर्यादित बयानबाजी पर महिला आयोग ले संज्ञान, भाजपा करें कार्रवाई : हुड्डा

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भाजपा नेता लगातार मर्यादाओं को लांघ रहे हैं। पहले मध्यप्रदेश के मंत्री और उपमुख्यमंत्री ने सेना के विरुद्ध गैर–जिम्मेदाराना बयान दिया। और अब हरियाणा के बीजेपी सांसद ने आतंकी हमले के शिकार और शहीदों के विरुद्ध बेहद ही निम्न स्तर की टिप्पणी करी। ऐसा बयान नाकाबिल–ए–बर्दाश्त हैं। महिला आयोग को तुरंत इसका संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए और इससे पहले खुद बीजेपी को भी ऐसे नेताओं के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के साथ पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस को सरकार में शामिल होने का न्यौते देने वाले बयान पर हुड्डा ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह बयान 11 साल के बीजेपी कार्यकाल की नाकामी को जगजाहिर करता है। खुद मुख्यमंत्री मान रहे हैं कि काम तो सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है। बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में प्रदेश में एक भी बड़ा संस्थान या बड़ा उद्योग स्थापित नहीं किया। ना ही एक इंच भी मेट्रो और रेलवे लाइन को आगे बढ़ाया गया। ना ही प्रदेश में बिजली उत्पादन के लिए कोई नया प्लांट स्थापित किया। 2014 से पहले कांग्रेस कार्यकाल के दौरान हरियाणा विकास के हर पैमाने में नंबर वन था। लेकिन आज हर क्षेत्र में बुरी तरह पिछड़ चुका है। अपनी इन्हीं नाकामियों को छुपाने के लिए मुख्यमंत्री ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं।

जाति जनगणना के मुद्दे पर बोलते हुए हुड्डा ने कहा कि यह कांग्रेस का एजेंडा था। कांग्रेस और हमारे नेता राहुल गांधी ने हर मंच से इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया था।

पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत बना संसार की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था : ओमप्रकाश

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत संसार की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए हर देशवासी बधाई का पात्र है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भारत अगले तीन चार साल में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत की अर्थव्यवस्था के सामने अमेरिका, चीन और जर्मनी ही अब आगे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रिलियन का अर्थ है 10 खरब यानी एक लाख करोड़ होता है। हमारी अर्थ व्यवस्था अब चार लाख 18 हजार 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है अर्थात 356 लाख दस हजार 435 करोड़ रुपये की हो गई है।

धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में अर्थव्यवस्था के मामले में भारत का डंका अब फिर से पूरी दुनिया में बजने लगा है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अभी माहौल अच्छा है। देश की आर्थिक स्थिति मजबूत है। आने वाले कुछ वर्षो में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देंगे।धनखड़ ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में देश की ग्रोथ रेट 6.8 फीसदी रह सकती है। इसका मतलब है कि देश की इकोनॉमी इस दौरान तेजी से बढ़ी है।

राजस्थान की जेलों से अपराधियों की मनमानी, कानून व्यवस्था भगवान भरोसे : गहलोत

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर एक बार फिर भाजपा सरकार को घेरते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जेलें अब अपराधियों के ऐशगाह बन गई हैं, जहां से मुख्यमंत्री तक को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। गहलोत ने कहा कि जेलों में मोबाइल फोन का मिलना, रेस्टोरेंट्स से विशेष खाना मंगवाने की खबरें और अब जयपुर में अस्पताल के नाम पर जेल से बाहर निकाले गए कैदियों का अपनी प्रेमिकाओं और पत्नियों के साथ होटलों में मिलना, पूरे पुलिस और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्थिति भाजपा सरकार की विफलता का प्रतीक है, जो राज्य की जेलों को भी अपराधियों के लिए सुरक्षित स्थल बना चुकी है। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज अब राजस्थान में नहीं रह गई है। आज हर जिले से अपराध की चौंकाने वाली घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन राज्य सरकार मौन है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे राजस्थान को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया हो, गहलोत ने तीखा प्रहार करते हुए कहा।

कांग्रेस की जय हिंद सभा बनी पूरी तरह से खीज सभा : राठौड़

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस की जय हिंद सभा को ''खीज सभा'' बताते हुए कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को सिरे से खारिज कर दिए। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीकानेर में ऐतिहासिक सभा के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में जाकर कांग्रेस नेताओं ने रैली में झूठ, फरेब और पाखंड की ऐसी त्रिवेणी बहायी जिसने भी सुना उसे उनके ज्ञान पर तरस ही आया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते है कि संघ परिवार का तिरंगे में विश्वास नहीं है, नागपुर मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। यह उनके अल्पज्ञान का द्योतक है क्योंकि उस कालखंड में केवल सरकारी इमारतों पर ही तिरंगा फहराने की अनुमति थी, जबसे सर्वोच्च न्यायालय ने जिंदल मामले में इसे आम आदमी का अधिकार बताया, तब से संघ मुख्यालय पर भी ध्वजारोहण होता है। उन्होंने कहाकि 1930 में कांग्रेस लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का जब प्रस्ताव पारित हुआ था, उस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ हेडगेवार ने शाखाओं पर स्वतंत्रता दिवस मनाने के निर्देश दिए।

भजनलाल ने नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वी–राज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। शर्मा ने अधिकारियों को कार्यों में और अधिक गति लाते हुए तय समय–सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए पुनर्निर्माण कार्य को पूरा किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वाटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य पूर्ण होने के साथ ही हाउस के ऊपरी भाग के स्ट्रक्चर निर्माण का करीब 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। इस कार्य में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन का कार्य किया जाएगा। नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनपथ लेन स्थित देवस्थान विभाग द्वारा संचालित श्री बटुक भैरव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मांगों को लेकर गरमाया माहौल: सड़कों पर उतरे राजस्व कर्मी, सरकार से दो टूक जवाब की मांग

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। राज्य भर में राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। इसी कड़ी में आज मुजफ्फरपुर के राजस्व कर्मचारियों ने भी अपनी 17 मांगों को लेकर जिला समाहरणालय में जुलूस निकाला और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होंगी, वे विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस हड़ताल से सरकारी कामकाज पर असर पड़ा है, खासकर जमीन सर्वे का काम पूरी तरह रुक गया है। इससे सरकार के 2026 तक जमीन सर्वे पूरा करने के लक्ष्य पर भी संकट मंडरा रहा है।

बता दें कि बिहार सरकार जहां जमीन सर्वे को समय पर पूरा करने की बात कर रही है, वहीं राजस्व कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। मुजफ्फरपुर में आज कर्मचारी संघ कार्यालय से जुलूस की शक्ल में निकले और सरकार विरोधी नारे लगाते हुए समाहरणालय पहुंचे। वहां उन्होंने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। राजस्व कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में वेतन बढ़ाना, गृह जिले में पोस्टिंग, पुरानी पेंशन योजना की बहाली और कर्मचारियों पर की जा रही कार्रवाई को रोकना शामिल है। इस मौके पर जिला संघ के सचिव दीपक कुमार ने कहा कि हम लगातार अपनी मांगें सरकार के सामने रख रहे हैं, लेकिन सरकार हमें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारी पोस्टिंग हमारे जिले से बाहर कर दी गई है और सरकार यह कहकर हमारी मांगों को ठुकरा रही है कि हम जिला कैडर के कर्मचारी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर ऐसा है तो फिर हमारी बहाली स्टेट कैडर में क्यों की गई थी? दीपक कुमार ने कहा कि हमारा वेतन चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी से सिर्फ 100 रुपये ज्यादा है। इतने कम वेतन में हम अपने जिले से बाहर कैसे काम करें? उन्होंने यह भी बताया कि पहले सरकार ने शेखपुरा, मधुबनी और सुपौल में कई कर्मचारियों को एक साथ निलंबित कर दिया था, जो बिल्कुल गलत है। अब सरकार को यह फैसला वापस लेना चाहिए। डोंगल जमा करने के मामले पर उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, हम इसे जमा नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या रिटायर्ड कर्मचारी कंप्यूटर पर काम करने में सक्षम होंगे? हमें थोड़ा समय दिया जाए, हम कंप्यूटर का काम भी पूरा कर लेंगे।

संयुक्त सचिव राहुल कुमार ने कहा कि हमारी कुल 17 मांगें हैं, जिनमें से तीन सबसे अहम हैं- 200 ग्रेड में वेतनमान, गृह जिले में पोस्टिंग और कर्मचारियों पर की गई कार्रवाई को वापस लेना। अगर सरकार इन मांगों पर विचार नहीं करती, तो हम राज्य भर में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

गयाजी में बेमौसम बारिश से सड़कें जलमग्न

पटना (एजेंसियां)। बिहार के गया जी में सोमवार दोपहर में अचानक हुई बेमौसम बारिश ने गया नगर निगम की मानसून पूर्व तैयारियों की हकीकत उजागर कर दी।

बारिश के कुछ ही घंटों में नादरागंज, रामसागर रोड, केपी रोड, ढोलकिया गली समेत गया जी शहर के कई मुख्य मार्ग पानी में डूब गए। जलभराव के कारण आमजन को काम और व्यापार के लिए निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

गया नगर निगम ने इस वर्ष मानसून से पहले प्री-मानसून कार्य शुरू करने का दावा किया था और कहा था कि इस बार जलभराव की समस्या नहीं होगी। अधिकारियों ने निगरानी और समय पर कार्यवाही के वादे किए थे। लेकिन सोमवार दोपहर की बारिश ने इन दावों को झूठा साबित कर दिया। कई इलाकों में हालात ऐसे बन गए जैसे मानसून के चरम समय में बाढ़ आ गई हो।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बेमौसम की एक हल्की बारिश में ही सड़कें तालाब में तब्दील हो जाती हैं, तो असली मानसून के दौरान क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। जल निकासी व्यवस्था की कमजोरियों ने एक बार फिर गया जी की नगर व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। आज की बारिश से नाले से निकाला गया मलबा फिर उसी जगह पहुंच गया, जहां से निकाला गया था।

माता सीता के पुनौराधाम मंदिर का न्यास बोर्ड भंग

बिहार सरकार ने सीतामढ़ी को निखारने के लिए किया संशोधन

पटना (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने पुनौराधाम को अयोध्या धाम के अनुरूप विकसित करने की योजना बनाई है। सीतामढ़ी जिले में देवी सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम का विशेष धार्मिक और पर्यटन महत्व है। हिंदू धर्मावलंबी भगवान राम के साथ देवी सीता की भी पूजा करते हैं।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि का विकास किया गया है और यह श्रद्धालुओं के लिए बहुत आकर्षण का केंद्र बन गया है। अयोध्या और पुनौराधाम के बीच सीधा संपर्क है। व्यापक जनहित में श्रद्धालुओं की भावना और पर्यटन के व्यापक विकास की संभावना को ध्यान में रखते हुए मौजूदा पुनौराधाम को रामायण सर्किट के रूप में विकसित करना समीचीन है ताकि अयोध्या धाम से सीधा संपर्क हो सके। और चूंकि, अब तक यहां बहुत कम विकास हुआ है। बिहार सरकार ने पुनौराधाम को अयोध्या धाम के अनुरूप विकसित करने की योजना बनाई है।

सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में स्थित पुनौरा मठ (श्री सीता जन्म कुण्ड स्थल (श्री जानकी जन्म भूमि, पुनोरा धाम मंदिर) एक पंजीकृत सार्वजनिक न्यास है और पर्षद के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के तहत कार्य कर रहा है। चूँकि, बिहार राज्यपाल का समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान है, जिनके कारण बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 (बिहार अधिनियम-01, 1951) को इसके पश्चातब विहित रीति से संशोधित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करना आवश्यक हो गया है। इसलिए अब भारत संविधान के अनुच्छेद 213 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल निम्नलिखित अध्यादेश प्रख्यापित करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर एमएस बिट्टा का बड़ा बयान

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाने की जरूरत

मधेपुरा (एजेंसियां)। ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एमएस बिट्टा रविवार को मधेपुरा जिले के आलमनगर प्रखंड स्थित खुरहान गांव में आयोजित खेल महोत्सव में शामिल हुए। जहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान देते हुए आतंकवाद के खिलाफ देश की एकजुटता की आवश्यकता पर जोर दिया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाने की जरूरत है और सभी को परिपक्व राजनेताओं की तरह सोचते हुए राष्ट्रहित में एकजुट होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा कोई भी बयान देने से पहले नेताओं को पचास बार सोचना चाहिए क्योंकि जब देश सर्वोपरि होता है। हर मतभेद को भुलाकर एकजुट होना ही सच्ची देशभक्ति मानी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि हर भारतीय को अपनी पहली पहचान भारतीय के रूप में स्वीकार करनी होगी और यदि जान भी जाए तो जाए, लेकिन वतन की शान नहीं जानी चाहिए।

बिट्टा ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि मां के सामने बेटे को और पत्नी के सामने पति को छीन लेना कायरता की पराकाष्ठा है। भारत ऐसा देश है जो आम मानवता में विश्वास रखता है तथा निर्दोषों के कत्लेआम का विरोध करता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के समूल नाश के लिए संकल्पित है, इसलिए कुछ कार्रवाइयों में समय लग रहा है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर तब तक जारी रहेगा जब तक आतंकवाद का नामोनिशान मिट नहीं जाता।

पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए बिट्टा ने कहा कि वहां के राष्ट्रपति आतंकियों की मौत पर उनके जनाजे में गुलदस्ता भेजते हैं, जो उनके असली चेहरे को बेनकाब करता है। उन्होंने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में अमेरिका, रूस सहित कई अंतरराष्ट्रीय शक्तियां भारत के साथ खड़ी हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हर भारतीय इजराइल की तरह सतर्क, संगठित और राष्ट्र के प्रति समर्पित बनकर इस लड़ाई को मजबूती दे। गौरतलब है कि एमएस बिट्टा 1992 में हुए बम धमाके में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं। आज भी पूरे देश में अपनी स्पष्ट, साहसी और राष्ट्रवादी सोच के लिए पहचाने जाते हैं।

गोपालगंज में आर्केस्ट्रा पर कड़ी रोक

नर्तकियों को 24 घंटे में जिले से बाहर निकलने का अल्टीमेटम!

सारण (एजेंसियां)। गोपालगंज पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए जिले में किसी भी तरह के आर्केस्ट्रा कार्यक्रम पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। साथ ही पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और अन्य राज्यों से आई महिला डांसरों को तुरंत जिले को छोड़ने का आदेश दिया गया है।

गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के निर्देश पर सोमवार को जिले के सभी थानों में आर्केस्ट्रा के संचालकों और नर्तकियों के साथ पुलिस की बैठक हुई। सभी से वादा (बांड) लिया गया और उन्हें जानकारी दी गई। पुलिस का कहना है कि ये सभी ऑर्केस्ट्रा संचालक समाज में अश्लीलता फैला रहे थे। साथ ही हर्ष फायरिंग और अश्लील गीतों को बढ़ावा दिया जा रहा था। हाल ही में कई बार आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में ऐसी घटनाएं हुई, इसलिए पुलिस ने यह कड़ा कदम उठाया है। यह फैसला सिर्फ गोपालगंज में ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार में चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में आर्केस्ट्रा से जुड़ी दो बड़ी घटनाओं के कारण पुलिस ने यह कदम उठाया है। 23 मई की रात शहर के साधु चौक के पास एक शादी समारोह में डांस के दौरान विवाद हुआ, जिसमें ऑर्केस्ट्रा से जुड़े युवकों ने मिलकर दूल्हे को अगवा कर लिया था। कुछ दिन पहले भोजपुरी की मशहूर डांसर माही मनीषा और उनके बॉडीगार्ड पर भी ऑर्केस्ट्रा में विवाद के दौरान हमला हुआ था। इसी वजह से पुलिस ने ऑर्केस्ट्रा पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

एनआरआई के फ्लैट समेत कई घरों में भीषण चोरी, ज्वेलरी और डॉलर लेकर चोर फरार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर शहर में एक बड़ी चोरी हुई है। कुछ अज्ञात चोरों ने एक एनआरआई के घर समेत चार घरों में चोरी की। चोरी के वक्त एक महिला जाग गई और चोरों से लड़ाई की कोशिश की। चोरों की इस बेखौफ हरकत से पूरे मोहल्ले में डर फैल गया है। चोरी की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। लेकिन एक साथ कई घरों में चोरी होने से लोगों ने पुलिस की रात की गश्त पर सवाल उठाए हैं। यह घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के साकेतपुरी इलाके की है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की तहकीकात कर रही है।

सदर थाना क्षेत्र के साकेतपुरी इलाके में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मकान मालिक शैलेश कुमार सिंह के एनआरआई किरायेदार के घर में चोरों ने घुसकर चोरी की। एनआरआई जयप्रकाश सिंह जो साउथ अफ्रीका के केपटाउन में काम करते हैं, छुट्टी पर घर आए थे। वे करीब 400 डॉलर भी अपने साथ लाए थे, जिसे उन्हें एयरपोर्ट पर एक्सचेंज कराना था। एक रात जब सभी खाना खाने के बाद सो गए, तब चोरों ने कमरे के पीछे लगी ग्रील वाली खिड़की को काटकर घर में घुस गए। उन्होंने चोरी छुपकर करने के लिए कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। चोरों ने करीब पांच लाख रुपए की जेवरात चुरा ली।

चोरों ने जयप्रकाश सिंह के बैग में रखे पासपोर्ट से डॉलर निकाल लिया और पासपोर्ट वहीं छोड़कर भाग गए। यहां बताना जरूरी है कि इसी मकान में साल 2023 में भी चोरी हुई थी, लेकिन तब भी चोर पकड़े नहीं गए। इसके अलावा, चोरों ने एक और मकान, पी के सिंह के घर में भी चोरी करने की कोशिश की, लेकिन वहां चोरी नहीं कर सके। वहीं, जे पी सिंह के घर भी चोर घुसे और चोरी की। चोरी की आवाज सुनकर एक महिला जाग गई और चोरों से बहस हो गई। डर के कारण चोर वहां से भाग गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

सदर थाना के एसएचओ अश्मित कुमार ने बताया कि आज पुलिस को सूचना मिली कि कुछ चोर घर में घुसकर चोरी कर गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके पर जाकर पीड़ित से बात की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। चोरों ने घर के पीछे लगी खिड़की की ग्रील काटकर अंदर प्रवेश किया था। पुलिस जल्द ही चोरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

झोपड़ी में लगी आग से झुलस कर एक नवजात की मौत

पटना (एजेंसियां)। रोहतास जिले के कोचस से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां एक झोपड़ी में सो रहे एक छोटे बच्चे की आग में झुलसकर मौत हो गई। यह हादसा सोमवार की सुबह कोचस थाना क्षेत्र के अमसी डिहरा गांव में हुआ।

जानकारी के अनुसार, गांव के भोला चौहान का एक साल का बेटा झोपड़ी में सो रहा था। तभी बिजली के तार से चिंगारी निकली और झोपड़ी में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि झोपड़ी पूरी तरह जलने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने बच्चे को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि किसी की हिम्मत नहीं हुई अंदर जाने की। इस आग में झुलसकर बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद घर में मातम छा गया। कोचस थाने के चौकीदार कामता पासवान ने बताया कि सोमवार की सुबह एक झोपड़ी में आग लगने से नेपाली नाम के एक छोटे बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आग बिजली के तार से निकली चिंगारी की वजह से लगी। बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

सीएम नीतीश के करीबी नेता ने आरसीपी सिंह पर साधा निशाना

पार्टी से विश्वासघात का मिला परिणाम

मधेपुरा (एजेंसियां)। मधेपुरा के आलमनगर प्रखंड स्थित खुरहान में आयोजित खेल महोत्सव में बतौर अतिथि पहुंचे जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आरसीपी सिंह पर तीखा हमला बोला। सीएम नीतीश कुमार के करीबियों में एक मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि यह आरसीपी सिंह की बदकिस्मती है कि उन्हें प्रशांत किशोर की पार्टी को एक कार्यकर्ता की हैसियत से ज्वाइन करना पड़ा। एक समय वे जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्र सरकार में मंत्री थे।

उन्हें पार्टी से हर प्रकार का सम्मान मिला, लेकिन उन्होंने पार्टी के साथ विश्वासघात किया, जिससे पार्टी को भारी नुकसान हुआ।

मनीष वर्मा ने कहा कि पार्टी छोड़ने के बाद से आरसीपी सिंह के राजनीतिक करियर का ग्राफ लगातार गिरता चला गया। जो व्यक्ति कभी केंद्र में मंत्री रहा हो, यदि वह किसी नई पार्टी में कार्यकर्ता के तौर पर शामिल हो रहा है, तो यह उनके नैतिक पतन को दर्शाता है। नीतीश कुमार के बारे में पूछे गए सवाल पर मनीष वर्मा ने कहा कि कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि नीतीश कुमार को बाहर से संचालित किया जा रहा है। उनके पास अपार राजनीतिक अनुभव है और वह देश के बड़े नेताओं में शुमार हैं। उन्होंने बिहार की दिशा और दशा बदल दी है।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। प्रखंड और पंचायत स्तर पर खेल मैदानों का निर्माण किया जा रहा है। राजगीर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया गया है, जबकि पटना के मजरुल हक स्टेडियम को अपग्रेड किया जा रहा है। बिहार के युवाओं की सराहना करते हुए मनीष वर्मा ने कहा कि उनमें भरपूर प्रतिभा है। सही प्रोत्साहन मिलने पर ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार के युवा क्रिकेट समेत विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल के वर्षों में बिहार का प्रदर्शन खेलों में उल्लेखनीय रहा है।

बेतिया में पार्टी के दौरान 18 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

बेतिया (एजेंसियां)। बैरिया थाना क्षेत्र के पखनाहा बाजार स्थित प्रोजेक्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में 22 मई को हुई युवक मिट्ठू कुमार (18) की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपी शाहबाज खान और अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य दो नामजद आरोपी आसिफ खान और हरिओम कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ टू रजनीशकांत प्रियदर्शी ने बताया कि मृतक और आरोपी आपस में मित्र थे। 22 मई की शाम सभी ने विद्यालय परिसर में बैठकर पार्टी की।

इसी दौरान मिट्ठू कुमार द्वारा किए गए गाली-गलौज से विवाद उत्पन्न हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी शाहबाज खान ने जेब से चाकू निकालकर मिट्ठू पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चारों आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। मृतक के पिता मदन साह ने बैरिया थाने में चारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी शाहबाज खान ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त चाकू को उसने एक तालाब में फेंक दिया है। पुलिस फिलहाल तालाब की तलाशी ले रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार विवाद की शुरुआत विद्यालय परिसर में बने चबूतरे पर बैठने को लेकर हुई थी। आरोपी पहले से वहां बैठे थे। उसी दौरान नशे की हालत में पहुंचे मिट्ठू ने वहां बैठने को लेकर झगड़ा किया, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। एसडीपीओ ने बताया कि घटनास्थल से डिस्पोजल ग्लास भी बरामद हुआ है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वहां पार्टी चल रही थी। जांच के लिए उस ग्लास से नमूने लिए गए हैं, ताकि तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com